# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

**22 मार्च, 1984**

**खण्ड 1, अंक 9**

**अधिकृत विवरण**

## विशय सूची

**वीरवार, 22 मार्च, 1984**

**पृश्ठ संख्या**


| | |
|---|---|
| तारांकित प्र न एवं उत्तर | (9)1 |
| नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर | (9)25 |

| | |
|---|---|
| अतारांकित प्र न एवं उत्तर | (9)29 |
| विभिन्न विशयों का उठाया जाना | (9)38 |
| वाक आउट | (9)44 |
| वैयक्तिक स्पश्टीकरण–<br><br>श्री वेदपाल द्वारा | (9)44 |
| विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ) | (9)44 |
| वैयक्तिक स्पश्टीकरण–<br><br>श्री मंगल सैन द्वारा | (9)46 |
| वक्तव्य–<br><br>मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में कानून तथ व्यवस्था की तेजी से बिगड़ती हुई स्थितत तथा करनाल के समीप श्री वेदपाल, उपाध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा पर कातिलाना हमले सम्बंधी | (9)47 |
| वर्श 1984–85 के बजट पर सामान्य चर्चा | (9)58 |

# हरियाणा विधान सभा,

## वीरवार, 22 मार्च, 1984

विधानसभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

## तारांकित प्र न एवं उत्तर

**श्री अध्यक्षः** मैम्बर साहेबान, अब क्वै चन्ज होंगे।

### Upgradation of School in Rori Constituency

***638. Sh. Hari Chand Hooda:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) the expenditure, if any, incurred on the construction of new building and on the repair of old buildings of Government schools in Rori constitutency during the years 1982 and 1983 togetherwith the expenditure, if any, inucurred for the same purposes in all the constituencies of Rohtak district during the same period;

(b) the amount of grants given to the recognised private schools in Rori constituency during the year 1982-83 together with the amount of such grants given to the

recognised private schools in all the constituencies of Rohtak district during the same period; and

(c) the number of primary and middle schools upgraded during the year 1982-83 in Rori constituency and in all the constituencies of district Rohtak, separately ?

**Minister of State for Education (Sh. Jagdish Nehra):** The information is placed on the Table of the House.

(a) The expenditure incurred on the construciton of New Building and on the repair of old building in the Rori constituency is as under :-

**In 1982-83 for Rori constituency**

| Sr. No. | Name of the School | Amount sanctioned |
|---|---|---|
| 1 | G.H.S. Panniwala Mota | 40169 |
| 2 | G.H.S. Nunhinawali | 489 |
| 3 | G.H.S. Pannjuwana (Schience Room) | 586 |
| 4 | G.H.S. Panniwala Mota (Schience Room) | 375 |
| 5 | G.H.S. Bara Gudha | 1273 |
| 6 | G.H.S. Rori (Science Room) | 99 |
| 7 | G.H.S. Skekhupria | 166 |

| | | |
|---|---|---|
| 8 | G.H.S. Kharia | 18155 |
| 9 | G.H.S. Karamgarh | 11274 |
| 10 | G.H.S. Peerkhera | 7913 |
| 11 | G.H.S. Khaisergarh | 11948 |
| 12 | G.H.S. Khuiyan Nepalpur | 6724 |
| | | 99171 |
| | **Construction of An Addl. Room** | |
| 1 | G.H.S. Thiraj | 31649 |
| | **Total** | **130820** |

Expenditure incurred on the construction of new buildings and on the repair of old building in the constituencies of Rohtak Distt.

| Sr. No. | Name of the School | Amount sanctioned | | Constituency |
|---|---|---|---|---|
| 1 | G.H.S. Meham | 59500 | Repair | Meham |
| 2 | G.H.S. Siwana | 148800 | Do | Beri |
| 3 | G.H.S. Dupaldhan (Boys) | 176100 | Repair | Beri |
| 4 | G.H.S. Majra (D. | 180850 | Do | Beri |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | Dhan) | | | |
| 5 | G.H.S. Kharawar (Construction of boundary wall) | 26450 | Do Const. | Hasangarh |
| 6 | G.H.S. Kalinga (Construction of Hall) | 123800 | Do | Kalanaur |
| | **Total** | **715500** | | |

(b) That amount of grants given to recognised privately managed schools as under :-

| | | |
|---|---|---|
| Rori Constituency | Nil | |
| Rohtak District | Kothari Grant | 557796 |
| | Maintenance Grant | 963330 |

(c) No. of Schools upgraded during 1982-83 is given below :-

| Sr. No. | Name of constituency | From Primary to Middle | From Middle to High |
|---|---|---|---|
| | Rori | 8 | 3 |
| **Distt. Rohtak** | | | |
| 1 | Hassangarh | 3 | 1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2 | Bahadur Garg | | 1 |
| 3 | Jhajjar | | 1 |
| 4 | Sahlawas | 1 | |
| 5 | Badli | 4 | 1 |
| 6 | Kiloi | 4 | |
| 7 | Meham | 3 | 1 |
| 8 | Kalanaur | 1 | 1 |
| | Total | 16 | 6 |

**श्री हरि चन्द हुड्डाः** स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने जो जवाब दिया है इसमें इन्होंने अपने हल्के का नाम भी लिखा है, मेहम का नाम भी लिख है और बेरी का नाम तो कई बार लिखा है। (विघ्न) मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि इसमें किलोई कांस्टिचुएंसी के किसी स्कूल का नाम क्यों नहीं आया ? क्या यह आयंदा इस कांस्टिचुएंसी का भी ध्यान रखेंगे ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, रोड़ी कांस्टिचुएंसी में 130820 रूपये खर्च हुए हैं जबकि बेरी कांस्टिचुएंसी में 5 लाख रूपये खर्च हुए हैं। सारे रोहतक जिले में लगभग 7 लाख रूपये खर्च हुए हैं जबकि सिरसा डिस्ट्रिक्ट में केवल 5 लाख रूपये खर्च हुए हैं। यह मैं मानता हूं कि किलोई कांस्टिचुएंसी में कोई पैसा

खर्च नहीं हुआ लेकिन इसका कारण यह हो सकता है कि भाायद वहां जरूरत न हो। आयंदा के लिए हम इसका अव य ध्यान रखेंगे।

**चौधरी ओम प्रका ा:** स्पीकर साहब, रोड़ी कांस्टिचुएंसी के बारे में मंत्री महांदय ने यह इन्फर्मे ान दी है कि इतना पैसा खर्च हुआ है। मैं उसके बारे में इनसे यह जानना चाहूंगा कि इनमें से कितने स्कूल पी0डब्ल्यू0डी0 बुक्स में हैं और जो कुछ स्कूल पी0डब्ल्यू0डी0 बुक्स में नहीं हैं, उसका क्या कारण है ?

**श्री जगदी ा नेहरा:** स्पीकर साहब, जो स्कूल पी0डब्ल्यू0डी0 बुक्स में हैं, उन्हीं का ब्यौरा यहां दिया गया है। माननीय सदस्य श्री ओम प्रका ा जी को तो कोई गिला नहीं होना चाहिए क्योंकि मेरे हलके में लगभग 1 लाख रूपया खर्च हुआ है जबकि इनके हल्के में लगभग 5 लाख रूपये खर्च हुए हैं।

**श्री मंगल सैन:** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने रोहतक जिले का जो ब्यौरा दिया है इसमें रोहतक कांस्टिच्युंसी का जिक्र नही है। रोहतक कांस्टिचुएंसी में कई प्राईमरी और मिडल स्कूल्ज ऐसे हैं, जो बिल्कुल टूटे हुए हैं और बच्चे उनमें बैठ नहीं सकते। क्या ये बतायेंगे कि उनको रिपेयर न कराने का क्या कारण है ?

**श्री जगदी ा नेहरा:** स्पीकर साहब, डाक्टर साहब की यह बात दुरूस्त है कि रोहतक कांस्टिचुएंसी का जिक्र इसमें नहीं

है। लेकिन अगर किसी स्कूल की बिल्डिंग टूटी हुई है और डा0 साहब उसके बारे में हमें लिखकर देंगे तो जरूर कार्यवाही करेंगे।

**चौधरी धीर पाल सिंहः** स्पीकर साहब, बादली हल्का सबसे ज्यादा बाढ़ से अफैक्टिड है। आई0पी0एम0 साहब वहां गए थे। (विघ्न) वहां कई गांवों में स्कूलों की हालत खराब हैं बिल्डिंग्ज गिर चुकी हैं। बाहर आंगन में बच्चे पढ़ाए जाते हैं। लेकिन न तो उन बिल्डिंग्ज की मुरम्मत के लिए रा ि ा दी गई और न ही भवन बनाने के लिये रा ि ा दी गई है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसका क्या कारण है ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, रोहतक जिले का मैंने जो ब्यौरा दिया, इसमें बादली का नाम नहीं है, लेकिन मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि ज्यों ज्यों फंडज अवेलेबल होंगे उनकी कांस्टिचुएंसी के स्कूलों के बारे में भी आव यक कार्यवाही की जाएगी।

**चौधरी फूल चन्दः** स्पीकर साहब, मंत्री जी के ज्ञान में यह बात तो है कि स्कूलों की बिल्डिंगों की द ा खराब है और बच्चों के बैठने के लिए जगह नहीं है। क्या वे बताएंगे कि ऐसे सारे स्कूलों को सरकार कब तक टेक ओवर का लेगी ताकि कंस्ट्रक ान ठीक से हो सके ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, यह तो नहीं कहा जा सकता कि सारे स्कूलों की हालत खस्ता है लेकिन कुछ स्कूलों

की हालत खस्ता ही समझिए क्योंकि उनके पास प्रैस क्राइब्ड एकमोडे ान नहीं है। इसके लिए हमने गवर्नमैंट आफ इंडिया से 1 करोड़ 30 लाख रूपये की मांग की है ताकि अधिक फाइनैंस से हम अपने स्कूलों को ठीक कर सकें। (विघ्न)

**श्रीमती भाारदा रानीः** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि 1982–83 में रोड़ी कांस्टिचुएंसी में 8 स्कूल प्राईमरी से मिडल बनाए गए और 3 स्कूल मिडल से हाई बनाए गए यानि 11 स्कूल अपग्रेड किए गए लेकिन बल्लभगढ़ कांस्टिचुएंसी में एक भी स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ। सारे फरीदाबाद जिले में सिर्फ 3–4 स्कूल अपग्रेड हुए हैं। क्या मंत्री महोदय को रूलिंग पार्टी के एम0एल0एज0 से नाराजगी है और उन एम0एल0एज0 से खास प्यार हैं, जहां स्कूल अपग्रेड किए गए हैं ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, बल्लभगढ़ कांस्टिचुएंसी में भी तीन स्कूल प्राईमरी से मिडल अपग्रेड किए गए हैं उनके नाम हैं नजेरा, सोलरा और बोसरांवाली। एक कतेसरा के स्कूल को मिडल से हाई भी बनाया गया है। (विघ्न एवं भाोर) स्पीकर साहब, सिरसा डिस्ट्रिक्ट में लिट्रेसी की परसैंटेज सबसे कम है और स्कूलों की भी यहां कमी है। सिरसा जिला में एक हायर सकैण्डरी स्कूल है जबकि रोहतक में 10 हैं। सिरसा जिले में हाई स्कूल्ज भी बहुत कम हैं। अगर हाई स्कूल्ज का भी कम्पैरिजन किया जाए तो भी आपको बहुत हैरानी होगी कि रोहतक जिले में

180 के करीब हाई स्कूल हैं जबकि सिरसा जिले में केवल 60 हाई स्कूल हैं।

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, स्कूलों में जो बिल्डिंग फंड इकट्ठा होता है, उसका 90 फीसदी डी0पी0आई0 औफिस में आ जाता है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि स्कूलों की मुरम्मत का काम केवल उसी फंड से किया जाता है या गवर्नमैंट भी कुछ हिस्साच देती है ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, 90 फीसदी के हिसाब से स्कूलों की रिपेयर के लिए 45 लाख रूपया इकट्ठा होता है और 45 लाख रूपयो हो गवर्नमैंट की तरफ से डाला जाता है। टोटल 90 लाख रूपया स्कूलों की रिपेयर के लिए खर्च किया जाता है।

**श्री भागी रामः** स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि सिरसा जिले में कांस्टिचुएंसी वाइज कितने कितने स्कूल अपग्रेड हुए ? क्या यह सत्य नहीं कि कि जितने स्कूल अपग्रेड हुए हैं वह रोड़ी कांस्टिचुएंसी के ही हैं क्योंकि नेहरा साहब उससे बिलौंग करते हैं ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, ऐसी बात नहीं है। सिरसा डिस्ट्रिक्ट में प्राईमरी से जो मिडल स्कूल अपग्रेड हुए हैं उनकी संख्या कहीं ज्यादा है। रोड़ी में 8 है, डबवाली में 4 है, सिरसा में 1 है, ऐलनाबाद में 4 है और दड़बा कलां में 14 है।

मिडल से जो हाई स्कूल बने हैं उनकी संख्या रोड़ी में 3 हैं, डबवाली में 3 हैं, ऐलनाबाद में 5 है और दड़बा कलां में 1 है। मेरे हल्के में संख्या 3 है और इनके हल्के में 5 है।

**श्री भागीरामः** ये कौन से साल में अपग्रेड हुए हैं ?

**श्री जगदी ा नेहराः** 1982–83 में।

**श्री फतेह चन्द विजः** स्पीकर साहब, भाहरों के अंदर जो स्कूल इवैक्यू प्रौपर्टी में थे वे आज से 20–25 साल पहले नीलाम कर दिए गए थे। उनको किराया 8, 10 और 15 रूपये महीने का है। मालिक मकान मुरम्मत नहीं कराता और कमरे गिर जाते हैं। ऐसी मिसालें हैं कि जहां 15–15 कमरे थे वहां आज 5–5 कमरे रहे गए हैं और बच्चों के बैठने के लिए जगह नहीं है। सरकार ने उन स्कूलों को ऐक्वायर करने का एलान किया था। क्या उनको ऐक्वायर कर लिया गया है ? यदि नहीं किया है तो कब तक करेंगे ?

**श्री जगदी ा नेहराः** अध्यक्ष महोदय, विज साहब ने जो कहा यह वास्तव में दुरूस्त बात है लेकिन बात यह है कि भाहरों के स्कूलों के सिस्टम में और गांवों के स्कूलों कें सिस्टम में भिन्नता है। उसका कारण यह है कि हरियाणा में हमे ाा कम्युनिटी ऐजुके ान रही है। उसमें यह होता है कि गांव वालों ने स्कूल बना दिया और सरकार ने अध्यापक भेज दिए। यह कम्युनिटी सिस्टम भाहरों में खत्म होता गया। इसलिये दिक्कत

आई। जहां तक इवैक्यू प्रौपर्टी की बात है, यह दुरूस्त है। यह ि ाकायत आई है। इसके बारे में कोि ा ा करेंगे। ज्यों ज्यों फंडज अवेलेबल होंगे उनको सही किया जाएगा।

**श्री हीरा नन्द आर्यः** स्पीर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि सिरसा जिले में ि ाक्षा की कमी की वजह से स्कूल अपग्रेड किए गए। परन्तु क्या इनके इल्म में यह बात भी है कि सिरसा के साथ साथ मेवात का एरिया और भिवानी जिला भी ि ाक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह भी पूछना चाहूंगा कि क्या कोई ऐसा सर्वे किया गया है जिससे यह पता लगा है कि सारे प्रांत में कितनी स्कूल बिल्डिंग्ज ऐसी हैं जिनकी मुरम्मत या री कंस्ट्रक ान होनी जरूरी है उनके लिए कितने धन की आव यकता है तथा जो धन इनके पास उपलब्ध है उसके हिसाब से ये उन्हें कब तक रिपेयर करवा पाएंगे या बनवा पाएंगे ?

**श्री जगदी ा नेहराः** अध्यक्ष महोदय, हीरा नन्द आर्य जी ने अभी सिरसा, जीन्द और भिवानी के बारे में कहा है। ऐजुके ान के लिहाज से सबसे ज्यादा बैकवर्ड जीन्द का जिला है। वहां पर 25 परसैंट लिटरेसी है। उसके बाद सिरसा, हिसार और भिवानी आते हैं। उन बैकवर्ड जिलों की ि ाक्षा के क्षेत्र में हम महत्व दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कितने ही स्कूलों की बिल्डिगों की हालत खस्ता है उनके लिए सरकार पैसे का क्या कुछ प्रावधान कर रही है ? इस बारे में मेरी अर्ज है कि हमने छठी योजना में

एक करोड़ तीस लाख रूपये की मांग की है। अगर यह मांग अप्रूव हो गई तो हम जल्दी ही स्कूलों की बिल्डिंग की हालत ठीक कर देंगे।

**श्रीमती बसन्ती देवीः** अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर महोदय की बात सही है कि मेरे हल्के में काफी स्कूल हैं लेकिन उन स्कूलों के होन का कोई फायदा नहीं हैं। पचास परसैंट से भी ज्यादा स्कूलों की हालत खराब हैं। सांपला पाकस्मा और रोहना स्कूल बहुत पुरानी हैं, बहुत पहले के बने हुए हैं। उनकी यह हालत है कि वहां बैठने के लिए भी जगह नहीं और खास तौर पर सांपला जो कि एक कस्बा है उस स्कूल की तो और भी बुरी हालत है। इसलिये मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि उन स्कूलों की बिल्डिंगों को ठीक कराने के लिए सरकार क्या पग उठा रही है ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, रोहतक और सोनीपत में फलड आने से स्कूलों की बिल्डिंगों और हस्पतालों की बिल्डिंगों की हालत काफी खराब हो गई है। सबसे पहले इन बिल्डिंगों को पैसा देकर ठीक कराने की कोि ा ा करेंगे। मैं सदन को यह भी वि वास दिलाना चाहता हूं कि जहां कहीं भी बिल्डिंग खराब है, चाहे वह अपोजी ान मैम्बर के हल्के में है या रूलिंग पार्टी के हल्के में है वह हमें लिख कर दे दें, हम उस खस्ता बिल्डिंग को सबसे पहले ठीक कराने की कोि ा ा करेंगे।

**श्री ओम प्रका ा महाजनः** स्पीकर साहब, हिसार में एक प्राथमिक पाठ ााला नम्बर चार है जो कि हजूर बिल्डिंग में है। उसकी छत्त कई महीनों से बिल्कुल टूट गई हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार उस बिल्डिंग को अपने खर्चे से ठीक करायेगी या वक्फ बोर्ड ठीक करायेगा ?

**श्री जगदी ा नेहराः** जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि जिन बिल्डिंग की खस्ता हालत हो गई है उनके लिए हमारे पास ज्यों ज्यों फंडज अवेलेबल होंगे, हम उनकी हालत ठीक करेंगे।

**श्री ए0सी0 चौधरीः** स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा क्या कारण है कि जहां एक हलके में पांच, सात और दस स्कूल तक अपग्रेड किए गए हैं वहां मेरे अपने हल्के में केवल दो स्कूल अपग्रेड हुए थे लेकिन उन्हें डाउनग्रेड कर दिया गया ? मैंने इनके बारे में पिछले सै ान में भी कहा था और मिनिस्टर महोदय ने आ वासन भी दिया था लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने फरमाया है कि फंडज की कमी होने के कारण से बिल्डिंग की मुरम्मत या बिल्डिंग बनाने का काम नहीं हो सका। मैं मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि स्कूलों में बिल्डिंग फंड रैडक्रस फंड और दूसरे भी फंडज हैं अगर वे अपनी पावर इस्तेमाल करके उन्हें अमलगामेट कर दें तो स्कूलों की एक्सटैं ान आफ बिल्डिंग और दूसरी जो बाकी जरूरते हैं वे पूरी हो सकती हैं या उनमें मदद मिल सकती है। क्या सरकार इस बात पर कोई कार्यवाही करेगी ?

**श्री जगदी ा नेहराः** जैसा माननीय सदस्य श्री ए0सी0 चौधरी जी ने कहा कि मेरे हल्के में दो स्कूल अपग्रेड किये गये थे लेकिन दोनों को डाउन ग्रेड कर दिया है, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि दो स्कूल अपग्रेड फरीदाबाद में भी किये हैं। उन्हौंने पिछली बार भी यह बात कही थी कि फरीदाबाद में दो स्कूल डाउन ग्रेड किये गये हैं। इस बारे में पहले भी क्वै चन में अर्ज कर चुका हूं कि अगर इनको कोई ि ाकायत है और वे लिख कर देंगे तो हम कार्यवाही करेंगे। फरीदाबाद में नम्बर पांच में सरन में स्कूल अपग्रेड किया हैं (विघ्न) मैं उन्हीं स्कूलों का जिक्र कर रहा हूं जो सन 1982–83 में अपग्रेड किये गये हैं। सन 1983–84 में कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ। दूसरा सवाल बिल्डिंग्ज के बारे में किया कि कई स्कूलों में काफी फंड होते हैं जैसे रैडक्रास फंड और बिल्डिंग फंड आदि। उन फंडज को बिल्डिंग फंड में या रिपेयर के लिए उस समय चेंज किया जा सकता है। जब वहां की पंचायत लिख कर दे। दो तीन स्कूलों में ऐसा किया गया और वे स्कूल ठीक भी हुए हैं।

**Electricity Connections to Tubewells**

***562. Ch. Phool Chand:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether it is a fact that electricity connections to irrigation tubewells and public health tubewells in the State of sufficient number of transformers; and

(b) if so, the period within the shortage of trarnsformers is likely to be met ?

**Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):**

(a) Difficult financial position faced by the Board which resulted in reduced availbility of distribution transformers, had affected the progress of releasing tubewell connection. Despite the same, 5735 connections to the irrigation tubewells have been released ending December, 1983 which includes 30 connections of public health departemnt.

(b) Shortage of transformers for release of connection to irrigation and public health tubewells is expected to be met with in about six months.

**चौधरी फूल चन्दः** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि बोर्ड की वित्तीय स्थिति गंभरी है जिसके फलस्वरूप वितरण ट्रांसफार्मरों की उपलब्धता कम है, इससे टयूबवैल कनैक ान देने में देरी हुई है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बिजली बोर्ड ने कितना कर्जा लिया हुआ है औरा यह वित्तीय स्थिति कब तक ठीक हो जायेगी ? इन्होंने कहा है कि दिसम्बर 1983 के अंत तक सिंचाई टयूबवैलौं को 5735 कनैक ान दिये गये। यह नहीं बताया कि कितने अर्से में कब से कब तक दिये गये हैं ? क्या यह

समझें कि छः महीने तक ट्रांसफार्मर्ज पूरे हो जायेंगे और अगो छः महीने में पैंडिंग कनैक ांज भी दे दिये जायेंगे ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** अध्यक्ष महोदय, बोर्ड की फाइनैन ाल पोजी ान ठीक नहीं है। दूसरे बोर्ड कोई मुनाफ ` कमाने की कभी आर्गेनाइजे ान नहीं है। उसका काम सो ाल डियूटीज भी डिसचार्ज करना है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बोर्ड कर्जा लेता है। बोर्ड ही नहीं सभी आर्गेनाइजे ान कर्जा लेती है। जहां तक इस बात का संबंध है कि कब से कब तक कितने कनैक ांज दिये गये, इस संबंध में मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि जनवरी 1983 से दिसम्बर 1983 तक 5735 कनैक ान दिये गये और जो पब्लिक हैल्थ के कनैक ांज हैं वे केवल 16 बाकी है। वे भी अगले तीन चार हफ्ते के दौरान दिये जाएंगे। जहां तक एग्रीकलचरिस्टस के टयूबवैल्ज के पैंडिंग कनैक ान देने की बात है। उनके बारे में भी हाउस को बताना चाहूंगा कि जो कनैक ान दो साल से ऊपर के पैंडिंग हैं वे जून 1984 तक दे दिये जायेंगे और जो एक साल से ऊपर से पैंडिंग हैं वे दिसम्बर 1984 तक दे दिये जायेंगे।

**डा0 भीम सिंह दहिया:** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जवाब में कहा है कि वित्तीय स्थिति गंभीर होने की वजह से टयूबवैलज कनैक ान नहीं दिय जा सकें। स्पीकर साहब, सरकार ने 80 लाख रूपये ट्रांसफर्ज पर खर्च किये। मैं जानना चाहता हूं कि कौन सी मजबूरी थी कि ट्रांसफर पर तो इतना पैसा खर्च कर

दिया लेकिन किसानों को कनैक ान नहीं दिये ? ट्रांसफर करने का क्या कारण था ? दूसरे बोर्ड की वित्तीय स्थिति कई सालों से गंभीर है, उसे सुधारने के लिए बोर्ड ने क्या क्या कदम उठाये हैं ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** वित्तीय स्थिति गंभीर नहीं है बल्कि डिफिकल्ट जरूर है। जब भी कोई बोर्ड, आगेनाइजे ान लोगौं की सेवा करेगी तो उसे फाइनैंि ायन डिफिकल्टी आयेगी चाहे सरकार हो या संस्था हो। जहां तक ट्रांसफर्ज पर 80 लाख रूपया खर्च करने की बात है उसवकी वजह यह थी कि पहले की नीति के अनुसार जो लोग फील्ड में थे, वे अपने घरों के नजदीक या गांवों में लगे हुए थे। यह कभी पालिसी डिसीजन हुआ होगा उसके अनुसार लगाये गये होंगे। लोगों की यह डिमांड थी कि घरों के नजदीक लगे होने के कारण लोग अपने घर का ही काम करते रहते हैं और डियूटी को ठीक तरह से सरअंजाम नहीं देते इसलिए लोगों की और नुमाइंदों की मांग को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने फैसला किया कि इन्हें घरों से बीस बीस किलोमीटर दूर बदल दिया जाये ताकि अपनी डियूटी ठीक प्रकार से सरअंजाम दे सकें। इसलिये ये ट्रांसफर किये गये थे।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, हमारे वजीर साहब ने अभी यहां पर जवाब में यह बताया है कि स्थिति गम्भीर नहीं है, डिफिकल्ट जरूर है। इन्होंने हिन्दी में तो गम्भीर लिख दिया।

लेकिन अंग्रेजी में डिफिकल्ट लिख दिया। यह तो कर्मचारियों की गलती है कि उन्होंने डिफिकल्ट का अनुवाद गम्भीर कर दिया। अगर कठिन कह देते तब भाायद काम चल जाता। जब इन्होंने वित्तीय स्थिति को गंभीर कहा है तो हमें भी गंभीरता से लेना चाहिए। स्पीकर साहब, हम हिन्दी व र्ान को ठीक मानते हुए अपने राईट में हैं कि उनसे हम सप्लीमैंट्री पूछें। मैं अपने विद्युत मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि बोर्ड को आजकल जो गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, उसका क्या कारण हे ? इसकी आमदनी क्या है और खर्च क्या है ? अभी इन्होंने यह कहा कि सो ाल सर्विस का इंस्टीच्यू ान है और वैल्फेयर स्टेट में तो ऐसा होता ही है। मैं यह जानना चाहूंगा कि यह जो सो ाल आर्गेनाइजे ान है, इसको हर साल कितना घाटा पड़ रहा है और उस घाटे को पूरा करने के लिये क्या कोई उपाय सरकार करेगी ? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि कितनी एप्लीके ान्ज पैंडिंग पडी हुई हैं और कब से पैंडिंग पड़ी हुई है। (व्यवधान व भाोर)

**श्री अध्यक्षः** यह तो आप खुद मानेंगे कि यह बातने के लिए कि कितना घाटा है, इसके लिये सैपरेट नोटिस चाहिये। (व्यवधान व भाोर)

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** जहां तक इस बात का सवाल है कि घाटा कितना है और वह कब तक दूर होगा, इस बात का मेन सवाल से कोई तालुक नहीं है।

**श्री मंगल सैनः** आप बड़े काबिल वजीर हैं। आप जवाब दे सकते हैं।

**श्री अध्यक्षः** काबिल जरूर हैं लेकिन कम्पूयटर नहीं हैं।

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** आप बिजली बोर्ड की रिपोर्ट पढ़ लीजिए। उसमें सारी बातें लिखी हुई हैं। (व्यवधान व भाोर)

**श्री लछमन सिंहः** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी फरमाया है कि पिछले साल एक पालिसी, जो पहले 20 किलोमीटर घर के नजदीक पोस्टिंग की थी, को बदलने की वजह से ट्रांसफज़ पर 80 लाख रूपया खर्च किया गया है। हरियाणा एक बहुत छोटी सी स्टेट है। हमारी स्टेट इस ट्रांसफर्ज की लग्जरी के अफोर्ड भाायद न कर सके। मैं यह पूछना चाहूंगा कि यह जो अभी इन्हौंने पालिसी बनाई है, इसे लागू रखेंगे और कुछ देर तक और चलायेंगें क्योंकि इसी साल इन्होंनें मास स्केल पर ट्रांसफर्ज की है यानी इस साल ट्रांसफर्ज पर कम्पलीट बैन लगायेंगे ताकि इस प्रकार से जो पैसा बच सके उससे जिस सामान की बोर्ड को जरूरत है, उसे खरीदाच जा सके। मेरा कहना यह है कि ट्रांसफर्ज पर विद आउट ऐनी डिस्क्रिमीने ान बैन होना चाहिये। यह जो इन्होंने ट्रांसफर्ज की पालिीस बनाई है, इसे विदड्रा करने का कोई विचार तो नहीं है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** सर, हमने जो पालिसी पिछले साल बनाई थी, उसे अभी हमने लागू किया है। हमने उस पालिसी फ्रेम वर्क के अंदर ही ट्रांसफर्ज की हैं। सरकार कोई ट्रांसफर्ज नहीं करती केवल बोर्ड ट्रांसफर्ज करता है। इसके अलावा सरकार का इस मामले में कोई दखल भी नहीं है। (व्यवधान व भाोर) बोर्ड के रोजाना के कामकाज के अंदर सरकार कोई दखल भी नहीं देती है। जहां तक इस पालिसी को रिवाईज करने की बात का संबंध है, जैसे जैसे हमें इस पालिसी के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया मालूम होगी, जैसे जैसे हमें एक्सपीरियंस होगा, हम दोबारा भी इस पालिसी पर पुनर्विचार कर सकते हैं कि आया उस पालिसी को कन्टीन्यू रखना है या उसमें किसी किस्म की मौडीफिके ान करने की जरूरत है। अभी इस बारे में हमने कोई फैसला नहीं लिया है।

**चौधरी धीर पाल सिंहः** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि एक जनवरी 1983 से 31 दिसम्बर 1983 तक 5735 कुनैक ान दिये गये हैं। इनमें से रोहतक जिले में कितने कुनैक ान दिये गये हैं ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** सर, यह इन्फर्मे ान डिस्ट्रिक्टवाईज अवेलेबल नहीं होती। यह सरकिलवाईज या डिवीजनवाईज होती है। यह फिगर्ज हमारे पास इस समय अवेलेबल नहीं है, अगर मैम्बर साहेबान चाहें तो मैं इनको सैपरेट दे सकता हूं।

**चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः** स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ट्रांसफार्मर्ज की जो वर्क ाप हैं, उनमें एवरेज पर मंथ कितने ट्रांसफार्मर्ज रिपयेर होने के लिये आते हैं और उनकी कैपेसिटी कितनी है और वे हर महीने रिपयेर कितने करते हैं ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, जैसे मैंने पहले भी बताया हुआ है हमारे यहां 5 वर्क ाप्स हैं और उमें 400 के लगभग पर मंथ रिपेयर होते हैं और 100 के लगभग नये बनते भी हैं। इस तरह से 500 ट्रासफार्मर्ज रिपयेर और नये बनते हैं। (व्यवधान व भाोर)

**श्री हीरा नन्द आर्यः** स्पीकर साहब, जैसे मिनिस्टर साहब ने अभी फरमाया है कि 80 लाख रूपया ट्रांसफर पालिसी चेन्ज होने की वजह से खर्च किया गया है। क्या यह बात सही नहीं है कि पिछले दिनों जो ट्रांसफर पालिसी लागू की गयी हैं, उससे बिजली की सिचुए ान खराब हुई है। अगर यह बात सही है तो क्या उसे दोबारा चेंज करने पर विचार करेंगे।

**श्री अध्यक्षः** आर्य सासहब आप तो बडे ही काबिल मैम्बर हैं। आप मेन क्वै चन पढ़ लीजिए। क्या यह सप्लीमैंट्री बनता है। आप लोग अब ट्रांसफमर पालिसी पर आ गये हैं। सवाल कुछ और है और यहां पर सप्लीमैंट्री कुछ और ही पूछ रहे हों। (व्यवधान व भाोर)

**श्री हीरा नन्द आर्यः** स्पीकर साहब, पहले मंत्री महोदय ने उसका जवाब दिया है। इसके अलावा आपने पहले भी अलाऊ कर दिया था।

**श्री अध्यक्षः** आखिर कुछ तो लिमिटे ान होनी चाहिये।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर सहब, अगर मिनिस्टर महोदय जवाब देते हैं, तो उन्हें जवाब देने का मौका मिलना चाहिए। अगर वह जवाब नहीं दे सकते तो वह कह दें कि इसके लिये अलग से नोटिस मिलना चाहिए। वह पूरी तैयारी करके आये हैं। आप उनको जवाब देने दें। (व्यवधान व भाोर)

**श्री अध्यक्षः** मैं मानता हूं कि वे बड़ी तैयार करके आये हुए हैं। वे काबिल भी हैं। इसके अलावा दूसरों के क्वै चन्ज भी आगे लगे हुए हैं जो अभी आने हैं आपको कुछ तो अपनी जिम्मेवारी समझनी चाहियें। (व्यवधान व भाोर)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब या तो मंत्री जी उठकर यह कह दें कि रेलैवैंट नहीं है। जब मंत्री जी सवाल का जवाब देने के लिये तैयार हैं ..... मैं यह जानना चाहूंगी कि जो अगली ट्रांसफर्ज होंगी, उनके लिये कितना पैसा खर्च करेंगें और अब तक जो हो चुकी हैं, उन पर कितना पैसा खर्च हो चुका है ?

**श्री अध्यक्षः** यह कोई सप्लीमैंट्री नहीं है।

**चौधरी रो ान लाल आर्यः** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इनका बिजली बोर्ड को भंग करने का कोई विचार तो नहीं है ? इन्होंने जवाब में यह बताया है कि बोर्ड की आर्थिक हालत भी खराब है और बोर्ड का काम भी ठीक नहीं चल रहा है क्योंकि यह लोगो की समस्याओं का हल नहीं कर पाता। क्या सरार अपना काम तेजी से चलाने के लिये, हरियाणा के किसान और सभी वर्ग के लोगों को राहत देने के लिये बोर्ड को तोड़ने का कोई विचार रखती है या कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, यह इनसीनुए ान बहुत गलत है कि बोर्ड का काम ठीक नहीं चल रहा है या उसकी स्थिति ठीक नहीं है। बोर्ड को तोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। अभी सरकार ने बोर्ड के अंदर नया चेयरमैन लगाया है। इसके अलावा बोर्ड के एक पुराने मैम्बर इस्तीफा देकर चले गये हैं। इस समय बोर्ड को तोडने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है।

**चौधरी सुरेन्द्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कुछ डिस्ट्रिक्टस ऐसे हैं जहां ट्रांसफार्मर्ज की कमी की वजह से थोड़ी एप्लीके ान्ज पैंडिंग हैं लेकिन कुछ डिस्ट्रिक्टस ऐसे हैं जहां पर ट्रांसफार्मर्ज थोड़े सप्लाई किये जाते हैं हालांकि वह डिस्ट्रिक्टस बडे हैं। किसी डिस्ट्रिक्ट में 30 ट्रांसफार्मर्ज दे दिये तो किसी दूसरे डिस्ट्रिक्ट में 5 दे दिये। मैं मंत्री महोदय से यह जानना

चाहता हूं कि अगली बार जब ट्रांसफार्मर्ज देंगे तो क्या उन डिस्ट्रिक्टस को ज्यादा ट्रांसफार्मर्ज देने की कोि ा ा करेंगे जहां पर ज्यादा एप्लीके ान्ज टयूबवैल्ज कनैक ांज की पैंडिंग पड़ी होंगी ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साह, ट्रांसफार्मर्ज का डिस्ट्रिब्यू ान इन डिस्क्रिमीनेटरी नहीं किया जा रहा है। इसके लिये यही नार्म्ज हैं नम्बर आफ ट्रांसफार्मर्ज, पापुले ान नम्बर आफ ट्रांसफार्मजै/एप्लीके ांज पैंडिंग और ट्रांसफार्मर्ज पैंडिंग एण्ड डैमैज्ड। इसके मुताबिक ही एलोके ान की जाती है।

10.00 बजे।

बार बार मैम्बर्ज यह पूछ रहे हैं कि कितनी एप्लीके ान्ज पैंडिंग हैं, उसके बारे में मैं यहां पर बताना चाहता हूं जो टोटल नम्बर आफ पैंडिंग कनेक ांज हैं या टोटल रिपोर्टस पैंडिंग हैं, वे हैं तीन महीने तक की 2421, तीन महीने और छः महीने के बीच की 2657, छडः महीने और एक साल के बीच की 3593, एक साल से दो साल के बीच की 3392, दो साल और तीन साल के बीच की 3082। इससे ऊपर की 912 हैं। स्पीकर साहब, टोटल रिपोर्टस पैंडिंग हैं,16063। स्पीकर साहब, जैसा कि मैंने पहले अर्ज किया दिसम्बर 1983 तक हमने 5735 कनेक ांज दिए हैं। 31 मार्च 1984 तक हमारा दिसम्बर, 1983 तक हमारा नि ाना

दस हजार कनैक ांज देने का है। इसके बाद दो साल और दो साल से ऊपर के जो कनैक ांज बाकी हैं, वे जून 1984 तक दे देंगे और एक साल तक या उससे ऊपर के जो पैंडिंग कनैक ांज हैं, उनको दिसम्बर 1984 तक देने का नि ाना है।

**डा0 ओम प्रका ा भार्मा:** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हरियणा स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड के पास कितने ऐसे ट्रांसफार्मर्ज हैं जो वर्केबल कंडी ान में नहीं है। बोर्ड ने उनको डिस्पोज औफ करने का कौन सा तरीका अख्तियार किया हुआ है। क्या उन ट्रांसफार्मर्ज को नीलाम किया जाता है। अगर नीलाम किया जाता है तो पार्टस में नीलाम किया जाता है या पूरा का पूरा ट्रांसफार्मर नीलाम किया जाता है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड की एक सासल की ट्रांसफार्मर्ज की रिक्वायरमैंट आठ हजार की है। चार हजार के करीब ट्रांसफार्मर्ज तो वह चाहिएं जो जल गए हैं या डैमेज हो गये हैं और चार हजार ट्रांसफार्मर्ज नए कनैक ांज देने के लिये चाहिए। स्पीकर साहब, ट्रांसफार्मर्ज की अवेलैबिलिटी इस प्रकार है। 3500 ट्रांसफार्मर्ज तो हम अपने यहां बनाते हैं या रिपेयर करते हैं 2268 ट्रांसफार्मर्ज हमारे यहां पहुंच चुके हैं और 1180 ट्रांसफार्मर्ज अभी पहुंचने वाले हैं। इस प्रकार सब मिलाकर दो हजार के करीब ट्रांसफार्मर्ज की भाोर्टफाल रह जाएगी जिसको हम मेकअप करने की कोि ा ा करेंगे। स्पीकर साहब, जो डैमेज्ड ट्रांसफार्मर्ज हैं उनको हम तीन दिन से लेकिन

एक हफ्ते तक रिप्लेस कर दते हैं। अब रिप्लेसमैंट की कोई प्रोबलम नहीं है।

**डा0 ओम प्रका ा भार्मा:** अध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा था कि कितने ट्रांसफार्मर्ज को किस तरह से डिस्पोज आप करता है। मतलब यह है कि इन ट्रांसफार्मर्ज को डिस्पोज आफ करने का क्या क्राइटेरिया है ? स्पीकर साहब, ट्रांसफार्मर्ज बहुत कीमती चीज है। जितनी ज्यादा के0वी0 का ट्रांसफारमर होगा उतनी ही ज्यादा कीमत होगी। लाखों रूपए तक का ट्रांसफारमर होता है।

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** स्पीकर साहब, एक नार्मल ट्रांसफारमर की कीमत 13–14 हजार तक होती है। लाखों रूपए का ट्रांसफारमर आता हो, यह मैंने नहीं सुना है। पावर हाउस का ट्रांसफारमर इतना महंगा आता हो, यह दूसरी बात है। स्पीकर साहब, ट्रांसफारमर का एक तो बाहर का खोखा है और अंदर के पार्टस हैं, जो यूजेबल हैं उनको जितना यूज हो सकता है वह कर लेते हैं। जिंक को नीलाम कर देते हैं ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री भागी राम:** स्पीकर साहब, किसानों ने टयूबवैल्ज के लिए बैंकों से कर्जा ले रखा है। किसानों ने मोटरें ले रखी हैं लेकिन उनको कनैक ांज नहीं मिले हैं। बैंकों से उन किसानों को नोटिस आ रहे हैं कि कि तें भरो और वे कि त भर भी रहे हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ऐसे किसानों को

कनैक ांज देने का क्या कोई क्राईटेरिया बना रखा है कि इतने दिन के अंदर कनैक ान दे दिया जाएगा ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, सब किस्म की प्रायरिटी बनी हुई है। लोन केसिज कई तरह के हैं। इसमे जिप्सम का भी है। जिप्सम की सब से ऊपर प्रायरिटी है। इसमें एक्स सर्विसमैन जिप्सम के केसिज तथा कुछ और प्रायरिटी केसिज हैं। स्पीकर साहब, हम इसी साल में एक साल से ऊपर के जितने केसिज हैं, उन सबको कनैक ानंज देना चाहते हैं। इस तरह का बिजली बोर्ड का प्रोग्राम है।

**श्री किताब सिंहः** स्पीकर साहब, सरकार कहती है कि हम टयूबवैल्ज को आठ घंटे बिजली देंगे या दस घंटे बिजली देंगे लेकिन वास्तव में दी नहीं जाती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बिजली बोर्ड जो भी प्रोग्राम आठ या दस घंटे का बिजली देने का बनाएगा, उसको पूरा किया जाएगा ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, इस हाउस में बार बार वि वास दिलाया गया है और प्रैक्टिकली देख चुके हैं कि बिजली बोर्ड सब से फर्स्ट प्रैफरैंस एग्रीकल्चर को देता है। इन्होंने मुझ से कल ही लौबी में बात की है और अपने यहां के फीडर की प्रोबलम नोट करवाई है। मैं इनको जवाचब दे दूंगा। इससे पहले लीडर आफ दी अपोजी ान श्रीमती चन्द्रावती जी ने

एक प्रोबलम बताई थी उसका जवाब दे दिया है और इनको भी जवाब दे दिया जाएगा।

**Building for the Girls High School Mohindergarh**

***598. Sh. Ram Bilas Sharma:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a building for the Girls High School in Mohindergarh; and

(b) if so, the time by which the building for the said school is likely to be constructed ?

**Minister of State for Education (Sh. Jagdish Nehra):**

(a) Yes.

(b) As and when funds are available.

**श्री राम बिलास भार्मा:** अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने सवा के पार्ट 'क' के जवाब में 'जी हां' कहा है। अध्यक्ष महोदय, यह लड़कियों का स्कूल है और इसकी बिल्डिंग डिफैक्टिव है। यह स्कूल तीन जगह एक धर्म ाला में , एक प्याउ के पास छोटी सी जगह है और एक और जगह चल रहा है। लड़कियों को तीन जगह पढ़ने के लिये जाना पड़ता है। मुख्य मंत्री महोदय ने कहा है कि जो भी बिल्डिंग डैमेज्ड घोशित कर दी जाएगी उसको

बनाने में प्रायरिटी दी जाएगी। क्या मंत्री महोदउय बताने की कृपा करेंगे कि थ्या इस स्कूल की बिल्डिंग को बनाने में प्रैफरैंस दी जाएगी ?

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, राम बिलास जी ने जो कहा है कि यह लड़कियों का स्कूल है, यह ठीक बात है। ि ाक्षा विभाग ने छः एकड़ जगह, जो पुलिस क्वार्टर और पुलिस औफिस के बीच में हैं, के लिए डी0सी0 को लिखा था और उनकी प्रोपोजल भी आई है कि यह जमीन हम दे देंगे। ज्यों ही जमीन दे दी जाएगी उस पर कार्यवाही करेंगे।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, जब भी सरकार से इस तरह का सवाल पूछा जाता है, तभी ये कहते हैं कि जब भी धन रा ि ा उपलब्ध होगी, तीाी यह काम करवा दिया जाएगा। कितने दुख की बात है। अब इन्होंने मेरे से पहले पूछे जाने पर बताया कि पुलिस विभाग से बात हो गयी है। अब भी जमीन का कब्जा मिल जाएगा तभी यह स्कूल की बिल्डिंग बना देंगे। मैं आपके द्वारा इनसे यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने अब तक यह जमीन हासिल करने के लिये क्या कार्यवाही की है क्योंकि तीन चार सालों से यह मामला यूं ही लटक रहा है। क्या अब ये कैटेगौरीकल आ वासन देंगे कि कब तक यह जमीन एक्वायर कर लेंगे और अब तक लड़कियों का स्कूल बनकर तैयार हो जाएगा और कब से बच्चे अपनी पढ़ाई करना भाुरू कर देंगे ?

**श्री जगदी ा नेहराः** अध्यक्ष महोदय, पुलिस से यह जमीन लेने की बात नहीं है। सरकार की जमनी खाली पडी है और यह 6 एकड़ जमीन खसरा नं0 159 में पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिये कई सालों से हम कार्यवाही कर रहे हैं लेकिन वह जमीन अभी तक एजुके ान विभाग को ट्रांसफर नहीं हुई है। 1981–82 से हम इस बारे में 10–12 रिमांडडर दे चुके हैं। वहां के डी0सी0 और एस0डी0एम0 के बीच में इस बारे में पत्र व्यवहार भी चल रहा है। जब भी वह जमीन एजुके ान विभाग के पास आ जाएगी हम जल्दी ही स्कूल की कंस्ट्रैक ारन का काम भाुरू कर देंगे।

**श्री हीरा नन्द आर्यः** स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि काफी देर से इस जमीन को एक्वायर करने के लिए हम परिश्रम कर रहे हैं। इस बारे में कई रिमांइडर्ज भी दिये जा चुके हैं। लेकिन अभी तक यह जमीन एजुके ान विभाग के पास ट्रांस्फर नहीं हुई है। बड़ी डिफिकल्ट सिचुऐ ान है। जो भी प्राइवेट बिल्डिंगें सरकार के पास हैं वे पुरानी हैं उन बिल्डिंगों पर न तो सरकार खर्च कर सकती है और न ही मालिक उन पर कोई पैसा लगाने के लिए तैयार हैं ऐसी बिल्डिंगे तो किसी वक्त भी हार्मफुल हो सकती हैं, इसके लिये सरकार का कोई विचार है ताकि जल्दी ही उस पर सरकार की तरु से बिल्डिंग बनायी जा सके ?

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, बड़ दु:ख की बात है कि इस मसले के संबंध में पिछले तीन चार सालों से डी0सी0 और एस0डी0एम0 के बीच में कौरस्पौंडैंस ही चल रही है लेकिन अभी तक इस काम को सिरे नहीं चढ़ाया जा सका है। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री जगदी ा नेहराः** स्पीकर साहब, यह जमीन की ट्रांस्फर का मामला है। अभी हीरा नन्द आर्य जी ने कहा कि बहुत से स्कूल ऐसे हैं जो कि प्राइवेट बिल्डिंगों में चल रहे हैं। इसी तरह से राम बिलास भार्मा जी ने कहा है कि यह स्कूल भी एक धर्म ाला में चलाया जा रहा है। जहां पर किराये की बिल्डिंग लेकर के स्कूल चलाये जाते हैं, जैसा हीरा नन्द आर्य जी ने कहा कि ऐसे स्कूलों की बिल्डिंगोसं को न तो सरकार रिपेयर करवाती है और न ही मालिक रिपेयर करवानै के हक में होते हैं, ऐसी बात नहीं है। हम समय पर मालिकों से मिल करके स्कूलों की बिल्डिंगों की रिपेयर करवाते रहते हैं और जो बिल्डिंग अन सेफ डिक्लेयर हो जाए, उसकी दोबारा कंस्ट्रक ान करवाने के लिये भी बातचीज करते हैं।

**Nathpa Jhakri Project**

***577. Sh. Hira Nand Arya:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the amount of

expenditure so far incurred by the Haryana State for the construction of Nathpa Jhakri Project ?

**Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):** The State has incurred an expenditure of Rs. 207-20 lacs upto December 1983

**श्री हीरा नन्द आर्य:** स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने अपने लिखित जवाब में यह बताया है कि राज्य ने दिसम्बर 1983 तक 207.20 लाख रूपया खर्च किया है। क्या ये बताएंगे कि इस पैसे कि डिटेल क्या है। इसको कब कब कहां कहां किस किस टाईम पर और कितना कितना किस किस काम के लिए खर्च किया है ? क्या इनके नोटिस में यह बात है कि जो एग्रीमैंट हरियाणा सरकार ने हिमाचल सरकार के साथ किया था, वह उसे बैक आउट कर गये हैं। क्या इस बात की जांच करवाएंगे ? इस बात की आपको या भारत सरकार को कोई सूचना है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** स्पीकर साहब, 12 जून 1981 को यह एग्रीमैंट किया गया था और सात आठ साल इस काम को पूरा होने में लगेंगे। अभी तक ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इसको हिमाचल और हरियाणा वाले नहीं बनाएंगे। टैक्नीकल क्लीयरैंस तो सैंटर से मिल चुकी है लेकिन अभी तक फायनैंि ायल क्लीयरैंस यूनियन गवर्नमैंट से नहीं मिली है। इसके लिये हम दोनों सरकारें कोि ा ा कर रही है कि यह क्लीयरैंस जल्दी से जल्दी मिल जाए। अभी एप्रोच रोडज बनायी हैं, रेजीडैनि ायल बिल्डिंग्ज बनायी हैं, टनलज लोकेट की हैं और

स्कलटन स्टाफ रखा है, उसके ऊपर 207.20 लाख रूपया खर्च हुआ है।

**श्री हीरा नन्द आर्यः** स्पीकर साहब, सवला का जवाब नहीं आया है कि यह 207.20 लाख रूपया किन किन आईटम्ज पर खर्च किया गया है ? यह बताएं।

**चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, 1981–82 में 31.31 लाख, 1982–83 में 63.39 लाख रूपया दिया और 12/83 तक 112.50 लाख रूपया दिया जा चुका था। टोटल 207.20 लाख रूपया दे चुके हैं। पहले भी मैंने बताया है कि इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कि रेजीडैन ि ायल बिल्डिंगज स्कलटन, स्टाफ पर, एप्रोच रोडज पर और टनलज लोकेट करने में काफी पैसा खर्च हुआ है।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, यह रिकार्ड का मामला है, आप अपने आफिस से पता करवा लीजियेगा। सदन में पहले भाायद मुख्य मंत्री महोदया या सुरजेवाला साहब कह रहे थे कि भारत सरकार की टैक्नीकल हाई पावर्ड कमेटी ने कलीरैंस नहीं दी; अब कह रहे हैं कि फायनैंसियल कलीरैंस नहीं मिली है। कौन सी बात सच है ? और फिर भी 207.20 लाख रूपया इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च कर दिया गया। अगर फायनैं ि ाल क्लीरैंस नहीं मिली तो आपने इतने ज्यादा पैसे खर्च करने का इरादा कैसे बना लिया ? क्या आपको भारत सरकार की ओर से कोई डैफीनेट आ वासन

तो नहीं मिला था जिसके कारण आपने इतनी बड़ी रकम खर्च कर दी ? आप यह बताएं कि आपने बिना क्लीरैंस के इतना पैसा क्यों बरबाद किया, इसके क्या कारण थे ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, हमने यह कहा कि टैक्नीकल क्लीरैंस तो मिल चुकी है लेकिन फायनैंि ाल वायाबिलीटी के लिये यूनियन गवर्नमैंट असैस कर रही है। क्योंकि इस प्रोजैक्ट पर सात आठ सो करोड़ रूपया खर्च आने की संभावना है, आया हिमाचल और हरियाणा सरकारैं इतना पैसा लगा सकती हैं कि नहीं। इस बारे में हमने लिखित भी और जबानी भी अपना केस प्लीड किया है उसके फैसले की हम इंतजार कर रहे हैं। जहां तक यह सवाल है कि पैसा क्यों खर्च किया गया, टैक्नीकल आ वासन मिल चुका है। चूंकि यह प्रोजैक्ट बड़ा जरूरी है, इसको तो चलना ही है, इसलिये यह पैसा खर्च किया गया। यह पैसा कहीं जाने वाला नहीं है। इस काम में डिले न हो, इसलिये इस पैसे को खर्च किया गया है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** क्या मंत्री जी बताएंगे कि किसी प्रोजैक्ट को बनाने के लिए किन किन बातों की प्रायरिटीज रखी जाती है और यह जो पैसा खर्च हुआ है क्या उसको खर्च करते वक्त उन बातों का ध्यान में रखा गया है या नहीं ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, कोई भी प्रोजैक्ट भाुरू करने से पहले उसका सर्वे किया जाता है और

उसकी प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार की जाती है। उसके बाद उस पर जो मामूली वर्कस किए जाते हैं उनहें बातों पर यह पैसा खर्च किया है।

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** स्पीकर साहब, आपने भी भाायद अखबारों में पढ़ा होगा। नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट के बारे में यह था कि केन्द्र इस प्रोजैक्ट को लेना चाहता है। मुख्य मंत्री जी ने और सुरजेवाला जी ने कहा है इस प्रोजैक्ट को हरियाणा सरकार ही बनाएगी। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अब तक जो पैसा खर्च किया गया है वह किन किन बातों पर किया है। कितना स्टाफ वहां लगा हुआ है और क्या कोई म ाीनरी वर्गरह भी परचेज की हैं ? अगर की हैं तो कौन कौन सी म ाीनरी है और और किस किस जगह पर काम आ रही हैं ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, एक एकसियन डिजाइन और उसके साथ कम्पलीमैंटरी स्टाफ हमने चण्डीगढ़ में लगाया हुआ है। बाकी कुछ स्टाफ ि ामला में लगाया हुआ है। ि ामला में हिमाचल और हरियाणा दोनों स्टेटस के ही आदमी हैं। जहां तक म ाीनरी का सवाल है, कोई मेजर म ाीनरी अभी तक नहीं खरीदी गई है। यह पैसा इनफ्रास्ट्रक्चर आफिस बिल्डिग और दूसरे कामों पर ही खर्च किया गया है।

**Payment of Electricity Bills by Cinema Houses in the State**

***604. Sh. Kitab Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power Be pleased to state-

(a) the amont of electricity bills paid by each of the cinema houses in the State separately during the period from 1-1-82 to 31-12-82; and

(b) the number of cinema houses in the State at present in which the generating sets have been installed ?

**Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):**

(a) the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) Out of 106 cinema houses in the State, 98 cinema houses have installed generating sets.

**ANNEXURE**

| Sr. No. | Name of cinema | Name of place | Total amount of bill paid during 1-1-82 to 31-12-82 |
|---|---|---|---|
| 1 | Puran Cinema | Dadri | 2462.20 |
| 2 | Adarsh Cinema | Hansi | 13162.39 |
| 3 | Bharat Cinema | Hansi | 5791.08 |
| 4 | Liberty Cinema | Bhiwani | 15318.00 |
| 5 | Murari Theatre | Do | 27573.80 |
| 6 | Prabhat Theatre | Do | 36540.85 |
| 7 | Gobind Theatre | Narnaul | 14402.40 |
| 8 | Prabhat Theatre | Do | 2862.78 |
| 9 | Moti Theatre | Mohindergarh | 9706.00 |
| 10 | Gagan Cinema | Fardabad | 40152.39 |
| 11 | Moni Gagan Cinema | Do | 36735.98 |
| 12 | K.C. Cinema | Do | 95945.39 |
| 13 | Neelam Cinema | Do | 57866.20 |
| 14 | Rachna Cinema | Do | connection released in 10/83 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 15 | Akash Cinema | Ballabgarh | 20076.13 |
| 16 | Metro Cinema | Faridabad | 27709.68 |
| 17 | Lata Palace | Do | Relesead on 27-12-82 |
| 18 | TAV Cinema | Sohna | 10916.48 |
| 19 | Naaz Cinema | Palwal | 25242.24 |
| 20 | Upkar Cinema | Hodal | 9193.00 |
| 21 | K.R. Theatre | Karnal | 37011.45 |
| 22 | Novelty Theatre | Do | 17039.00 |
| 23 | Randhir Theatre | Do | 37642.90 |
| 24 | Ashoka Theatre | Do | 30576.00 |
| 25 | Parkash Theatre | Do | 4322.00 |
| 26 | Inder Palace Cinema | Do | 17134.00 |
| 27 | Seema Theatre | Panipat | 4111.00 |
| 28 | Kishore Theatre | Do | 26196.00 |
| 29 | Sangeet Theatre | Do | 28251.00 |
| 30 | Nawal Theatre | Do | 12108.00 |
| 31 | Kanwal Theatre | Do | 15667.00 |
| 32 | Assandh Theatre | Assandh | 12061.00 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 33 | Madan Theatre | Smalkha | 5165.00 |
| 34 | Jain Cinema | Gurgaon | 23576.00 |
| 35 | Raj Theatre | Do | 19987.00 |
| 36 | Dev Cinema | Do | 25190.00 |
| 37 | Ajit Cinema | Do | 32811.00 |
| 38 | Raj Cinema | Rewari | 7438.00 |
| 39 | Khuswant Cinema | Do | 11181.00 |
| 40 | Radhika Cinema | Do | 27215.00 |
| 41 | Vikram Cinema | Pataudi | 3064.00 |
| 42 | Hari Palace | Ambala | 81565.93 |
| 43 | Vijay Palace | Do | 27311.90 |
| 44 | Capital Cinema | Do | 13568.45 |
| 45 | Nigar Cinema | Do | 9471.52 |
| 46 | Minerva | Do | 6018.63 |
| 47 | Novelty | Do | 13627.31 |
| 48 | Nishat | Do | 170531.26 |
| 49 | Liberty | Kalka | 21435.00 |
| 50 | Madhu Theatre | Yamuna Nagar | 16342.96 |
| 51 | Madhu Traders | Do | 19401.98 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (Air Conditioners) | | |
| 52 | Luxmi Talkies | Do | 11875.30 |
| 53 | New Yamuna Nagar Talkies | Do | 21306.75 |
| 54 | Dimple Traders | Jagadhri | 37941.77 |
| 55 | Yamuna Talkies | Do | 25996.41 |
| 56 | Tarana | Sonepat | 38454.50 |
| 57 | Sarang | Do | 11353.08 |
| 58 | Minerva | Do | 34539.67 |
| 59 | Nidhi | Rohtak | 9033.09 |
| 60 | Liberty Cinema | Do | 19530.88 |
| 61 | Palace | Do | 27944.88 |
| 62 | Sangeeta Talkies | Do | 8000.00 |
| 63 | Raj Talkies | Do | 11106.87 |
| 64 | Sheela Talkies | Do | 12511.27 |
| 65 | Subhash Talkies | Do | 13988.93 |
| 66 | Ashoka Talkies | Do | 52000.00 |
| 67 | Partap Talkies | Do | 18999.12 |
| 68 | Bangar Talkies | Do | 5252.16 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 69 | Shanti Talkies | Kalanaur | 8160.00 |
| 70 | Poonam Talkies | Gohana | 10219.00 |
| 71 | Arora Talkies | Meham | 8732.00 |
| 72 | Kundan Talkies | Jind | 35643.20 |
| 73 | Bharat Talkies | Do | 22187.35 |
| 74 | Arora Talkies | Safidon | 14005.88 |
| 75 | Bansal Cinema | Tohana | 7827.94 |
| 76 | Bakshi Cinema | Narwana | 3136.84 |
| 77 | Randhir Cinema | Kaithal | 11066.10 |
| 78 | Ashok Cinema | Do | 11588.88 |
| 79 | Hind Cinema | Do | 957.25 |
| 80 | Ambala Cinema | Cheeka | 11876.40 |
| 81 | Upkar Cinema | Do | 416.77 |
| 82 | Rama Cinema | Shahabad | 3431.54 |
| 83 | Mohan Cinema | Kurukshetra | 3711.00 |
| 84 | Rudra Cinema | Do | 8729.00 |
| 85 | Parkash Cinema | Do | 6247.00 |
| 86 | Neelam Cinema | Do | 12824.00 |
| 87 | Geeta Cinema | Ladwa | 3690.53 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 88 | Khushwant Cinema | Pehowa | 1556.20 |
| 89 | Pushpa Cinema | Hissar | 31361.71 |
| 90 | Sohan Cinema | Do | 45853.19 |
| 91 | Allied Cinema | Do | 31563.71 |
| 92 | Neelam Cinema | Do | 51780.22 |
| 93 | Parijat Cinema | Do | 31627.09 |
| 94 | Anand Cinema | Do | 21279.19 |
| 95 | Delite Cinema | Dabwali | 8903.74 |
| 96 | Darpan Cinema | Do | 24042.50 |
| 97 | Ganeriwala | Ellanabad | 5117.00 |
| 98 | Gawriwala | Rania | 1920.37 |
| 99 | Raj Lakshmi | Uklana | 7538.25 |
| 100 | Ganeri Wala | Fatehabad | 27158.30 |
| 101 | Amar Cinema | Uklana | 8831.00 |
| 102 | New Rajendra | Bhuna | 2444.94 |
| 103 | Bansal Cinema | Sirsa | 33087.68 |
| 104 | Suraj Cinema | Do | 19700.60 |
| 105 | Parbhat Cinema | Do | 3237.72 |
| 106 | Parkash Talkies | Jhajjar | 17983.88 |

**श्री किताब सिंहः** क्या मंत्री जी बताएंगे कि इन्होंने जवाब के साथ जो स्टेटमैंट लगाई है उसके सीरियल नं0 79 पर 957.25 रूपये, सीरियल नं0 81 पर 416.77 रूपये और कई जगहों पर 30000 रूपये से ऊपर बिलों की अदायगी दिखाई गई है। इतने अन्तर का क्या कारण है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, यह जो अलग अलग रा ि ा दिखाई गई है। इस बारे में मैं इंडीविजुयल केस का तो बता नहीं सकता कि वैरिए ान क्यों हैं। अगर किसी इंडीविजुयल सिनेमा के बारे में अलग से पूछेंगे तो मैं पता करके बता सकता हूं। जैसे मैंने जवाब में बताया है कि कई सिनेमाओं में जनरेटर सैटस लगे हुए हैं जिस वजह से उनका बिजली का खर्चा कम आता है। सीरियल नं0 81 पर चीका का सिनेमा है। चीका एक बहुत छोटी जगह है उसके बारे में मुझे पूरा नहीं पता कि वहां पर टूरिंग सिनेमा है या रैगुलर सिनेमा है। अगर किसी इंडीविजुयल सिनेका के बारे में पूछना चाहें तो अलग से नोटिस दे दें, मैं बता दूंगा।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, हम तो जानना चाहते हैं कि इतना फर्क क्यों है ? कहीं ऐसा तो नहीं कि जिनके बिल थोड़े हैं वे बिजली की चोरी करते हैं। यह तो जमीन आसमान का फर्क है।

**श्री अध्यक्षः** जिनको बिजली नहीं मिलती वे जैनरेटर का इस्तेमाल करते हैं। इसीलिये उनका बिल कम आता हैं जैसे पेहवा में है वहा ंपर बिजली कम मिलती है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** मिनिस्टर साहब यह बता दें कि दादरी वाले सिनेमा में जैनरेटर हैं या वह बिजली से चलता है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, मैंने यह बता दिया है कि टोटल कितने सिनेमों में जैनरेटर लगे हुए हैं यह दादरी का सवाल नहीं था इसलिये दादरी की इनफर्मे ान इस समय मेरे पास नहीं है। जहां तक डिफरैंस की बात है, ये हमें कहें कि फलां सिनेमा मे किस वजह से फर्क है तो हम बता देंगे। जब तक इस बारे में मुझे किसी मैम्बर या पब्लिक के आदमी से ि ाकायत नहीं आती, मैं तब तक इस बारे में कैसे जानकारी रख सकता हूं ?

**श्रीमती चन्द्रावतीः** क्या मंत्री जी इस बात की जांच करवाएंगे कि सिनेमा हाउसिज में बिजली की चोरी होती है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** इस बात की जांच पड़ताल बिजली बोर्ड हर वक्त करता रहता हैं चाहे सिनेमा हाउस हो, चाहे इंडस्ट्री हो और चाहे डोमैस्टिक बिजली हो, सभी को चैक करते रहते हैं। अगर ये लिख कर देंगे कि फलां फलां सिनेमा में बिजली की चोरी होती है तो हम उसकी बाकायदा पड़ताल करवाएंगे और कार्यवाही करेंगे। (विघ्न) सूओ मोटो तो हम खुद

करते ही हैं अगर कोई स्पैसिफिक केस बताएंगे तो उसकी अलग से जांच करवाएंगे।

**श्री देवी दासः** अध्यक्ष महोदय, सोनीपत में तराना, सारंग और मिनरवा तीन सिनेमें हैं और इन तीनों के पास जैनरेटर हैं। बिजली भी तीनों को एक टाईम मिलती है और ये एक ही भाहर में कैं। फिर भी एक का 38454.50 रूपये, दूसरे का 11353. 08 रूपये और तीसरे का 34539.67 रूपये का खर्चा है। एक जैसी स्थिति होते हुए यह अंतर क्यों है ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, सोनीपत में तराना थियेटर में मैं स्लीपिंग पार्टनर हूं। उसका बिजली का बिल सबसे ज्यादा है। अगर उसका बिल कम होता तो भाायद बहिन जी कह देती कि क्योंकि इसमे मंत्री जी का हिस्सा है इसलिये बिजली की चोरी हुई है।

**चौधरी सुरेन्द्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि एक तरफ तो डोमैस्टिक कनैक ान और टयूबवैल कनैक ान का अगर दो सौ, पांच सौ या एक हजार रूपये का बिल न दिया हो तो उसका कनैक ान काट दिया जाता है और दूसरी तरफ हजारों रू0 तक के बिल बड़े कारखानों/सिनेमाओं के पैंडिंग पड़े हैं और उनके कनैक ान ज्यों के त्यों चालू रहते हैं। क्या सरकार कोई सीमा निर्धारित करेगी

कि जिसका बिल पांच या दस हजार रूपये से ऊपर पैंडिंग होगा उसका कनैक ान काट दिया जाएगा ?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि ये एरियर्ज नहीं है बल्कि ये तो सिनेमा हाउसिज की तरफ से 1.1.82 से लेकर 31.12.82 तक अदा की गई रा ि ा की फिगर है। मैं एक और बात बताना चाहता हूं कि सिनेमा कम ि र्यल रेटस में आता है और कम ि र्यल रेटस सब से ज्यादा हैं। कम ि र्यल रेटस 90 पैसे फी यूनिट है, लार्ज इंडस्ट्री का रेट 54 पैसे प्रति यूनिट है, स्माल इंडस्टरी का 36 पैसे प्रति यूनिट है, एग्रीकल्चर का 30 पैसे प्रति यूनिट और डोमैस्टिक का 50 पैसे प्रति यूनिट है।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, हमारे वजीर साहब को ि ा ा करते हैं कि रिडीकूल किया जाए। अभी ये कह रहे थे कि अगर सोनीपत में तराना सिनेमा का बिल कम होता तो भाायद हम एतराज करते कि कम क्यों आया है। मैं इनसे डैफिनिट जानना चाहता हूं कि सोनीपत में सारंगे सिनेमा का बिल 11353. 08 रूपये इसलिये तो नहीं आया कि उसमें ..... का हिस्सा है जो मैम्बर पार्लियामैंट हैं ?

**श्री अध्यक्षः** मैम्बर पार्लियामैंट का नाम रिकार्ड में नहीं आएगा।

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** स्पीकर साहब, यह बात मेरी नौलेज में नहीं है कि सारंग सिनेमा का मालिक या हिस्सेदार कौन कौन हैं। मैंने इनको पहले भी कहा है कि ये किसी वि ोश केस के बारे में ि ाकायत करेंगे तो हम उसकी जांच करवाएंगे।

**श्री अध्यक्ष:** अब सवालों का समय समाप्त होता है।

## नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

### Dhulera Minor

***610. Ch. Dhir Pal Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether Dhulera Minor has been completely lined, if not, the details of the portions of the said minor which still remain to be lined together with the reasons therefor and the time by which the lining of the said minor is likely to be completed ?

**Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):** Dhulera Disty. has been lined in a length of about 23 K.M. in the head reach form head to RD-75858 excepting the portions indicated in the statement which is being laid on the Table of the House. The 24 K.M. lining, below RD-75855 upto tail at RD-154000 is under investigation and work is likely to be started by October, 1984.

The lining of whole disty. is likely to be completed by end of June, 1986.

**STATEMENT**

Dhulera Distributory is about 47 K.M. long. Out of 23 K.M. in the head reach, about 18 K.M. has already been lined and about 5 K.M. remains to be lined in patches as indicated below :-

| Sr. No. | R.D. | Length in ft. | Reasons |
|---|---|---|---|
| 1 | 0 to 1787 | 1787 | Stay has been taken by the adjoining land owner which is to be got vacated. |
| 2 | 14206-15000 | 794 | The length of 6000 was to be lined with C. Conc. Block but due to acute shotrage of cement at that time, the block lining was restricted at such remaining portion to be lined with the tile lining which will be taken up shortly. |
| 3 | 16601-16959 | 358 | |
| 4 | 24000-26180 | 2180 | The work was left by the Agency and now fresh tenders have been |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | called. |
| 5 | 33000-33050 | 50 | A fall is to be constructed at this site. |
| 6 | 36350 to 36750 | 400 | These patches have been lying incomplete due to the in capacity of the contractors. They are being asked to complete the work allotted to them failing which fresh tenders will be called. |
| 7 | 42750 to 42850 | 100 | |
| 8 | 43500 to 44000 | 500 | |
| 9 | 45800 to 46500 | 700 | |
| 10 | 47000 to 49600 | 2600 | |
| 11 | 53675 to 54000 | 325 | |
| 12 | 54925 to 55526 | 601 | |
| 13 | 58580 to 59580 | 1000 | |
| 14 | 6000 to 60400 | 400 | |
| 15 | 70000 to 72000 | 2000 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 16 | 73000 to 75855 | 2855 | |
| | Total | 16650 | |
| | about 5 K.M. | | |
| | The above patches are likey to be complated by June, 1985. | | |

At regards lining below 23 K.M. the lining scheme is under investigation and is likely to be cleared by April, 1984. The work will be started by October, 1984. The lining of the whole distributory is anticipated to be completed by June, 1986.

**Embezzlement and Misappropriation Cases**

***587. Ch. Kulbir Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any cases of embezzlement and mi-appropriation of funds are lying pending in Agricultural Marketing Board at present; and

(b) if so, the number thereof together with the details of amount involved in each case ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):**

(क) जी हां।

(ख) विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

| विवरण | |
|---|---|
| क्रम संख्या | निहित रा ि ा |
| 1 | 124 |
| 2 | 25472 |
| 3 | 10000 |
| 4 | 339.50 |
| 5 | 28726.02 |
| 6 | 496000 |

**Expenditure on the Construction of School Buildings**

***617. Ch. Nar Singh Dhanda:** Will the Minister of State for Education be please to state the constituency wise details of expenditure incurred on the construction of school buildings in the State during the period form first January, 1980 to 31st January, 1984 ?

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):** 1 जनवरी 1980 से 31 जनवरी 1984 तक की अवधि में लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़कों) के माध्यम से बहुत से स्कूल भवनौं का निर्माण करवाया गया है। परन्तु निर्माण मण्डलो के क्षेत्राधिकार विधान सभाई निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं से मेल नहीं खाते हैं। अतः इस

वि ााल सूचना को एकत्रित करने में जितना समय तथा श्रम लगेगा वह इसे उपलब्ध कराने के लक्ष्य से कहीं ज्यादा होगा।

**Direct Road for the Mini Sectt. at Narnaul**

***632. Sh. Nihal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to connect the Mini Secretariat at Narnaul with the Narnaul bus stand by a direct road; if so, the time by which such a proposal is likely to materialise ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** हा जी। इस प्रस्ताव को कार्यान्वित करने का सम्भावित समय अभी अंकित नहीं किया जा सकता।

**Construction of Malleka Minor**

***649. Sh. Bhagi Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether the construction work on Malleka Minor in District Sirsa has been started; and

(b) if so, whether the said construction work is in progress at present; if so, the date on which the construction work on the aforesaid Minor was started ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह):

(क) जी हां।

(ख) जी हां, यह जनवरी 1980 में आरम्भ किया गया था।

**Railway Over Bridge on Panipat Jind and Kaithal Road**

***653. Sh. Fateh Chand Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the State Government has approached the Union Government to construct a Railway Over Bridge on the Panipat Jind and Kaithal road; and

(b) if so, the time which the afore said Over Bridge is likely to be constructd ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न ही पैदा नहीं होता।

**Un-authorised Colonizers**

***693. Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any cases of development of unathorised colonies in Ambala Cantt. have come to the notice of the Government; and

(b) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken against the aforesaid colonisers to check the development of unauthorised colonies ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):**

(क) हां।

(ख) हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन अधिनियम, 1975 की धारा – 7(1) के अधीन अनाधिकृत उप निव ाकों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई जाने बारे कार्यवाही की गई है।

## अतारांकित प्र न एवं उत्तर

### Lockout in the State

**141. Sh. Mangal Sein:** Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state-

(a) the number of mills/factories, if sany, in the State in which lock out exists at present together with the reasons therefor;

(b) the names of the mills/factories, if any, in the State where the labourers are on strike at present; and

(c) the number of labourers affected as a result of lock out/strike, as referred to in part (a) and (b) above, together with the steps; if any, taken on proposed to be taken to lift the lock out and to call off the strike ?

**श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री राजे ा कुमार):**

(क) तीन कारखानों में तालाबंदी जारी है। प्रबन्धकों ने इन तालाबन्दियों के कारण श्रमिकों द्वारा अनु ाासनहीनता व धीमी गति से कार्य करना बताया है।

(ख) (1) हिसार टैक्सटाईल, मिल्ज हिसार तथा (2) गेडोर टूल्ज इण्डिया लिमिटेड, फरीदाबाद (प्लाट–1, 2)

(ग) 9150। इन विवादों को निपटाने के लिए समझौते के प्रयत्न जारी हैं।

**Lining of Jhajjar Sub Branch Canal**

**137. Ch. Hukam Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for providing lining to the Jhajjar Sub Brach Canal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid lining is likely to be provided ?

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):**

(क) जी हां।

(ख) पक्का करने का कार्य जून 1987 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है।

**Auction of Plots at Kosli Mandi**

**138. Ch. Hukam Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any plot for shops at Mandi Kosli have been sold by auction; if so, the date of auction thereof;

(b) if the reply to part (a) above be in the affirmative whether the development work in respect thereof has been completed in accordance with the terms of auction, if any laid; and

(c) if not the reasons thereof ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):**

(ए) हां। 97 मण्डी भााप और 6 बूटा प्लाट मण्डी कोसली में खुली नीलामी में क्रम I: दिनांक 4.3.74, 20.12.80 व 14.1.82 को नीलाम किए गए थे।

(बी) विकास कार्य अभी पूर्ण सम्पन्न नहीं हुए हैं।

(सी) मण्डी टाऊनि ाप के विकास कार्य लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़क भााखा) और लोक निर्माण विभाग (जन स्वास्थ्य भााखा) द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं। लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़क भााखा) को विकास कार्यों के खर्चे हेतु 761850 रूपये की प्र ाासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी परन्तु विकास कार्यों को, सरकार द्वारा पहले वर्श 1977 में और पुनः वर्श 1983 मैं उपनिवे ान विभाग को बंद करने के निर्णय के दृश्टिगत हाथ में न लिया जा सका। अब सरकार ने पूर्णतः विभाग को 30.9.1983 से बंद करने बारे निर्णय ले लिया है और इस सम्बंध में अधिसूचना भी जारी हो चुकी हैं। निर्णय के अनुसार मण्डी टाऊनि ाप का मण्डी भाग हरियाणा कृशि विपणन बोर्ड और भोश भाग हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण को हस्तांतरण किए जाने हैं। यह क्षेत्र हरियाणा कृशि विपणन बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आता है और आ ाा की जाती है कि विकास कार्य भाीघ्र सम्पन्न हो जाएंगे क्योंकि हरियाणा कृशि विपणन बोर्ड के पास विकास कार्यों हेतु अपनी एजैंसी है।

**Memorandum for Haryana Subordinate Services Federation**

**139. Sh. Hira Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Government has received any memorandum from the Haryana Subordinate Services

Federation during the years 1982-83 and 1983-84; if so, a copy thereof be laid on the Table of the House; and

(b) if reply to part (a) be in the affirmative, the action, if any, taken or proposed to be taken thereon ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):**

(क) तथा (ख): हरियाणा सर्बाडिनेट सर्विसिज फैडरे ान की ओर से कई ज्ञापन प्राप्त हुए थे तथा फैडरे ान के प्रतिनिधियों के साथ मुख्य सचिव द्वारा दिनांक 26.5.1983, 3.10. 1983 तथा 30.1.1984 को आयोजित बैठकों में विचार विम र्ा किया गया। नवीनतम स्थिति सूचि में दी जाती हैं।

**STATEMENT**

**1. Updating of G.P.F. Accounts**

The Financial Secretary has discussed the matter with the Accountant General, Haryana for clearing the back log of G.P.F. statements and is following up.

**2. Grant of Interim Relief on Central Govt. Pattern**

The Federation was informed that the Cental Government has set up its 4fth Pay Commission recently and the interim relief allowed to the Central Government employees will be taken into account when the pay scales of the Central Government employees are revised by the

Government of India on the recommedations of the Commissions.

The Federation urged that 3 more instalments of additional dearness allowance have become due. They were informed that the Central Government has not yet allowed these instalments to its employees, and the State Government will consider the release of these instalments after these are sanctioned by Government of India.

**3. House Rent Allowance**

The question of revision of house rent allowance of various categories of employees is under consideration of the Government.

**4. City Compensatory Allowance**

The Federation was informed that the matter is under consideration the Finance Department would consider it in April, 1984.

**5. Time Bound Promotion Policy**

The Federation urged that the next higher scales be given after 10 years service as there is stagnation in various departments. This matter is under consideration of the Government.

**6. Grant of Fixed Medical Allowance**

The Federation was informed that it is not possible to give fixed Medical Allowance. However, the question of

delegation of power to field officers for sanctioning medical claim is under consideration of Government.

**7. Parity in Pay Scales of Secretariat Staff and Staff of Fields as also of Directorate**

The Federation did not press this demand.

**8. Increase in rates of Summer Uniform**

From the financial year 1984-85,the rate of summer uniform (2 uniforms) has been increased from Rs. 210 to Rs. 300 i.e. Rs. 150 per uniform, excluding stitching charges. The rate of boots and chappals have also been enhanced to Rs. 68 and Rs. 48 respectively.

**9. Withdrawal of orders imposing 10% cut in the establishment**

The Federation was informed that no retrenchment is being made on this account and the suplus staff is being absorbed in other departments.

**10. Regularisation of Adhoc Employees**

The Federation urged that the employees having 2 years service may be regularised. The Federation was infomred that orders for regularisation of the adhoc clerks having 2 years service on 15-9-1982 have already been issued and the adhoc employees other than clerks who have 2 years service on 15-9-1982 would be regularised.

**11. Scrapping of A.C.R. System**

The Federation urged that the present system of writing A.C.Rs. may be changed and in this respect procedure of perfomance reports may be introduced. The Federation was infomed that the present system could not be changed in the absence of any better system judging performance. The Federation informed that the gradation of the report is not being done properly in some departments. This aspect is being examined by Government.

**12. Removal of Fixed T.A. Condition**

The question of upward revision of the fixed T.A. is under consideration

**13. Regularisation of Work Charged Employees**

It was decided that the Federation may represent their case to the concerned departments of public Works.

**14. House rent Allowance to Work Charged Employees**

This demand was not pressed by the Federation.

**15. Withdrawal of ban on posting of Public Health Staff within 20 miles radius of their Homa place**

The Federation was informed that the Public Health department has since issued instructions to the effect that Assistants/Clerks etc. may be posted within 20 miles radius of their home place.

**16. Leave Travel Concession**

The Federation was infomed that it is not possible to accede to this demand due to financial constraints. The Federation urged that in the Government of India every employee is given leave travel concession benefit after every 4 years and similarly this may be extended to State Government employees. This would keep in national integration also and would not cost the State exchequer heavily. the Federation also urged that in order to avoid misuse of this facility the State Government may allow this benefit to employees who travel in Haryana Roadways buses and some distance limit could also be imposed. It was decided that the Federation may send concrete proposal to Government.

**17. Encashment of Leave**

The Federation was informed that it is not possible to accept this demand due to financial constraints.

**18. Anomalics in Revised Pay Scales.**

The Federation was informed that the anomalies have since been removed. The Federation stated that a nomalies still exist in a few cases. The Federation was informed that in case to the notice of Government specific cases of anomalies then those will be considered.

**19. One Trade One Job**

The Federation was informed that the question of grant of some allowance to a Class –IV employee who does more than one job e.g. peon-cum-mali, Mali-cum-chowkidar etc. is under consideration.

**20. Removal of Victimisation**

The Federation was informed that if specific cases are brought to the notice of Government, those will be considered.

**21. Recognition of Haryana Subordinate Services Federation**

The Federation was informed that the matter will be examined if the Federation applies for recognition and sends its constitution and memorandum of Association etc. The recognition will be given in the genuine case.

**22. Democratisation of Civil Service Rules**

It was decided that the Federation may submit concrete proposal for consideration of Government.

**23. Grant of Bonus**

The matter is under consideration of Government.

**24. Rural Area Allowance**

The Federation was informed that it is not possible to accept this demand.

**25. Conveyance Allowance**

The Federation did not press this demand.

**26. Setting up of Primary Directorate for Primary School Teacher**

The Federation was informed that there is no need for having a separate Primary Directorate as there already

exists a separate Directorate for Schools (including Middle Schools)

**27. Group Insurance Schme**

The Federation requested that the amount of exgratia grant being given to the heirs of an employee who dies in service may be raised fromRs. 5000/- to Rs. 2000/- by enhancing the rate of contribution from Rs. 1/- to Rs. 5/- per mensum. The minimum and maximum amounts of ex-gratia grant has been raised from Rs. 5000/- and Rs. 15000/- to Rs. 10000/- and Rs. 25000/- respectively. This amount is to be calculated at 10 times of the last monthly emoluments excluding (house rent allowance) drawn by the deceased government employee.

**28. Allotment of Office Accommodation for the Federation**

The Federation requested that it may be allowed office accommodation free of rent either at Chandigarh or at Panchkula as Chandigarh Administration has also allowed such accommodation facility to its Federation. The Federation was asked to make specific reference giving full justification

**29. Grant of Special Pay for Higher Education Qualification**

The Federation requested that an employee who improves his qualifications during service may be allowed some incentive. The Federation was advised to make specific reference to Government on the subject.

**30. Incentive for Family Planning**

The Federation urged that the one increment being given to Government employees for adopting small family programme may be extended to the employees who adopted the family planning during emergency. The Federation also urged that the minimum rates of this allowance should not be less than Rs. 50/- per mensum. The matter is under consideration of Government.

**31. Trade Union Rights-Grants of Special Leave**

The Federation was informed that the question of grant of special leave to office bearers of Federation/Union for Federation/Union Work is under consideration of Government.

**Transfer of Government High School Building to P.W.D.**

**140. Sh. Verender Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether the Chief Minister declared in a Public meeting at Village Kharar Alipur on 12-1-1981 to hand over the Government High School Building of the said village to P.W.D. (B&R);

(b) if so, whether the building has been transferred to the said Department; and

(c) if not, yet transferred, by what time it will be done ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) जी हां।

(ख) अभी नहीं।

(ग) जैसे ही ग्राम पंचायत कथित भवन की मुरम्मत लोक निर्माण (भवन तथा सड़कें) की वि ाश्टयों के मुताबिक करवा देती हैं।

**Academy for Story Competition, Art and Music in the State**

**142. Sh. Mangal Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state- whether any Academy for Stroy Competition, Art and Music has been constituted in the State; if so, the names of members of the said Academy ?

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):** कहानी प्रतियोगिता, कला तथा संगीत के लिए राज्य में किसी अकादमी की स्थापना नहीं की गई है।

**Govering Council of Haryana Sahitya Academy**

**143. Sh. Mangal Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) the total number of the members of the Governing Council of Haryana Sahitya Academy, as at present

together with the details of procedure adopted for its formation; and

(b) whether any seats of members are lying vacant in the aforesaid Govering Council; if so, the dated since when the said seats are lying vacant together with the reasons, if any, for which the said seats have not been filled so far ?

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):**

(क) हरियाणा साहित्य अकादमी की भाासी परिशद के 18 सदस्य हैं। इनमें से 8 पदने तथा 10 गेन सरकारी सदस्य हैं। पदेन सदस्य स्थायी सदस्य हैं तथा गैर सरकारी सदस्यों का सरकार द्वारा साहित्य, इतिहास अथवा संस्कृति के क्षेत्र में विख्यात व्यक्तियों में से दो वर्श के लिए नामांकन किया जाता है।

(ख) सभी 10 गैर सरकारी सदस्यों के स्थान खाली हैं, नियुक्ति की दो वर्श की अवधि समाप्त होने के कारण इनमें से 8 स्थान 14.11.1981 से तथा 2 स्थान 17.4.1982 से खाली हैं। इन स्थानों को भरने के लिए सदस्यौं के नामांकन का मामला सरकार के विचाराधीन है।

**Publication by Haryana Sahitya Academy**

**144. Sh. Mangal Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether any books have been published by the Haryana Sahitya Academy under the "University Level Book Preparation Scheme" during the last 15 years, if so, the number thereof; and

(b) whether any grant, for the purpose referred to in part (a) above, has been received by the said Academy from the Central Government during the year 1983-84; if so, the amount thereof ?

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):**

(क) हां। वि वविद्यालय स्तरीय पुस्तक निम्रण योजनाधीन अकादमी द्वारा अब तक 93 पुस्तकें प्रकाि ात की जा चुकी हैं तथा 27 पुस्तकों के दूसरे/तीसरे संस्करण भी निकाले गये हैं।

(ख) "पुस्तक प्रका ान" कार्यक्रम अधीन केन्द्र सरकार से वर्श 1983–84 के दौरान कोई अनुदान रा ि ा प्राप्त नहीं हुई, क्योंकि केन्द्र सरकार से गत वशोंर् में प्राप्त अनुदान रा ि ा में से भोश 2.90 लाख रूपए की रा ि ा 1.4.83 को अकादमी के पास मौजूद थी।

**Penstion to Employees of Local Bodies**

**145. Sh. Mangal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to make the service rendered by the employees under the Local Bodies in the State, as pensionable service; and

(b) if so, the time by which such a proposal is likely to materialize ?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):**

(क) मामला सरकार के विचारधीन है।

(ख) इस प्रस्ताव को अन्तिम रूप देने बारे समय अंकित करना सम्भव नहीं है।

## विभिन्न विशयों का उठाया जाना

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा में एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था कि जगाधरी बार एसोसिए ान पिछले तीन महीने से स्ट्राई पर है और आज सारे हरियाणा के वकीलों ने उनकी सिम्पथी में हड़ताल की है। स्पीकर साहब, जगाधरी में एक तहसीलदार महोदय हैं वह डिसक्रटियस हैं और वह वहां के लोकल एम0एल0ए0 या पड़ौस के एम0एल0ए0 के इ ाारे पर चलते हैं। गवर्नमैंट ने उस तहसीलदार का एक बार ट्रांसफर भी कर दिया था लेकिन बाद में उसी ट्रांसफर कैंसिल कर दी गई। आज वकीलों की तरफ से कोर्ट अरैस्ट दिया जा रहा है।

यह बहुत ही गम्भीर मामला है। आपने इस बारे में क्या फैसला दिया है।

**श्री अध्यक्षः** अभी तक मेरे पास आपका नोटिस नहीं पहुंचा है। जब पहुंच जाएगा मैं उसे कंसीडर करूंगा।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, मैंने एक और काल अटैं ान मो ान का नोटिस आपकी सेवा में दिया हुआ है। ( ाोर)

**डा0 ओम प्रका ा भार्माः** स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जो इस बात कही है उस बारे में मैं पर्सनल एक्सपलेने ान देना चाहता हूं। ( ाोर एवं विघ्न)

**श्री अध्यक्षः** आपको बाद में टाईम दिया जाएगां

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, मेरा दूसरा नोटिस यह है। In 1964, a large number of people migrated from Bangladesh, the then East Pakistan. पहले उनको मध्य प्रदे ा में रखा गया था लेकिन बाद में उनको महिला आश्रम, करनाल में पहुंचा दिया गया। स्पीकर साहब, आज कल उन लोगौं की बहुत बुरी हालत है।

**श्री अध्यक्षः** वह भी अभी तक मुझे नहीं मिला है। मेरे पास आने के बाद उसे कंसीडर करूंगा।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, मैंने भी आपकी सेवा में एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया हुआ है कि सारे हरियाणा प्रदे ा में हर साल टोका म ाीन से सैंकड़ों नौजवानों के हाथ कट जाते हैं। सरकार की तरफ से उनको क्या सहायता दी जाएगी ?

**श्री अध्यक्षः** अभी तक मुझे आपका नोटिस नहीं मिला है। जब मेरे पास पहुंच जाएगा, तो मैं उसे कंसीडर करूंगा।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** जनाब स्पीकर साहब, गौड़ ब्राह्मण कालेज के टीचर्ज मेरे से मिले हैं। उनकी यह ि ाकायत है कि उन्हें पिछले 14 महीने से तनख्वाह नहीं दी गई है। यह प्राइवेट कालेज है। अगर आप इजाजत दें तो उनकी यह ि ाकायत की दरखास्त मैं सदन की मेज पर रख देती हूं।

**श्री अध्यक्षः** आप इस बारे में कोई नोटिस मेरे पास भेज दें उसके बाद मैं उसे देखूंगा।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से एक प्रार्थना करना चाहता हूं। हम अपोजी ान के मैम्बर्ज ने जिसमें मैं भी भाामिल हूं और श्री रामबिलास भार्मा जी भी भाामिल हैं और दूसरे अपोजी ान के माननीय सदस्य भी भाामिल हैं, आपकी सेवा में एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था और आपने वह एडमिट कर लिया। आपकी बड़ी मेहरबानी है। स्पीकर साहब, आपने यह फरमाया था कि जब भी टाईम मिलेगा

उस नोटिस के बारे में यहां हाउस में चर्चा कर ली जाएगी। लेकिन कल सरकार ने अखबारों में स्टेटमैंट दी है।

ये अखबार हैं:– वीर प्रताप, ट्रिब्यून और टाइमज आफ इंडिया। स्टेटसमैन अखबार में यह खबर आयी है :–

"Alleged plot to kill Haryana leaders :- 10 suspects held.

Police claim to have uncovered a conspiracy to kill Haryana leaders and arrested 10 of the 15 sustpects. Besides extremists from Punjab, persons from here were involved in the conspiracy".

**श्री अध्यक्षः** डा0 साहब, अखबार तो मैंने भी पढ़े हैं आप क्या चाहते हैं ?

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, मेरी यह सबमि ान है कि इन्होंने हाउस को कांफिडैंस में लिए बिना ही प्रैस में स्टेटमैंट दे दी। स्पीकर साहब, हमारे पास जो इन्फर्मे ान्ज हैं, हम उनको इनके साथ टैली करना चाहते हैं, वे सही हैं या गलत हैं। इनको हमारी काल अटैं ान मो ान का जवाब यहां हाउस में देने से पहले प्रैस में स्टेटमैंट नहीं देनी चाहिए थी। यह बहुत ही गलत तरीका है। हम लाखों लोगों को यहां पर रीप्रैजैंट करते हैं। इनको प्रैस में स्टेटमैंट देने से पहले सारे हाउस को कांफिडैंस में लेना चाहिए था। सै ान चल रहा है। इनको सदन के अंदर उसका जवाब देना चाहिए था। प्रैस में स्टेटमैंअ नहीं देनी चाहिए

थी। मैं आपके द्वारा यह कहना चाहता हूं कि उस पर आज सदन में चर्चा हो जाए और आज ही ये उसका जवाब दे दें।

**श्री अध्यक्षः** डा0 साहब, वैसे तो 2 अप्रैल को उसका जवाब देने के लिए मैंने गवर्नमैंट को डायरैक्शन दे रखी हैं। अगर मुख्य मंत्री जी आज ही उसका जवाब देना चाहें तो वे दे सकते हैं।

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, मैं सारी बातों के बारे मैं आज ही जवाब दे दूंगा।

**श्री अध्यक्षः** ठीक है।

**श्री हीरा नन्द आर्यः** स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा में एक काल अटैंशन मोशन का नोटिस दिया है कि बहुत सी पब्लिक अंडरटेकिंग्ज जैसे स्पीनिंग मिल, हांसी करकास्ट, हिसार और दूसरी कई पब्लिक अंडरटेकिंग्ज हैं, जिनको सरकार व्यापारियों को बेचने के लिए सोच रही है जिसके कारण उनमें लगे हुए मजदूरों में बहुत बेचैनी फैली हुई है। उनका जीवन बर्बाद हो जाएगा। उनको यह डर है कि उनको उनमें से निकाल दिया जाएगा। मैं यह चाहता हूं कि सरकार इस बारे में अपनी स्थिति स्पश्ट करे कि क्या उन पब्लिक अंडरटेकिंग्ज को बेचने के बारे में विचार किया जा रहा है या यह बात गलत है।

**श्री अध्यक्षः** आर्य साहब, अभी तक वह मेरे पास नहीं पहुंचा है। जब मेरे पास आपको नोटिस पहुंच जाएगा, तो मैं उसें कंसीडर करूंगा।

**श्री मनफूल सिंह :** स्पीकर साहब, पंजाब में बाल्मिकी और मजहबी सिखों के लिए रिजर्वे ान विद इन रिजर्वे ान है। मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर पंजाब में ऐसा है तो हरियाणा मेें भी बाल्मिकी और मजहबी सिखों के लिए रिजर्वे ान विद नइ रिजर्वे ान का रूल हो जाना चाहिए इस बारे में मैंने आपकी सेवा में रूल 84 के तहत नोटिस दिया हुआ है ताकि इस बारे में स्पै ाल चर्चा हो जाए।

**श्री अध्यक्षः** वह मैंने डिस अलाऊ कर दिया है। जो रिजर्वे ान पालिसी है। यह हरियाणा में काफी सालों से वर्क कर रही है। इसके अलावा हरिजनों के लिए एक निगम भी बनी हुई है। अगर आपको रिजर्वे ान के बारे में तसल्ली नहीं है तो आप उस निगम के चेयरमैन, एम0डी0 या दूसरे अफसरान से मिल सकते हैं।

**श्री मनफूल सिंहः** स्पीकर साहब, मैंने इस बारे में रूल 84 के तहत नोटिस दिया है। काल अटैं ान मो ान नहीं दिया है।

**श्री अध्यक्षः** जो आपने नोटिस दिया है उसको रूल 84 के तहत एडमिट करने वाली कोई बात नहीं बनती है। इसलिये मैंने वह डिसअलाऊ कर दिया है। ( ाोर एवं विघ्न)

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, इन्होंने पालिसी मैटर के बारे में रूल 84 के तहत नोटिस दिया है। मैं आपको रूल 84 पढ़ कर सुना देता हूं। इन्हौंने जो नोटिस आपकी सेवा में दिया है वह बाकायदा रूल 84 के तहत ही आएगा। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** मैंने जिन ग्राउन्डज पर इनका नोटिस डिस अलाऊ किया है, वे इस प्रकार हैं :–

(i) the matter is not of recemnt occurrence vide page 576 of the Book 'Practice and Procedure of Parliament' by Kaul & Shakher;

(ii) hon'ble Member will have ample oppurtunities for discussion on budget and relevant demands; and

(iii) moreover, there is a Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes of the House to examine such matters.

**श्री मनफूल सिंहः** स्पीकर साहब, पंजाब प्रदे ा हमारा पड़ौसी प्रदे ा है। यदि उसने रिजर्वे ान विद इन रिजर्वे ान कर दी है तो हरियाणा में भी ऐसा किया जाना चाहिए। इसके अलावा मैंने एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था कि जो

सफाई मजदूर हैं उनको भी सरकार पैं ान दे। वह भी आपने डिस अलाऊ कर दिया है। ( ाोर एवं विघ्न)

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, आप भी जानते हैं और यहां सारा हाउस जानता है कि हमने भी 50 परसैंट रिजर्वे ान की व्यवस्था की हुई है। आप यह भी जानते हैं कि एक्ट में यह व्यवस्था की हुई है कि 50 परसैंट से ज्यादा रिजर्वे ान नहीं की जा सकती। हरियाणा सरकार ने आलरेडी 50 परसैंट रिजर्वे ान की व्यवस्था कर रखी है जिसमे 20 परसैंट हरिजनों के लिए, 10 परसैंट बैकवर्ड क्लासिज के एिल, 17 परसैंट एक्स सर्विस मैन के लिए और 3 परसैंट अंगहीनों के लिये रिजर्वे ान है। 50 परसैंट से ज्यादा रिजर्वे ान हो नहीं सकता। हरिजनों के लिए आलरेडी 20 परसैंट रिजर्वे ान हरियाणा में की हुई है। मजहबी सिखों को भी हरियाणा में हरिजन माना जाता है।

**श्री मनफूल सिंह:** स्पीकर साहब, पंजाब में रिजर्वे ान विद इन रिजर्वे ान की हुई है, वह इस प्रकार से की है कि जैसे किसी डिपार्टमैंट में 50 परसैंट हरिजन लेने हैं तो उसमें से 25 पोस्टों पर मजहबी सिख और 25 पर दूसरे बाल्मिकी लिये जाएंगे। इस तरह से रिजर्वे ान विद इन रिजर्वे ान हरियाणा में भी की जानी चाहिए। आपने मेरा रूल 84 के तहत जो नोटिस था, डिस अलाऊ कर दिया है। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि जो सफाई मजदूर हैं जो सब लोगों की सड़कें साफ करते हैं, यदि उनको भी सरकार की तरफ से पैं ान देने का

प्रावधान कर दिया जाए तो कौन सी बुरी बात है। वे बेचारे रिटायर हो जाते हैं लेकिन उनको पैं ान देने का कोई प्रावधान नहीं है। यदि सरकार की तरफ से सफाई मजदूरों के साथ यही अत्याचार किया गया तो सफाई मजदूरों को झाड़ू लगाने के साथ साथ सरकार के कान भी साफ करने पड़ेगें। ( ाोर एवं विघ्न)

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि बाल्मिकियों का सफाई करने का काम बहुत कठिन है। उनको पैं ान भी देनी चाहिए। मैं सदन को यह वि वास दिलाना चाहता हूं कि जब भी कोई नौकरी निकलती है और डिपार्टमैंट उनको सिलैक्ट करते हैं तो हम डिपार्टमैंटस को यह जरूर कहते हैं कि बाल्मिकी और धाणक सर्विस में बहुत कम हैं इसलिये उनको सर्विस में लेने के लिये खास तौर पर ध्यान रखा जाए और ध्यान रखा भी जाता है। माननीय सदस्य ने जो बात पंजाब के अंदर रिजर्वे ान विद इन रिजर्वे ान की कही है, वहां पर हरिजनों के लिये 20 परसैंट रिजर्वे ान है जिसमें से रिजर्वे ान का आधा हिस्सा वहां के मजहबी सिखों के लिये दिया हुआ है। यदि हमारे यहां यह व्यवस्था कर दी जाए तो दूसरे हरिजन भाईयों के साथ बहुत ज्यादती होगी क्योंकि हमारे यहां मजहबी सिखों से ज्यादा आबादी दूसरे हरिजन भाईयों की है। हम मजहबी सिखों को भी हरिजन मानते हैं। ( ाोर)

**श्री मंगल सैनः** आपने रूल 84 के तहत जो रूलिंग दी है उसके संबंध में रूल को मैं पढ़ देता हूं।

"A motion that the policy or situation or statement or any other matter bue taken into consideration shall not be put to the vote of the Assembly ....."

स्पीकर साहब, अब बाकी बात पालिसी स्टेटमैंट और सिचुए ान की है। यह पालिसी की बात है और रूल 84 में यह मैटर डिस्कस किया जा सकता है। जैसा कि अभी मुख्य मंत्री जी ने स्वयं कबूल किया है कि बाल्मिकी भाइयों का काम वाकई टेढ़ा है। जो रूल हमने आपको कोट किया उसको आपने कबूल नहीं किया। अब आपसे मेरी यही प्रार्थना है कि कोल एण्ड भाकधर द्वारा लिखी गयी किताब में जो कहा गया है वह तो काल अटैं ान मो ान की एडमि ान के बारे में है इस बात को ध्यान में रख कर रूल 84 के तहत दोबारा रूलिंग दें। जो रूलिंग आपने दी है, उसको रिव्यू कर लीजिए।

**श्री अध्यक्षः** अब तो उसका जवाब चीफ मिनिस्टर साहब ने दे दिया है। हरिजनों में उनका पूरा पूरा इन्ट्रैस्ट है। इसके लिए सरकार ने पहले ही इन्स्ट्रक ान्ज जारी की हुई है।

**श्री मंगल सैनः** मैं कहना चाहता हूं कि रूल 84 के तहत जो मो ान इन्हौंने दी है, यदि इस पर डिस्क ान हो जाये तो सारी बात साफ हो जायेगी।

**चौधरी भजन लालः** स्पीकर साहब, जिस दिन मैं मुख्य मंत्री बना था उसी समय मैंने पहली कैबिनेट मीटिंग के अंदर ही इन बाल्मिकी भाइयों के 50 रूपये प्रति महीना बढ़ाने का निर्णय

लिया था। तभी से मैं इनकी तरफ ध्यान दे रहा हूं। इस बात को डा0 साहब भी मानेंगे।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि श्री मनफूल सिंह जी ने जो नोटिस दिया है, उस पर डिस्क ान हो जानी चाहिए। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** वीरेन्द्र सिंह जी, आप इनको क्यों उकसा रहे हैं।

**श्री मंगल सैनः** ये उनको उकसा नहीं रहे। ये मुझे कह रहे हैं कि जो 50 रूपए बढ़ाए गए थे, वे उनको मिले नहीं हैं। हम इन्हें बिल्कुल नहीं उकसाते।

**चौधरी भजन लालः** हमने 50 रूपये एक बार बढ़ाए और फिर 10 रूपये और बढ़ाए। जिनको को 150–200 रूपये महीना मिलते हों और उनके एकदम 60 रूपये बढ़ा दिए जाएं तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है।

**श्री चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, मेरी तो आपसे फिर यही रिकवैस्ट है कि आप रूल 84 के तहत इस पर डिस्क ान अलाऊ कर दें।

**श्री अध्यक्षः** इस पर मैंने अपनी रूलिंग दे दी है। अब आप इस बात को खत्म करें और कोई नई बात कहनी हो तो कहिए।

## वाक आउट

**श्री मनफूल सिंहः** यदि आप मेरी वह मो ान एडमिट नहीं करते और इस पर डिस्क ान की इजाजत नहीं देते तो मैं वाक आउट करता हूं। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** यदि आप वाक आउट करना चाहते हैं तो आपकी मर्जी है। (व्यवधान व भााोर)

(इस समय माननीय सदस्य श्री मनफूल सिंह सदन से वाक आउट कर गए)

## वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

## श्री वेद पाल द्वारा–

**Mr. Speaker:** Order please. Hon'ble Deputy Speaker is on his legs. He wants to make a personal explanation

**श्री वेद पालः** आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान, सर। स्पीकर सहब, डा0 मंगल सैन जी सदन के बड़े पुराने सदस्य हैं। उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं थीं जिनके बारे में मुझे रूलिंग देने का मौका मिला था। स्पीकर साहब, मैं डा0 साहब को रूल्ज के बारे में यह कहना चाहता हूं कि कौल एण्ड

भाकधर के बारे में वे अपने आप को अथोरिटी समझते हैं। जो रूलिंग हाउस में दी जा चुकी हो तो क्या उसका परिणाम ये जातने हैं ? ये रूल्ज को बार बार पढ़ें और गलत तौर पर कोट करें तो यह परम्परा अच्छी नहीं है। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि इनको अपने अलफाज वापिस लेने चाहिए।

## विभिन्न विशयों को उठाया जाना (पुनरारम्भ)

**Sh. Mangal Sein:** On a point of personal explanation under rule 63, Sir. स्पीकर साहब, डिप्टी स्पीकर साहब ने .....

**Mr. Speaker:** I have not permitted you to speak yet. I will given you time later on. Please take you seat.

**श्री लछमन सिंहः** स्पीकर साहब, आपकी बड़ी मेहरबानी कि आपने एक एम0एल0एज0 को आज का एम0एल0ए0 रामअवतार फिल्म दिखाई है।

**श्री अध्यक्षः** मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि उस पिकचर को डिस्कस न करें तो अच्छा है।

**श्री लछमन सिंहः** स्पीकर साहब, मैं तो यह कहना चाहता हूं कि आगे पार्लियामैंट के चुनाव आ रहे हैं। यह फिल्म इलक्टोरेटस के लिऐ बड़ा अच्छा सुझाव है। मेरा कहना यह है कि इस फिल्म को इलक्टोरेट को दिखा कर ि ाक्षित करना चाहिए।

देहात के लोग इस फिल्म को देख नहीं पाएंगे क्योंकि वहां पर सिनेमा आदि नहीं हैं। भाहर के लोग तो देख सकेंगे क्योंकि यहां पर सिनेमा आदि की सुविधा है। यदि इस फिल्म को देहात के लोगों को दिखा दिया जाये तो वे आगे आने वाले इलैक ान में अपनी जिम्मेदारी का एहसास करेंगे। मेरी गुजारि ा है कि इस फिल्म को देहात के अंदर पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट के माध्यम से दिखाया जाना चाहिए। इस फिल्म को देखने से लोगों में एजिटे ान फैलेगा। यह पिकचर हरियाणा के बारे में मालूम होती है। यह चर्चा लोबी के अंदर भी हो रही थी कि यह पिकचर हरियाणा के बारे में है। मेरी फिर गुजारि ा है कि इस फिल्म को पब्लिक रिले ान डिपार्टमैंट के माध्यम से देहात के अंदर दिखाया जाये।

**श्री अध्यक्षः** मैं खुद भी हरियाणवीं हूं। मैं कम से कम 20–25 साल से सियासी जिन्दगी में हूं। यह अलग बात है कि मैं 1977 में एम0एल0ए0 बना था। इसके अंदर ऐसी कोई खास बात नहीं है जो हरियाणा की हो। दूसरी बात मैं सभी की इन्फर्मे ान के लिए बताना चाहूंगा कि भाायद आप और मैं उतनी पिकचरें नहीं देख पाते हो जितनी देहात वाले लोग देख लेते हैं। मेरे पास एक देहाती आया था। उसने एक ऐसे एक्टर का नाम लिया था जिसक भाायद मैं और आप नहीं जानते। आज कल देहात के अंदर विडिया और ब्लयू फिल्में पहुंची हुई हैं। उनको सारा पता है।

**चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः** जिस प्रकार से फिल्म के अंदर रामअवतार ने इस्तीफा दिया है, उसी प्रकार से इनको भी इस्तीफा दे देना चाहिए। (हंसी)

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** स्पीकर साहब, मैंने सैंसस डिपार्टमैंअ से जो कर्मचारी निकाले गए थे, उनके संबंध में एक काल अटैं ान नोटिस दिया था। इस डिपाटमैंट के अंदर बहुत सारे कर्मचारियेां को निकाल दिया गया था। हरियाणा सरकार ने 25.2.83 को एक इन्स्ट्रक ान भी जारी की थी।

**श्री अध्यक्षः** सैनी साहब, वह मैंने डिस अलाऊ कर दी है। ऐसी बातें डे टू डै वर्किंग में आती हैं

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** उनको एडजस्ट करने के लिए आल हैडज आफ डिपार्टमैंटस डी0सीज0 और एस0डी0ओ0 को लैटर भी लिखा गया था लेकिन आज तक उनको एडजस्ट नहीं किया गया है। वे बेचारे मारे मारे फिर रहे हैं। यह कोई दो साल की बात हो गयी है।

**श्री अध्यक्षः** मैं आपके सैंटीमैंटस को समझता हूं। सर्विस मैटर मो ान में नहीं आते। इन्होंने खुद लैटर लिखा है और ये उनको एडजस्ट करना चाहते हैं, इस बात को आप भी मानते हैं।

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** स्पीकर साहब, वे बेचारे बहुत दुक्षी हुए फिर रहे हैं।

**श्री अध्यक्षः** यह मो ान में नहीं आ सकता।

## वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

## श्री मंगल सैन द्वारा

**श्री मंगल सैनः** आन ए प्वायंट पर्सनल एक्सप्लेने ान सर। स्पीकर साहब, अभी डिप्टी स्पीकर साहब ने मेरे संबंध में कुछ कहा था, उसी संबंध में मैं अपनी पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब ने यह बात फरमाई कि मैं बार बार उनकी रूलिंग के बारे में कह रहा था।

**श्री अध्यक्षः** डा0 साहब, जब कोई रूलिंग स्पीकर की तरफ से या डिप्टी स्पीकर की तरफ से या चेयरमैन की तरफ से दी जा चुकी हो तो can it be criticised a gain and again ?

**श्री मंगल सैनः** मैंने क्रिटीसाईज तो नहीं किया।

**श्री अध्यक्षः** आपका अन्दाज बिल्कुल क्रिटीसिज्म का था।

**श्री मंगल सैनः** मेरा अंदाज बिल्कुल क्रिटिसिज्म का नहीं था।

**श्री अध्यक्षः** आप अपनी बात को तोड़ मरोड़ कर पे ा करते रहते हैं। That was actually criticism.

**श्री मंगल सैनः** मैंने कोई तोड़ मरोड़ कर नहीं कहा। मैंने कौल एण्ड भाकधर को बार बार कोट किया था। इस बात को रहने दीजिये और उस दिन जो हो गया सो हो गया। अभी डिप्टी स्पीकर साहब ने कहा था कि क्या मैं उसके परिणाम को जानता हूं। I know them and I am prepared to face the consequence, Sir. I am not a coward man. स्पीकर साहब, जो बात इन्होंने कही है, वह थ्रैट करने वाली बात है। With due respect to the Chair, I would like to submit that मैंने अगर कोई बात कही है, तो वह परमि ान से कही है।

**वक्तव्य–**

**मुख्य मंत्री द्वारा राज्य में कानून तथा व्यवस्था की तेजी से बिगड़ती स्थिति तथा करनाल के समीप श्री वेद पाल उपाध्यक्ष हरियाणा विधान सभा पर कातिलाना हमले संबंधी।**

**Mr. Speaker:** Now the Hon'ble Chief Minister will make a statement on the Call Attention motions given notice of by several Members of the opposition regarding law & situation in the State.

**मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये ध्यानाकर्शण प्रस्तावों में पंजाब के उग्रवादियों की गतिविधियों तथा उनका हरियाणा के लोगों पर प्रभाव तथा कालांवाली के समीप रेलवे लाईन को उड़ाने की हाल

ही में हुई घटना व माननीय उपाध्यक्ष हरियाणा विधान सभा को मारने के लिए किए गए प्रयत्न जिसमें कि उनके कार चालक की मृत्यु हो गई तथा उनका अंग रक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया, का जिक्र किया गया है।

2. आरम्भ में ही मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि सरकार पंजाब में निरपराध लोगों के मारे जाने पर गंभीर रूप से चिंतित है। जबकि हरियाणा के लोगों पर इसकी प्रतिक्रिया हुई है। यह कहना गलत होगा कि राज्य में भय का वातावरण है। इसके बावजूद कि पंजाब में अकालियों के व्यर्थ और अनाव यक आन्दोलन के कारण तथा कुछ मुट्ठी भर लोगो की जो कि दे । के प्रति भात्रुता करने पर तुले हुए हैं, हिंसात्मक गतिविधियों के कारण लोगों में प्रबल तथा निरन्तर उत्तेजना है। सरकार ने राज्य में साम्प्रदायिक सदभाव बनाए रखने के लिए सभी यथा संभव कदम उठाए हैं। यह दुर्भाय है कि पंजाब में लोगों का एक हिस्सा ऐसे तत्वों के हाथों में खेल रहा है। हरियाणा में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है। दिनांक 11.3.84 को कालांवाली के समीप रेलवे लाईन पर हुए विस्फोट तथा माननीय उपाध्यक्ष पर हुए आक्रमण तथा उनकी कार के चालक की मृत्यु की घटनाओं पर पुलिस की जांच संतोशपूर्ण चल रही है। इस प्रकार की घटनाओं को आगे से रोकने को सुनि चित करने के लिए कई उपाय किए गए हैं जैसे पुलिस द्वारा ग त, संदिग्ध व्यक्तियों को चैक करना तथा उनके छिपने वाले ठिकानों पर छापे मारना है।

3. पंजाब हिन्दू सुरक्षा समिति ने पंजाब सरकार के सिक्खों के प्रति कथित पक्षपात तथा पंजाब में हिन्दुओं पर आक्रमण के विरूद्ध पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदे ा में दिनांक 14.2.84 ककको बंध मनाने का आहवान किया था। हरियाणा में 14.2.84 को बंध भाान्तिपूर्ण मनाया गया परन्तु पंजाब में काफी हिंसा तथा आगजनी की घटनाएं घटी जिनमें बहुत सी जानें गई। प्रतिक्रयास्वरूप हिरयाणा में 15 से 20 फरवीर 1984 के बीच हिंसात्मक घटनाएं घटीं। ये घटनाएं करनाल, पानीपत, कैथल, जीन्द तथा यमुनानगर में घटीं। इन घटनाओं में 11 व्यक्तियों की जानें गई। निजी सम्पति तथा कुछ धामिक स्थानों को भी हानि पहुंची।

4. प्र ाासन ने स्थिति को निश्पक्षता तथा कठोरता से निपटा। पानीपत में अल्प संख्यक समुदान के 46 व्यक्तियों को जिन्हें बेकाबू भीड़ ने घेर लिया था, को पुलिस ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। इसी प्रकार कैथल में निहंगों को भी, जिन्हें भीड ने घेर लिया था पुलिस ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। पुलिस ने नि ाान साहब भी वहां से हटा कर एक सुरक्षित स्थान पर रख दिया। पुलिस को हिंसा पर उतारू भीड़ पर काबू पाने के लिये गोली चलानी पड़ी। मैंने स्वयं गम्भीर गड़बड़ वाले स्थानों का दौरा किया तथा पानीपत, करनाल और कैथल में दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों से मिला। कैबिनेट स्तर के मंत्रियों को अपने अपने

क्षेत्रों में साम्प्रदायिक भाान्ति तथा आपसी भाई चारे को बनाए रखने को सुनि ित करने के लिये ठहराया गया था।

5. दिनांक 21.2.84 से राज्य पुलिस द्वारा राज्य में साम्प्रदायिक सदभावना बनाए रखने के लिए सख्त उपाय किये जाने के कारण किसी प्रकार की कोई साम्प्रदायिक घटना नहीं घटी है। राज्य सरकार ने पुलिस को कानून व व्यवस्था बनाए रखने के लिये बड़े कड़े पग तथा सावधान बरतने के आदे ा दिए हैं। हरियाण में साम्प्रदायिक हिंसा को फैलने से रोकने के लिए निम्नलिखित वि ोश उपाए किए गए :–

1. राज्य के सभी भाहरी क्षेत्रों में धारा 144 अपराध दण्ड संहिता लागू कर दी गई जिस द्वारा जन सभाओं/जलूसों तथा हथियारों को साथ रखने की मनाही कर दी गई।

2. आजगजनी, धार्मिक स्थानों, दुकानों या मकानों को नुकसान पहुंचाने या पवित्रता भंग करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदे ा जारी किए गए।

3. पुलिस को समय पर आव यकतानुसार प्रतिबंधक गिरफ्तारियां करने के लिए निर्दे ि ात किया गया है।

4. गुरूद्वारा के बाहर वि ोशकर भाहरों में पुलिस बल को गुरूद्वारा की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है।

5. बस तथा रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिये रेलवे स्टे ानों तथा भोर ााह सूरी मार्ग पर पुलिस बल को काफी संख्या में तैनात किया गया है। सोनीपत तथा करनाल के बीच चलने वाली सभी गाड़ियों में रक्षा दल नियुक्त कर दिए गए हैं।

6. राज्य के मुख्य सचिव ने रेलवे के वरिश्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल बैठकें कीं तथा रेलवे की सभी प्रकार की सहायता की।

7. पुलिस प्रबंध को व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने के लिए जींद, पानीपत, रिवाड़ी, सोनीपत, हिसार तथा रोहतक में एक एक उप पुलिस महा निरीक्षक को ठहराया गया था।

8. भोर ााह सूरी मार्ग पर यातायात को बिना बाधा के चलते रहने को सुनि ि चत करने के लिए मोटर साईकिल तथा जीप पर पुलिस द्वारा काफी मात्रा में एक पुलिस उप महा निरीक्षक के निरीक्षण में ग त करना भाुरू कर दिया गया है।

9. साम्प्रदायिक घटनाओं में मरने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकट संबंधी को दस दस हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी गई है तथा सभी घायलों को निः ाुल्क चिकित्सा सहायकता दी गई हैं। करनाल व पानीपत में जो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका दो दो हजार रूपये दिए गए हैं। जिन दुकानदारों की दुकानों को विभिन्न स्थानों पर हानि हुई उसके लिए प्रत्येक को 5 हजार रूपये दिये गये हैं।

10. जिला पुलिस तथा स्थानीय आसूचना स्टाफ को भविशय में किसी प्रकार की समस्याओं से निपटाने के लिये सुदृढ़ कर दिया गया है।

6. मैं इस गरिमायस सदन के माननीय उपाध्यक्ष श्री वेद पाल तथा करनाल से माननीय सदस्या श्रीमती भाान्ति देवी के जीवन पर दिनांक 9.3.84 की रात्रि को जबकि वे दिल्ली से करनाल आ रहे थे पर कायरता के साथ किए आक्रमण के बारे में हुई चिन्ता में पूर्ण रूप से भागीदार हूं। इस पागलतापूर्ण कार्यवाही के कारण एक निर्दोश व्यक्ति श्री जगदी ा भार्मा माननीय उपाध्यक्ष के कार चालक की जान गई तथा प्रधान सिवाही रणधीर सिंह अंगरक्षक, गंभीर रूप से घायल हुआ। जबकि मैं श्री जगदी ा भार्मा की मृत्यु पर हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि श्रे वेद पाल तथा श्रीमती भाान्ति देवी को चोट नहीं पहुंची। मैं प्रधान सिपाही रणधीर सिंह द्वारा दिखाए गए अत्यंत साहस की भी प्र ांसा करना चाहूंगा जिसने कि अपनी रिवाल्वर से गोल चला कर आक्रमणकारियों की बहुत पास आने और अधिक हानि पहुंचाने से रोका। मुकद्दमें में अनुसंधान कार्य करनाल पुलिस के स्पै ाल स्टाफ ने गुप्तचर विभाग की अपराध भाखा के सहयोग से उप पुलिस महा निरीक्षक अम्बाला मंडल तथा पुलिस अधीक्षक करनाल के निरीक्षण में तत्काल भुरू कर दिया था। पुलिस अपराधियों की पहचान तथा उन द्वारा प्रयोग में लाए गए वाहन से संबंधित अति उपयोगी सूत्र प्राप्त करने में सफल हो

गई हैं। उन्होंने अपरोधियों के संभावित छिपने वाले ठिकानों पर छापे मारे हैं तथा बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की है। तीन दोशियों अमरजीत सिंह दीदार सिंह (हाबड़ी) तथा रे ाम सिंह को 14.3.84 को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह आ ाा की जाती है कि अन्य दोशियों को भीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेग। राज्य में इस प्रकार के लोगों की गतिविधियों को चैक करने तथा भविश्य में इस तरह की घटनाओं को पूर्ण रूप से सचेत कर दिया गया है, जिससे कि इस प्रकार की गतिविधियों के बारे सूचना एकत्रित की जाए तथा कार्यवाही की जाए।

7. दिनांक 11.3.84 को कालांवाली (हरियाणा) तथा रामा मण्डी जिला भटिण्डा (पंजाब) के बीच रेलवे लाईन पर एक विस्फोट हुआ था। घटनास्थल पंजाब के गांव कनकवाल से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर है और हरियाणा में पड़ता है। विस्फोट सिरसा–भटिण्डा सवारी गाड़ी के घटना स्थल से गुजर जाने के आधे घंटे बाद हुआ। विस्फोट से लगभग एक मीटर रेलवे लाईन को भारी क्षात पहुंची। विस्फोट का रेलवे पुलिस के ग ती दलों को तत्काल पता लग गया था तथा आगे के यातायात को रोक दिया गया था। अनुसंधान कार्य के दौरान जो महत्त्वपूर्ण सूत्र पुलिस के कुत्तों की सहायता से मिले हैं वे इस बात को प्रकट करते हैं कि भारारती तत्वों ने दो गुरूद्वारों गियाना तथा तलवंडी साबों जिला भटिण्डा में भारण ली थी, उनकी पहचान की जा चुकी है तथा उन्हें गिरफ्तार करने के लिये प्रयत्न किये जा रहे हैं।

रेलवे लाईन पर यातायात मुरम्मत करने के बाद फिर भाुरू हो गया था। पुलिस ग त को कालांवाली क्षेत्र तथा सिरसा के अन्य भागों में और भी मजबूर कर दिया है।

8. डा0 भीम सैन भार्मा के बारे में जिसका जिक्र माननीय सदस्य डा0 मंगल सैन ने किया है, यह गलत है कि उपरोक्त घटना के कुछ दिनों पहले उवन पर किसी ने कालांवाली मण्डी में आक्रमण किया था। उन्होंने पुलिस में इस प्रकार की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। इसी प्रकार यह कहना भी गलत है कि माननीय अध्यक्ष महोदय के मकान पर किसी ने आक्रमण किया था।

9. हम भारारती तत्वों तथा समाज विरोधी तत्वों से भाक्ति से निपटने के लिए दृढ निि चत हैं। राज्य भर में रेल तथा सड़क के सुगम तथा बाधा रहित यातायात को सुनिि चत करने के लिए प्रबंध कर लिये गये हैं। धार्मिक स्थानों की सुरक्षा के लिये भी पूरे प्रबंध कर लिये गये हैं। सरकार साम्प्रदायिक सदभाव की नीति को बनाये रखने के लिये पूरी तरह से वचनबद्ध हैं कई बार लोगों में पड़ौसी राज्यों में घटित घटनाओं के कारण प्रतिक्रिया की भावना उत्पन हो जाती है। परन्तु हमने दृढ़ नि चय किया हुआ है कि साम्प्रदायिक भाान्ति किसी भी मूल्य पर भंग न हो। मैंने कुछ समय पूर्व विरोधी दलों की चण्डीगढ़ में एक बैठक इस कार्य में सहायता के लिये बुलाई थी, जिसमें हमारे द्वारा अपनाए गए उपायों का अनुमोदन किया गया था। मैं फिर इस

गरिमाय सदन के माननीय सदस्यों तथा सभी राजनैतिक पार्टियों का राजय में साम्प्रदायिक भाान्ति तथा सदभावना को बढ़ावा देने के लिए सहयोग चाहूंगा।

11.00 बजे।

इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, अभी डा0 साहब ने अखबार का हवाला देकर जिक्र किया कि जो बात मैंने अखबार वालों से कही है उसे मुझे पहले हाउस में बताना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि ऐसी बात को चाहे हाउस में बताएं या बाहर बजाएं, यह कोई ऐसी बात नहीं है जिससे हाउस की मर्यादा भंग होती है। कुछ लोग हमने राउन्ड अप किए हैं ताकि प्रदे ा में कोई घटना न घट जाए। उसके लिये सरकार चौकस है और जागरूक है। जहां तक पानीपत के सिनेमा घर में बम विस्फोट की बात है, उसके बारे में बहुत तेजी से पूछताछ जारी है। अभी पुलिस असली मुलजिम पकड़ नहीं पाई है लेकिन उसने काफी लोगों को राउन्ड अप करके पूछताछ करने की कोि ा ा की है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, माननीय डिप्टी स्पीकर साहब महोदय और बहन भाान्ति देवी पर जो आक्रमण हुआ था उन आक्रमणकारियों की खोज में अगर कोई बाधा न पड़ती हो तो क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि वे इसमें कहां तक सफल हुए हैं ?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, इसमें हम काफी हद तक कामयाब हो गए हैं उन लोगों ने जो मोटर साईकिल इस्तेमाल किया था उसका पता लग गया है। जिसका वह मोटर साईकिल था उसको पकड़ लिया गया है। जिसने मोटर साईकिल दिलाया था उसको भी पकड़ लिया गया है। असली मुलजिमों के नामों का पता लग गया है और हम कोि ा ा करेंगे कि बहुत जल्दी ही उन्हें पकड़ लिया जाए। मुलजिमों का नाम बताचना इस केस् के हित में नहीं होगा।

**श्री मंगल सैनः** अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने काल अटैं ान मो ान का जवाब देने के बाद एक बात कही। मैंने एक सवाल उठााया था कि जब सदन चल रहा है तो पहले ये सदन में बात कहते बजाये अखकार में कहने के। आज तक यही मर्यादा रही है। इन्होंने कहा कि इन्होंने मर्यादा भंग नहीं की। मर्यादा भंग करने का तो मैं भी प्रस्ताव नहीं लाया। मैं तो अच्छी परम्परा की बात कर रहा हूं। (विघ्न) इनको अच्छी परम्परा का अनुसरण करना चाहिए। दूसरी बाचत इन्होंने कही कि हरियाणा में कोई भय का वातावरण नहीं है। (विघ्न) भय के वातावरण का अंदाजा तो इस बात से लग सकता है कि इनकी बसों में कितने लोग आ जा रहे हैं। अम्बाला छावनी में ही जाकर आप देख लीजिए। वहां से जो बसें निकलती हैं उनमें बहुत कम सवारियां होती हैं। अड्डे के दुकानदार रोते हैं। कि उनका काम ही खत्म हो गया। इससे पता लगता है कि लोग बहुत आतंकित हैं।

अध्यक्ष महोदय, इनसे मैं एक बात कौर क्लैरिफाई करना चाहता हूं। इन्हें अपाध्यक्ष महोदय, और भाान्ति जी के ऊपर हुए हमले के संबंधमें तीन आदमी पकड़ लिए थे। उनके नाम इन्होंने अमरजीत सिंह, दीदार सिंह (हाबडी़) तथा रे ाम सिंह बताए। ये बताएंगे कि किस धारा के तहत वे पकड़े गऐ थे ? क्या वह इनती सिम्पल धारा थी कि अदालत ने उन्हें छोड़ दिया ? क्या प्रौसीक्यू ान प्रौपर नहीं हुआ ? क्या धारा ऐसी थी जिसके तहत उनको औफैंस बेलेबल था ? (विघ्न) जुडीि ायरी के बारे में तो हम कौमैंट नहीं कर सकतते लेकिन अपनी एजैंसी के बारे में तो हम पूछ सकते हैं।

स्पीकर साहब, साथ ही मैं इनसे एक बात और जानना चाहता हूं। डा0 भीम सैन भार्मा ने लिखकर भी दिया है और वे पर्सनली पुलिस कप्तान से भी मिले हैं। उनको उन्होंने रिटन में ऐप्लीके ान दी है कि मुझे खत्म करने के लिए अटैम्पट हुआ है। इन्हें अपने एस0पी0 से यह बात कन्फर्म कर लेनी चाहिए थी।

स्पीकर साहब, इन्होंने यह भी कहा कि कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। इन्होंने भाूट एट साईट की बात भी कही और यह भी कहा कि हम धार्मिक स्थानों को अपवित्र करने की निन्दा करते हैं। लेकिन मैं इनसे जानना चाहता हूं कि क्या ऐसी राय इन्हौंने गवर्नमैंट आफ इंडिया को भी दी हैं। ? सेठी साहब पानीपत में तो त ारीप लाए थे लेकिन क्या इन्होंने उन्हें कहा है कि वे पंजाब में भी जाएं ?

इन्होंने खुद माना है कि पंजाब के हालात का यह असर था। क्या इन्होंने वहां भी भाूट एट साईट के आर्डर्ज इ ू करने के लिये गवर्नमैंट आफ इंडियचा से रिक्वैस्ट की है ? अध्यक्ष महोदय, इन सब बातों पर ये कृपा रो ान डालें।

**चौधरी भजन लालः** स्पीकर साहब, डा0 साहब ने तीन चार सवाल इकट्ठे ही पूछ लिए। बहुत अच्छी बात है। अखबार वाली बात तो मैंने पहले ही हाउस के सामने रख दी है। उसकी अब दुबारा चर्चा करने की आव यकता नहीं है। दूसरी बात इन्होंनें पूछी कि जो तीन आदमी पकड़े गए थे वे किस धारा के तहत पकड़े गए थे ? अध्यक्ष महोदय, ज्यों ही यह वाक्या हुआ तो पुलिस हरकत में आई। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो ऐसे जुर्म करने के आदी होते हैं। इस बिना पर इनको पुलिस ने राउंड अप किया और इनसे पूछताछ की। पूछताछ में यह पाया गया कि ये लोग अमृतसर गए थे और भिंडरावाला से मिलकर आए थे। हमें भाक हुआ कि कहीं भिंडरावाला के आदे ा पर ही इन्होंने ऐसा न किया हो। आपको पता है कि भिंडरावाला आमतौर पर ऐसा कहते रहते हैं। भाक हुआ कि कहीं उन्होंने ही ऐसा न करवा दिया हो या इन्हौंने कर दिया हो। इस भाक में इन्हें पकड़ा गया था। लेकिन बाद में चूंकि थ्यौरी दूसरी साईड में चली गई इसलिये इन पर जुर्म नहीं लगाया गया और इनकी जमानत हो गई।

डा0 भीमसैन भार्मा के बारे में अध्यक्ष महोदय, अर्ज यह है कि किसी आपसी झगड़े के कारण वह घटना हुई। उनके ऊपर किसी उग्रवादी ने हमला नहीं किया। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, जब कभी भी भारत सरकार के साथ मीटिंग होती है तो हम हमे ाा इस बात के लिए कहते हैं कि पंजाब में सख्ती से निपटना चाहिए। सख्ती से निपटने के लिए भारत सरकार ने काफी कड़े पग उठाए भी हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि इन पगों से वहां भी अमन हो जाना चाहिए।

**चौधरी ओम प्रका ाः** अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त आदरणी उपाध्यक्ष महोदय, की जान पर अटैम्पट किया गया था उस वक्त अखबारों में दो डिफरैंट व र्न्ज आए थे। श्री वेदपाल जी ने स्वयं कहा कि यह काम मेरे पोलिटिकल ऐनिमीज का हो सकता है। दूसरा व र्न यह था कि टैरोरिस्टस और ऐक्सट्रिमिटस का यह काम हो सकता है। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि दो डिफैंरैंट व र्न्ज आने के बाद क्या वे जुडीि ायल इंक्वायरी करवाने के लिये तैयार हैं ?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, जुडभि ायल इंक्वायरी किस बात की हो ? अब तो हम तफती ा के नजदीक पहुंच हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर अन्यास से गोली चला दी जाये आदमी मर जाए किसी से ज्यादती हो जाये, तो जुडीि ायल इंक्वायरी की बात आती है। इसमें जुडीि ायल इंक्वायरी की बात

नहीं है। श्री वेदपाल जी ने यह कह दिया कि हो सकता है कि उनके किसी मुखालिफ ने गोली चला दी हो हालांकि उनकी किसी से दु मनी नहीं है तो इसमें कोई बुरी बात नहीं है। उन्हौंने सदभाव से प्रदे ा के माहौल को ठीक रखने के लिए जो कुछ कहा वह ठीक कहा है और बहुत अच्छी बात कही है। इसमें कोई गलत बात उन्होंने नहीं कही है।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने बताया कि वेदपाल जी पर जो अटैक हुआ उसके बारे में वे इस तह तक पहुंचे हैं कि लोकल लैवल पर कोई कान्सपीरैंसी हुई। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जिन तीन व्यक्तियों को राउन्ड अप किया गया था, क्या वहीं कांसपीरेसी में भाामिल थे या कोई और लोग भी भाामिल थे ? (विघ्न)

**श्री अध्यक्षः** इसका जवाब आ गया है कि चूंकि थ्योरी और आ गई इसलिये वे जमानत पर रिलीज जो गए।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा एक बात इनसे मैं और जानना चाहता हूं। 15 से 20 तारीख तक करनाल, पानीपत, कैथल और जींद में जो इंसिडैंटस हुए उनकी बिना पर एक रैजोल्यू ान पास हुआ था। चौधरी भजन लाल जी ने एक मीटिंग भी बुलाई थी लेकिन उसमें हमें नहीं बुलाया गया। इनका ब्यान भी था कि हमें भी उस मिटिंग में बुलाया गया है लेकिन हमें नहीं बुलाया गया था। इन्होंने यह भी कहा कि कोई बात

एक्सट्रेनअस सरकमस्टानसिज की वजह से हो गई। क्या उन हालात पर रो ान डालेंगे कि वे क्या एक्सट्रेनुअस सरकमस्टनासिज थे और इस गड़बड़ को रोकने के लिए इन्होंने क्या स्टैप्स लिए हैं ? क्या यह भी सत्य नहीं है कि 14.15 तारीख को जब ट्रीपारटाईट टाक हो रही थी उनको सैटल करने के लिए गवर्नमैंट या रूलिंग पार्टी की कोई कांसपीरेसी थी जिसकी वजह से ये दंगे भड़कें ?

**चौधरी भजन लालः** पहली बात तो इन्होंन कही कि मीटिंग बुलाई थी उसमें अपोजी ान पार्टी कै लोगों को नहीं बुलाया गया। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी की बात ठीक नहीं है। हमारे पास बाकायदा रिकार्ड है। हमने बहिन चन्द्रावती और चौधरी देवी लाल और मंगल सैन को टैलीग्राम दिया था कि वे आयें। डाक्टर मंगल सैन जी आये थे।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** मुझे आपका टैलीग्राम नहीं मिला।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** हमें भी टैलीग्राम नहीं मिला। चौधरी देवी लाल और मैं हरियाणा भवन में इंतजार कर रहे थे कि हमें बुलाया जायेगा।

**चौधरी भजन लालः** हमने सबको टैलीग्राम दी थी। हम आपको रिकार्ड दिखा देंगे। हो सकता है कि इन्हें समय पर टैलीग्राम न मिला हो लेकिन इसमें हमारा कोई फाल्ट नहीं है। हमने सबको बुलाया था। मु कल तो यह है कि लीडरों का

परमानैन्ट एड्रैस भी नहीं होता है इसलिये टैलीग्राम कहां पहुंचेगी। कहीं फिर रहे होंगे। ( ाोर एवं विघ्न) मैं यह नहीं कहता कि नहीं फिरना चाहिए, फिरना चाहिए। हमने कई बार पंजाब व हरियाणा के मसले पर अपोजी ान के साथियों को बुलाया है और वे मीटिंग में भााामिल भी हुए हैं।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** मुझे आपने नहीं बुलाया।

**चौधरी भजन लालः** हमने लैजिसलेचर पार्टी के जो लीडर हैं उन्हें ही बुलाया था। मुझे पता नहीं था कि आप भी यहां हाउस में अपनी पार्टी के लीडर हैं। आइंदा आपको भी बुलायेंगे।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** लोहिया जी की पार्टी में उन्होंने लीडर आफ दि ग्रुप श्री मनीराम बागड़ी को बना रखा था।

**चौधरी भजन लालः** आइंदा आपका ख्याल रखेंगे। आपको भी बुलायेंगे। जहां तक सुरक्षा के प्रबंध करने की बात है। हमने कड़े प्रबंध किये हैं। कोई भी आदमी गुरूद्वारे में, मंदिर में आग लगाने की कोि ा ा करेगया या किसी के मकान या अन्य सम्पति को नुकसान पहुंचाने की कोि ा ा करेगा उसे देखते ही गोली मारने के आदे ा जारी हैं। कहीं पर गुरूद्वारे में कोई घुसने की बात नहीं है। मैं हरियाणा के सिखों को इस बात के लिए मुबारिकवाद देता हूं। उन्हौंने कहा है कि जहां कहीं भी गुरूद्वारों के बारे में यह भाक हो कि यहां उग्रवादी घुसे हैं वहां तला ाी ली जाये। वैसे भड़काने के लिये लोग कह देते हैं। हिसार में कहा

गया कि पंजाब के अकाली भास्त्र लेकर पंजाब से भेजे गये हैं । वहां पर सारी सिख सभा ने इकट्ठे होकर कहा कि गुरूद्वारा को देखें अगर कोई यहां घुसा हो। हरियाणा के सिख कहते हैं कि जब जी चाहें, चैक कर सकते हो।

**श्री हीरा नन्द आर्यः** रमुयर तो हैं कि घुस जाते हैं।

**चौधरी भजन लालः** ऐसी रयुमर तो होती ही है। स्टेट में वातावरण बिगाड़ने के लिए लोग करते हैं। वीरेन्द्र सिंह जी ने यह भी कहा कि दिल्ली में जो टाक हुई उसमें हरियाणा के लोगों को भाामिल नहीं किया गया यानिी आपको भाामिल नहीं किया गया। भाामिल करने की बात तो तब होती जब कोई बात फैसले के नजदीक लगती। अभी तो बात भाुरू नहीं हुई थी कि मामला ही खत्म हो गया। अगर फैसले के नजदीक बात लगती तो जरूर भाामिल करते और हमसे पूछते यह मंजूर है या नहीं। दूसरे अब भी कोई बात होगी और भारत सरकार इस मामले को निपटाने के नजदीक पहुंचेगी तो सब से पहले अपोजी ान को वि वास में लूंगा और सब की सहमति से बात मानूंगा।

**प्रो0 सम्पत सिंहः** स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने अपने बयान में बताया है कि हरियाणा में ला एण्ड आड्डर की हालत बाकायदा संतुश्टिपूर्ण है। इस बात का सबूत तो इस सै ान से ही लगता है। आज के दिन सै ान चला रहा है और वह भी बजट सै ान चल रहा हो और चण्डीगढ़ के अंदर हरियाणा का

कोई भी आदमी दिखायी नहीं दे रहा। उनके मन में भय है, लोग दिमाग में भय बने होने के कारण से यहां चण्डीगढ़ नहीं आ रहे हैं। आज हरियाणा की ला एण्ड आड्डर की हालत संतोशजनक नहीं है। स्पीकर साहब, उस बहादुर सिपाही श्री रणधीर सिंह जिसने माननीय उपाध्यक्ष महोदय की और महिला सदस्या श्रीमती भाान्ति देवी की रक्षा की है, उसके लिए सरकार ने क्या कोई प्रमो ान या कै ा इनाम देने पर विचार किया है ?

दूसरी बात यह है कि कई दिनों से अखबारों में रोजाना आता है कि एक्सट्रीमिस्टस का एक दस आदमियों का जत्था हरियाणा में आया हुआ है। क्या सरकार कोई व्हाईट पेपर जारी करेगी ?

**चौधरी भजन लालः** जहां तक इस जत्थे के आने का संबंध है। इस बारे में अखबार में भी आया है और पढ़ी लिखी बात भी है और कुछ रिपोर्टस भी आयी हैं कि उग्रवादी आये हैं। हमारी पुलिस चौकस है। कुछ लोग राउन्ड अप किये गये हैं। यहां हाउस में सारी बातें बताना जनहित में भी नहीं है। जहां तक ला एण्ड आर्डर की बात है केवल एक घटना को छोड़ कर जितना अमन हरियाणा प्रांत में है, इतना अमन किसी भी प्रांत में नहीं।

अध्यक्ष महोदय, श्री रणधीर सिंह जी को दो हजार रूपये इनाम के तौर पर और बहादुरी का सर्टिफिकेट भी दिया है।

मैंनें डी0आई0जी0 साहब को यह भी कहा है कि अगर उसकी कुछ परमो ान हो सके तो जरूर करनी चाहिए।

**श्री भागी रामः** स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि कालांवाली के पास जो रेलवे लाईन पर बम फटा है और रेलवे लाईन को उड़ा दिया गया था, क्या उन लोगों का कुछ पता चला है कि वे कौन लोग थे और कहां से आये थे ?

**चौधरी भजन लालः** जैसा कि मैंने पढ़ कर बताया है कि वे लोग भटिण्डा से चलकर आये थेक। रामा मण्डी स्टे ान का आउटर सिगनल भी हरियाणा में पड़ता है और कनकवाली गांव एक किलोमीटर हरियाणा में हैं वहां पर यह घटना घटी है। केवल आधा घंटे के अंदर हमारी पुलिस पहुंच गई। उसी समय सारी ट्रैफिक रोक दी गई वरना बहुत नुकसान होता। दूसरी वहां से कई ट्रेनें भी गुजरती हैं। आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि कितना बडा हादसा हो जाता। फौरन कार्यवाही की गई। हरियाणा पुलिस के कुत्ते और पंजाब पुलिस के कुत्ते गुरूद्वारे में जाकर खड़े हो गये। (विघ्न) पुलिस के कुत्ते इस बात के लिए रखे हुए हैं। (विघ्न) आपका मतलब कुछ और है। वह मतलब मेरा नहीं है। पुलिस के पास एक कुत्तचा स्क्वैड होती हैं जो सूंघ करके बताती है कि मुलजिम कहां पहुंचा है। वह मुलजिम ग्याना गुरूद्वारे में पहुंचे हैं। हमारी इस बात की पूरी कोि ा ा है कि हम उन मुलजिमों को पकड लें।

**श्री राम बिला ा भार्मा:** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने इस प्रस्ताव का जवाब देते हुए यह कहा है कि हरियाणा में स्थिति सामान्य है और यहां पर कोई आतंक नहीं है। यह तो इस बात से गलत साबित होती है कि हरियाणाा के एक हजार वकील 9 तारीख को ..... (व्यवधान व भाोर)

**श्री अध्यक्ष:** आप भाशण न करिये, सवाल पूछिये।

**श्री राम बिलास भार्मा:** एक बात यह है कि जगदी ा ड्राइवर मारा गया है जिसके छोटे छोटे बच्चे हैं। क्या उस गरीब ड्राइवर की तरफ भी मुख्य मंत्री जी कुछ ध्यान देंगे ? इसके अलावा मैं एक बात और बारत जानना चाहता हूं कि हमारे एक आनरेबल मैम्बर श्री रो ान लाल तिवाड़ी, जो इस सदन के सदस्य हैं, के घर में जो आग लगी थी, और जो घटनाएं पानीपत, कैथल और जींद में हुई हैं, यह किस सिलसिले में हुई हैं। क्यों हुई हैं, क्या इस बारे में कोई जुडीि ायल इंक्वायरी करवाने के आदे ा देंगे, वि ोशकर जींद और कैथल की घटनाओं की, ताकि सारी बातों का पता चल सके ?

**चौधरी भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कैथल में बड़ी ही दुखदायी बात हुई है। मैंने खुद जाकर तिवाड़ी जी का घर देखा है। मैं मौके पर भी गया हूं। इसके लिये हम इन्कवायरी कर रहे हैं कि किसने यह गड़बड़ की है। जो भी दोशी पाया जायेगा, हम उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही भी करेंगे।

दूसरी बात इन्हौंने प्रदे ा में आतंक के वातावरण के बारे में कही कि यहां पर आतंक बना हुआ हैं यह बात ठीक है कि प्रदे ा में 4–5 दिन तक आतंक का वातावरण रहा है। वह पंजाब में जो कुछ हुआ था, उसकी प्रतिक्रिया में यहां पर हुआ है। मैं तो सबसे यह कहना चाहता हूं जैसा मैंने कल भी कहा था अब फिर यह कहता हूं कि हमें यहां का वातावरण ठीक रखना है, जो वहां के उग्रवादी लोग हैं, जो मुट्ठी भर लोग हैं, वे यह चाहते हैं। दे ा में बदअमनी फैले और हमारे इस प्रदे ा का वातावरण भी खराब हो। हमें अपने प्रदे ा का वातावरण ठीक रखने के लिए आपका भी सहयोग चाहिये। हमें प्रदे ा का वातावरण ठीक रखने के लिये आपके कोआप्र ान की भी आव यकता है। इसके साथ ही ड्राइवर के बार में उन्होंने कहा कि ड्राइवर की तरफ भी कुछ ध्यान देना चाहिए। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि हमने ड्राइवर के घर वालों को 10000 रूपये फौरी तौर पर दिये हैं। यह रूपये हमने उसी वक्त दिये हैं और भी उनकी सहायता करने के लिये मैंने कहा है। इसके अलावा मैंने यह भी किा है कि उनकी मिसीज को या उनके भाई को या उनके लड़के/लड़की को या जो भी उनका रि तेदार वे लगाना चाहें, उसको फौरन सर्विस भी दे दी जाये। इसके अलावा एक और बात हमने की है। जब तक उसी सर्विस बाकी है तब तक उसकी तनख्वाह भी उनको मिलती रहेगी। इसके अलावा हमने यह भी फैसला किया है कि इस किस्म की वारदात में चाहे कोई पुलिस का या दूसरा कर्मचारी मारा जायेगा, उसकी जितनी सर्विस बाकी है, उसकी उसको तनख्वाह मिलती रहेगी और

उसका एक लड़का या लड़की या उसकी घरवाली को सर्विस भी सरकार देगी।

**श्री फतेह चन्द विजः** मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि यह जो कुछ लोगौं को इन्टैरोगेट किया गया है, कुछ लोग तो जमानत पर छोड़ दिये गये हैं कुछ कोर्ट के आर्डर पर छोड़ दिये गये हैं। यह आपके अपने प्रदे ा के हैं या बाहर से आये हुए हैं या बाहर से ही ट्रेनिंग लेकर आये हुए हैं। क्या इस किस्म की कोई इत्तलाह आप के पास है ?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, हमने काफी आदमी पकड़े हैं। अगर डिटेल में बताऊंगा तो तफती ा में रूकावट आयेगी और बताना मुनासिब भी नहीं होगा। जब सारी पोजी ान साफ हो जायेगी तो सदन में सारी बातें हम आपके सामने बता देंगे।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, लोंगोवाल के विरूद्ध जो दे ाद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है। उसके बारे में उन्होंनें यह कहा है कि उनकी सेहत पर इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता है। क्या इस बात के मद्देनजर आपने हाई कमांड से बात की है या करेंगे ?

**चौधरी भजन लालः** यह मामला हरियाणा सरकार से कोई संबंध नहीं रखता है। इस बारे में भारत सरकार जाने। हमारा इससे कोई सरोकार नहीं है।

## वर्श 1984–85 के बजट पर सामान्य चर्चा

**श्री अध्यक्षः** अब वर्श 1984–85 के बजट पर जनरल डिस्क ान भुरू होगी।

**श्रीमती चन्द्रावती (बाढड़ा):** जनाब यह जो बजट वित्त मंत्री जी ने हाउस में पे ा किया है, इसमें बजट एट ए ग्लांए में 139988 के जो आकंड़े दिये गये हैं, यह सब निरर्थक हैं। इसमें निरर्थक तुलना पिछले सालों की फिगर्ज से की गयी है। हमारी पर कैपिटा इंकम बढ़ी है। और हमारी प्रोडक्टिविटी में भी तरक्की हुई है। हमारे सामने जो बजट है। उसमें 46.83 करोड रूपये का घाटा है। उसको पढ़ने से और उसको देखने से ऐसी कोई बात नजन नहीं आयी जिससे कि प्रगति का पता चल सके। इसमें यह लिखा हुआ है कि होल सेल प्राईस सम्पूर्ण भारत में 11 डैसीमल कुछ बढ़ी है जब कि हमारे यहां इसकी तुलना में कम बढी है। लेकिन जो रिकार्ड है और अखबारों के एडीटोरिअलज हैं उन सब के हिसाब से तो 200 और 400 फीसदी तक नै ानल प्राईस बढ़ी है लेकिन अगर प्राईम मिनिस्टर बात करती है तो वह यह कहती है कि यह गलोबल फिनोमीना है। हमारी सरकार के लोग यह कहते हैं कि यह तो नै ानल चीज है। हमने तो यह देखना है कि हमारे प्रांत में किस चीज में बढ़ौतरी हुई है, किस चीज में नहीं हुई है। आज भी मैं यह समझती हूं कि अगर एक फीसदी लोगों को

निकाल दिया जाये तो हमारे लोगों की परकैपिटा इन्कम बिल्कुल भी नहीं बढ़ी है। इसी तरह से अनएम्पलाएमैंट की बात मैं करती हूं। मेरी पार्टी के ही श्री बलवीर सिंह ग्रेवाल का सवाल था। उस सवाल के जवाब में यह बताया गया है कि हमारे यहां 50000 बेरोजगाचरों की तादाद बढ़ी हैं, इसमें बी0ए0 हैं, एम0 ए0 हैं और कुछ दूसरे लोग भी हैं। मेरी यह बात समझ में नहीं आती कि फिर यह कैसे कहते हैं कि हमारी पर कैपिटा इंकम बढ़ी है। जब हम एग्रीकल्चरल प्राईसिज की बात करते हैं। उस बारे में बजट स्पीच के पृश्ठ 6 और 7 पर दो पन्नों पर दिया हुआ है। इन दो पन्नों 6 और 7 में यह दिया हुआ है कि हम बाढ की वजह से और नैचुरल कलैमिटीज की वजह से कुछ ज्यादा खर्च कर पाये हैं (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासनी हुए) इसी बात को इन्होंने दो जगह लिख दिया है। आपने यह नहीं देखा कि पिछले साल जब किसान बाढ़ में डूबा हुआ था, तो उसकी सरसों साढ़े तीन सौ रूपये क्विंटल बिकी लेकिन पिछले महीने ही मुझे पता चला है। इस वक्त का मुझे पता नही ंहै कि साढे नौ सौ रूपये क्विंटल तक बिकी है। इससे किसान को क्या फायदा हुआ है। इससे मिडल मैन को फायदा हुआ है। अगर इस वजह से आम आदमी प्रभावित होता है तो यह मैं नहीं समझ सकती कि इस बात को कैसे बजट में ठीक ढंग से कोट किया गया है या नहीं किया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनका यह जो दो तरह का बजट है प्लान और नान प्लान इसका कम्पैरीजन करके में आपको बताऊंगी कि एस्टैबलि ामैंट पर आपका खर्च पहले की अपेक्षा 37 से 39 प्रति ात तक ज्यादा

हो जाता है। इस खर्च में हरियाणा में जो बोर्ड और पब्लिक सैक्टर अंडरटेर्किंज का खर्चा है, वह भाामिल नहीं है। हरियाणा के अंदर सरकारी मिलें लगी हुई हैं, उनका खर्चा भी इसके अंदर भाामिल नहीं है। इतना ज्यादा एस्टेबलि ामैंट पर खर्च होने के बाद आप मुझे बतायें कि क्या यह प्लान बजट है। मैं इस बजट में आपको बताना चाहूंगी कि कितनी फिजूल चीजों पर खर्च किया जा रहा है। लखनऊ में एक एम्पोरियम है। रैस्ट हाउसिज हैं। चण्डीगढ़ में भी बहुत से रैस्ट हाउसिज हैं, पंचकूला में भी बहुत से रैस्ट हाउसिज हैं। हरियाणा भवन के बारे में अगर मैं यह कहूं कि मैं यह समझती हूं कि उसका खर्च तो पता नहीं किस मद में डलते हैं, तो ठीक होगा। उसे तो एक सफेद हाथी के तौर पर बांधा हुआ है। इसी बजट के अंदर सड़कों का भी जिक्र किया गया है। इसमें यह कहा गया है कि हम इस साल 200 किलोमीटर सड़कें बनायेंगे। इसके लिये ये 12 करोड़ रूपया खर्च करने जा रहे हैं मैं इस बार में यह बताना चाहती हूं कि 12 करोड रूपये में ही मुरम्मत भी होगी और नयी सड़कें भी बनेंगी। केवल 200 किलोमीटर सड़कें बनाने से क्या होगा। 90 कांस्टीच्यूएंसीज हैं। 90 के हिसाब से अगर एवरेज लगायें तो सवा दो किलोमीटर का हिस्सा एक कांस्टीच्यूएंसी का आता है। क्या यह डिवैल्पमैंट की बात है। कम से कम अगर 1500 किलोमीटर सड़क का आयोजन करते तो एक हल्के में कम से कम पन्द्र या सौलह किलोमीटर सड़क तो हिस्से में आ जाती। डिप्टी स्पीकर साहब, पहले की जो सडकें राज्य में हैं, वे टूट फूट गई हैं और कई जगह तो इतनी

टूट गई हैं कि दो दो फुट के गड्ढे हो गए हैं। उनके लिए इस बजट में कहीं कुछ आयोजन नहीं किया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, इंफरमे ान और पब्लिसिटी के लिए तीस करोड़ रूपया रखा है। टी0वी0 के लिये और उसके पार्टस के लिए इन्होंने तीस करोड़ रूपया रखा हे। लेकिन आप दें खे कि जनरल और टैक्नीकल ि ाक्षा के लिए दोनों को मिला कर पब्लिसिटी के बराबर भी खर्चा नहीं रखा है। इन दोनों ि ाक्षाओं पर पब्लिसिटी के मुकाबले में कोई खर्च नहीं किया जाएगा। हां, एक चीज का पर्टिकुलरली जिक्र किया गया है। आर्ट एण्ड कल्चर के हैडिंग में लिखा है कि आदमपुर में एक पोलीटैक्नीक वगैरह स्कूल खोलेंगे। अच्छी बात है कि आदमपुर में स्कूल खोल रहे हैं लेकिन दादरी में क्यों न खोलें, महेन्द्रगढ़ में क्यों न खोलें, लोहारू में क्यों ने खोलें ? (विघ्न व भाोर)

**वित्त मंत्री (चौधरी कटार सिंह छोकर):** बहन जी, आपने जो फिगर्ज तीस करोड पढ़ी है, वह तीस लाख हैं, तीस करोड़ नहीं है।

**श्रीमती चन्द्रावती:** ि ाक्षा का भी आप बता दीजिए।

**चौधरी कटार सिंह छोकर:** आपको सारे कागज दिए हुए हैं। आप उन कागजों को पढ़ लें।

**श्रीमती चन्द्रावती:** आप एक बात बता दीजिए कि ि ाक्षा के लिए कितना रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, न्यू ऐक्सपैंडीचर फार

दि ईयर 1984–85 के पेज 107–109 तक इरीगे ान की एस्टेबलि ामैंट के लिए जो खर्चा दिखाया है। इसमें लिखा है –

"(XIV-6)

Continuation of the temporary posts of Chief Engineeres for the year 1984-85 – Rs. 209050 (non recurring)

(XIV-7)

Continuation of the temporary posts in Hathnikund Barrage Circle with its allied divisions during the year 1984-85 – Rs. 4376402 (non recurring)

(XIV-8)

Continuation of the temporary posts of Bhiwani Telegraph office, Bhiwani of W.J.C. West Circle, Rohtak, during the year 1984-85 – Rs. 17828 (non recurring)"

चार पांच पन्ने सिर्फ एस्टेबलि ामैंट की तनखाहें देने के लिए भरे पड़े हैं। इसमें कहीं जिक्र नहीं है कि हथनी बैराज बनाने पर इतना खर्चा करेंगे, नाथपा झाखड़ी के लिये इतना पैसा लगाएंगे और ताजेवाल बैराज पर इतना पैसा लगाएंगे। छोटे छोटे जोहड़ जैसे गुड़गांव में और दूसरी जगहों पर हैं, उनके लिए कोई प्रोवीजन नहीं किया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने इतना लाइफलैस और भाब्दों की जगलरी वाला बजट आत तक न पढ़ा है और न कभी हाउस में देखा है। इसमें किसी बात का जिक्र नहीं है। मैंने पिछली बार गांवों के बार में नौन औफि ायल बिल दिया था। गांव की तरक्की के लिए, गावं की सड़कों के लिए बांव में

सैनीटे ान के लिए और गांव में पीने का पानी मुहैया करने के लिए प्लान बनाने के लिए वह बिल मैंने दिया था। गांव की तरक्की के लिए, गांव की सड़कों के लिए गांव में सैनिटे ान के लिए और गांव में पीने का पानी मुहैया करने के लिए प्लान बनाने के लिए वह बिल मैंने दिया था। अंग्रेजों के वक्त गांव के अंदर लाल डोरा में जो जोहड़ थे, वे अब खड्डे बन गए हैं। उनमें फलड का पानी भर गया। पिछले साल सैस तो लगा दिया था लेकिन बजट में एक भाब्द भी नहीं कहा गया है कि गांवों में सैनिटे ान के लिये कुछ काम किया गया है। गांव की सड़कों के लिये, गलियों के लिये या गांव की बहन बेटियों के टट्टी जाने के लिए किसी तरह का आयोजन नहीं रखा गया है कि उनके लिए वहां पर पाखाने बनाए जाएंगे। मिलिटरी की तरह के सस्त पाखाने गांव में बनाये जाएंगे इस बात का भी इस बजट में कहीं कोई जिक्र नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने जो बिल भेजा था उसको स्पीकर साहब ने यह कहकर लौटा दिया कि यह बिल तो पास हो चुका है। पिछली बार एक एक्ट पास हुआ था .....

**Mr. Deputy Speaker:** Speaker does not come into the picture while discussing the Budget.

**श्रीमती चन्द्रावती:** उपाध्यक्ष महोदय, मैंने गांव की डिवैल्पमैंट के बारे में एक योजना बनाने के बार में एक बिल भेजा था, वह उन्हौंने लौटा दिया। यह कहने में स्पीकर साहब की डिसरिस्पैक्ट की कोई बात नहीं है। सारा का सारा बजट तनखाहों

में जाने वाला है। गांव की बात मैं इसलिये कहना चाहती हूं कि हम सब गांव के रहने वाले हैं। भाहरों में हम स्कूल की बिल्डिंग बनाकर देते हैं लेकिन गांव में स्कूल की बिल्डिंग नहीं बनाई जाती। पंचकूला अभी पूरी तरह आबाद नहीं हुआ लेकिन वहां पर कालिज बन गया है। गांवों में बाढ़ के कारण जो बिल्डिंग खराब हो गई हैं, उनकी मरम्मत के लिये उनको ठीक करने के लिये क्या इन्हौंने एक पैसा भी बजट में रखा है ? डिप्टी स्पीकर साहब, बजट में किसी तरह का कोई पैसा नहीं रखा गया है। पब्लिक हैल्थ के लिए बहुत कम पैसा रखा गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा में ज्यादाताचर इलाकों में ब्रैकि ा वाटर है, खारा पानी है। भाहरों में पानी भी आता है लेकिन उस पानी का आबियाना गांव के लोग देते हैं। जो पानी भाहर के लोगों को दिया जाता है, क्या कभी गांव के लोगों ने यह ि ाकायत की है कि उनकी सिंचाई का पानी भाहर के लोगों को दिया जाता है। उसके बदले में उनको और पानी मिलना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, इससे ज्यादा लाइफलैस बजट और क्या हो सकता है। इसमें कहीं 1970 से किसी बात का जिक्र कर दिया, कहीं 1981 से जिक्र कर दिया। 1981–82 की जो औडिटर जनरल की रिपोर्ट है, उसको तो ले लिया है लेकिन उसके बाद की रिपोर्ट नहीं भेजी जिससे कि हमें पता लग सके कि कितने पैसे का गबन हुआ है। इतना ही यह कह देते कि आइंदा पैसे का गबन नहीं होगा। हमने सुना है कि वाटर वर्क्स के लिए करोड़ों रूपये के पाइप्स मंगवा कर रखे हुए हैं। हमारे भिवानी जिले में पानी ले जोने के लिए सीमेंट के पाइप्स

इस्तेमाल किए जा रहे हैं। वे पाइप्स बहुत ही खराब और रद्दी हैं। क्या कभी किसी ने यह जानने का प्ररूतन किया है कि जिस तहर के सीमेंट के पाइप्स इस्तेमाल किए जा रहे हैं। ये ठीक भी है या नहीं है। अगर हम कोई बात कहते हैं तो मिनिस्टर साहब कह देत `हैं कि आने लिखा पढ़ी क्यों नहीं की। मेरा कहना तो यह है कि आप सारा राज्य चलाते हैं। तनख्वाह लेते हैं तो सुओ मोटो भी आपको कोई काम करना चाहिए। ( ाोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट में 46 करोड़ रूपए का घाटा सरकार ने दिखाया है लेकिन उन्हौंने कहीं यह नहीं बताया कि इस घाटे को किस तरह से पूरा किया जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, कहीं इस बात के बारे में जिक्र नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अभी गांवों का जिक्र कर रही थी उसको तो बिल्कुल बजट के पन्नों से उड़ा दिया है। इस बजट में कहा गया है कि जब से यह सरकार आई है तब से इस प्रदे ा की चहुमुखी तरक्की हुई है। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि इंडस्ट्री के लिए कितना पैसा रखा गया है। डी0आई0सी0 स्कीम के अंदर गांवों में इंडस्ट्रीज सैट अप की जाती हैं जिसके लिये गवर्नमैंट आफ इंडिया मदद देती हैं, उसका पैसा कम करके जो बड़े लोग हैं और जिनके लिए फाइनैंि ायल कार्पोरे ान बनी हुई है, उसको दिया गया है। यह कार्पोरे ान नेपोटिज्म और फवेरिटिज्म का अड्डा है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट में आपको कहीं भी इस सरकार की तरफ से कोई ऐसा उपाय नहीं दिखायी देगा जो कि एक जन साधारण को या गांवों के लोगों को राहत देने वाला हो। जो लोग अपना धंधा स्वयं

करना चाहते हैं। ऐसे लोगों को इस सरकार की तरफ से किसी भी किस्म की कोई राहत नहीं दी गयी है और न ही पढ़े लिखे बच्चों को इस बात का आ वासन दिया गया है कि हम आपको इम्पलायमैंट मुहैया करेंगे लेकिन नान प्रोडक्टिव इम्पलायमैंट जरूर दी है। अगर एक क्लर्क लगाएंगे तो 10 क्लर्क अपने रि तेदारो में से ही भर्ती कर लेंगे। अगर इनके रि तेदार यहां पर नहीं मिलेंगे तो यू0पी0, पंजाब और दिल्ली वगैरह से भी इकट्ठे करके लगा देंगे लेकिन हरियाणा के जो वासी हैं, उनको इम्पलायमैंट नहीं मिलेगी। मैं पीछे लखनऊ इम्पोरियम में गयी, वहां पर मैंने देखा कि कुल 64 आदमी वहां पर काम कर रहे हैं और हरियाणा से केवल 13–14 आदमी ही थी। बाकी सब दूसरी जगहों से ही थे। इसी तरह से चण्डीगढ़ में दो इम्पोरियम हैं, वे भी घाटे में जा रहे हैं और वहां पर एक भी चीज हरियाणा की बनी हुई दिखाई नहीं देती है। ऐसी बातों पर तो हमारी सरकार यूं ही फिजूल का खर्च कर रही है। तभी तो सरकार को हर क्षेत्र में घाटा ही घाटा हो रहा है। यूं ही इन पर इतना पैसा खर्च कर दिया, जिसका कोई आधार ही नहीं है। ऐसे फिजूल खर्ची होने वाली संस्थाओं को हटाया भी जा सकता है।

इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहब, फलड के बारे में भी जिक्र आया है लेकिन फल्ड पर कंट्रोल के लिये बहुत कम पैसे का प्रोवीजन किया गया है। जितना भाायद इस काम के लिये पैसा रख गया है, उससे तो रोहतक का नाला नम्बर 8 की भी सफाई

वगैरह का काम न हो सकेगा तो ये इतने पैसे से सारे हरियाणा के फलड पर कंट्रोल करना चाहते हैं। फलड के कारण से लोगों को बहुत दुख एवं मिजरीज उठानी पड़ती हैं और वह सिर्फ इस सरकार के कारण से ही ऐसा हो रहा है। अगर सरकार इस तरफ अपनी खास तवज्जोह रखे तो लोगो को हर साल इस मुसीबत का सामना न करना पड़े। उस नाला नम्बर आठ पर क्या हो रहा है कहीं छटाई नहीं की गयी, कहीं एक किलोमीटर पर थोड़ा सा काम कर दिया, कहीं पर नाम मात्र छोटी मोटी छंटाई कर दी, कहीं तीन किलोमीटर पर काम वैसे ही बंद पड़ा हुआ है लेकिन आज जिस तरह से हम लोग चाहते हैं। कि इस फलड के कार्य को जिस ऐमरजैंसी के साथ होना चाहिये वह नहीं हो पा रहा है। इस तरह से इस डिमांड में किसी भी प्रकार का कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, दूसरी तरफ हमारे एडमिनिस्ट्रे ान के जो लोग बैठे हैं, भाायद उनको यह बात बुरी लगे कि अब उनको आल इंडिया लैवल पर घूमने के लिये भी आर्थिक सहायता दी गयी हैं। इस तरह का काम यह हरियाणा सरकार करने जा रही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय की तो राज्य के कामकाज में कोई रूचि है नहीं क्योंकि वे तो हर समय दिल्ली में ही बैठे रहते हैं और पीछे से उनका राजकाज सचिवालय में बैठने वाले अधिकारीगण ही कर रहे हैं। ( ाोर) इधर हमारे वित्त मंत्री महोदय भी बैठे हैं जिन्होंने यह बजट यहां पर पे ा किया

था, उनको फोटो वित्त सचिव सहित अखबार में भी आये हैं ..... ..... के फोटो भी अखबारों में मिनिस्टरों की भांति छपते हैं। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री उपाध्यक्षः** यह नाम रिकार्ड न किया जाए तथा नाम एक्सपंज कर दिया जाए।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** डिप्टी स्पीकर साहब, अगर वे विभागों से संबंधित हैं तो उनका नाम तो लेना ही पड़ेगा। अखबारों में आता रहता है कि आज वे फलां फलां जगह पर विजिट कर रहे हैं। यह काम तो पोलटीि ानों और मिनिस्टरों का है, अगर उन्हें इतना ही भाौक है तो वे पोलिटिक्स में आ जाएं, कभी हारें, कभी जीतें, तब उन्हें पता चलेगा ( ाोर एवं व्यवधान) एक ही तरह के लड्डू खाने से काम नहीं चलेगा।

इसेस आगे डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने नान असैंनि ायल प्लान पर 15 परसैंट का कट लगाया है और दूसरी तरफ वन मैन चेयरमैन, इलैक्ट्रोनिक्स का प्रिंसीपल सेक्रेटरी साहब को बना दिया गया है। यह तो एक टैक्नीकल संस्था है, टैक्नीकल चीज है। इसमें काम क्या हो रहा होगा। यूं ही इतनी सारपी भर्ती कर ली, लोग लगा लिये। इसी तरह से 20 सूत्री प्रोग्राम का बहाना बनाकर के अपने लोगों को भर्ती कर लिया है। क्या यह फिजूल खर्ची नहीं है ? मैं कल इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड की रिपोर्ट पढ़ रही थी, उसमें मैंने देखा कि कोई परसोनल आफिसर है, कोई

कैमिस्ट है, कोई चीफ पब्लिसिटी आफिसर है। इस तरह से इतना ज्यादा नान टैक्नीकल स्टाफ भर्ती कर रखा है, जिसकी हद ही नहीं है। आप ही बताएं डिप्टी स्पीकर साहब, फिर घाटा नहीं रहेगा तो और क्या होगा। एक लैक्टचरर भी है जो कि लैक्चर दिया करेगा कि तुम खराब तेल इस्तेमाल करो, कम कोयला इस्तेमाल करो, खराब कोयले का प्रयोग करो, वह इस तरह के काम देखा करेगा। क्या फायदा इस तरह की फौज भर्ती करने का जो कि कोई काम न करती हो। इसलिये सरकार को इस तरह से बचत करनी चाहिए।

**श्री उपाध्यक्षः** बहन जी, आप कृपया वाइंड आप करिये। अभी और बहुत से आपकी पार्टी के मैम्बर साहेबान बोलने वाले हैं। मेरे पास बहुत लम्बी चौड़ी लिस्ट है। आप कितना टाइम और लेंगी ?

**श्रीमती चन्द्रावतीः** अभी मुझे बोलते हुए काफी थोड़ा समय हुआ है मुझे कुछ समय और दें। ( ाोर)

**सेठ राम दास धमीजाः** डिप्टी स्पीकर साहब, जितने घंटे हैं, आप उसी हिसाब से ट्रैजरी और अपोजी ान में बांट दीजिये।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रही थी कि 15 परसैंट का जो कट लगाया है, वह बिल्कुल दिखावा मात्र ही है। जिस काम पर कट लगाने की आव यकता होती है, वहां पर तो कट लगायी नहीं जाती। मेरे एक सवाल का जवाब नहीं

दिया गया, उसको कंवर्ट कर दिया गया। नहीं तो उस समय मैं पूछती। मुख्य मंत्री महोदय कहते हैं कि टेलीफोन का बिल लाखों में होता है। अगर वे चण्डीगढ़ में ही हों तो यह खर्चा जो कि फिजूल को होता है, वह कम हो सकता है। इसी तरह से जो कारें वगैरह बाहर दिल्ली जाती हैं, उनके पैट्रोल का भी काफी खर्चा है। इन्होंने तो अपनी राजधानी दिल्ली को ही बना रखा है। मैं बताना चाहती हूं कि पहले जमानों में वजीर टैंटों में रहा करते थे। टैंटों में राजधानी होती थी लेकिन आज इस सरकार ने अपनी राजधानी चण्डीगढ़ की बजाये हरियाणा भवन दिल्ली में बना रखी है जिसके कारण से ये सारे फिजूल के खर्चे हो रहे हैं जो कि बिल्कुल निराधार हैं। ऐसे खर्चों को अगर सरकार चाहे तो कम किया जा सकता है जो लोग दूसरे इनके साथ जाते हैं, मिनिस्टरों के साथ जाते हैं, उनकी भी टी0ए0/डी0ए0 देना पड़ता है। कारों का खर्चा भी अलग से होता है इसके अलावा और भी कितने दूसरे इनके खर्चे हैं। मैं किस किस का यहां पर जिक्र करूं। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे नीरो बंसरी बजा रहा था और रोम जल रहा था। उसी तरह से उधर हरियाणा में हर लिहाज से हर क्षेत्र में जनता दुखी है, इधर से दूसरी तरफ अपनी ऐ ाो इ ारत बनाये इधर उधर घूमते रहते हैं और पब्लिक का खून पसीने का पैसा यूं ही बरबाद कर रहे हैं। इनको रोकने वाला कोई नहीं हैं।

इससे आगे सायल कंजरवे ान के बारे में भी मैं कहना चाहती हूं। मैं पहले जब ज्वायंट पंजाब में मैम्बर होती थी तो हम

क्या देखते थे कि सरकार का इस तरफ बड़ा ध्यान होता था और सरकार पूरी तरह से किसानों की हर लिहाज से मदद किया करती थी ताकि किसी किस्म की गरीब किसानों को और लोगों को दिक्कत का सामना न करना पड़े। ज्वायंट पंजाब के समय में ब्लाक्स में ट्रैक्टरों से सरकार जमीनों को ठीक करवाने का काम अपने हाथ में लेती थी ताकि गांव के लोगों को सरकार द्वारा सुख सुविधा मिल सके। जिन लोगों के पास अपनी जमीन को का त करने के लिए बैल वगैरह भी न होते थे, उनको भी सरकार इस तरह की सहूलियतें देती थी ताकि लोग अपनी का त आसानी से खुद कर सकें। जिनकी जमीन ऊंची नीची थी और उबड़ खाबड़ होती थी, उसको भी ठीक करवाने का सरकार का ही दायित्व होता था। लेकिन आज यहां पर क्या हो रहा है। किसी ट्रैक्टर का इंजन बेच दिया, किसी का कुछ बेच दिया और स्वयं पैसे खा गये। ये जो काम मैंने बताए हैं, इस वक्त हमारी सरकार किसानों के लिये कुछ नहीं कर रही है जिसके कारण से लोग बेहद दुखी हैं। न हो ऐसे कामों को करने के लिये सरकार ने कोई स्कीमें ही बनायी हैं कि जो जमीन कल्लर हो गयी है उसको कैसे ठीक करवाएंगे।

इसके बाद जंगलात की बात है। मैं यह बात हाउस के सामने जिम्मेदारी के साथ कहती हूं कि पोलिथीन बैगज के ऊपर बहुत बेदर्दी के साथ पैसा खर्च किया जा रहा है। बिना काम के ये बैगज खरीद के लाखों रूपया फिजूल खर्च किया जा रहा है। मैं

चाहती हूं कि इस बात की इंक्वायरी हो कि यह पैसा क्यों खराब किया जा रहा है। ईमानदार लोगों को तो किनारे लगा दिया जाता है और जिनको अधिकार नहीं मिलना चाहिए उनको अधिकार दे दिया जाना जाता है। थोड़े दिनों में कस्बों में गरीब लोगों की यह हालत हो जाएगी कि उनको रोटी बनाने के लिए, चूल्हा जलाने के लिए और सर्दी में घर में तापने के लिए लकड़ी नहीं मिलेगी। मिट्टी के तेल की तो पोजी ान आपको पता ही है कि कितना मिल रहा है। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि क्या कही आपने यह आयोजन रखा है कि जो लोअर मिडल क्लास के लोग हैं, उनके लिये ईंधन का क्या इंतजाम है ? क्या आपने इस बारे में कभी सोचा है या बजट में इसके लिये प्रोवीजन रखा है ? छोटे आदमियों के लिये कौन सोचे। बड़े लोगों के लिये तो गैस के चूल्हे हैं। इन्हीं के हिसाब से आपने कह दिया कि हमारी पर कैपिटा इंकम बढ़ गई। गरीब आदमियों को उनके साथ नहीं मिलाया। फिर आपने लिख दिया कि हमने 65 हजार एक्स सर्विस मैन को पैं ान देने का प्रोवीजन रखा है। पहले इनके लिए 24 परसैंट रिजर्वे ान थी अब उसे घटा कर 16 परसैंट कर दिया है। उनकी 16 परसैंट पूरी भर्ती नहीं होती। इस तरह से एक्स सर्विस मैन के साथ भेद भाव किया जा रहा है। आपको मालूम है कि हरियाणा में कोई भी तहसील ऐसी नहीं है जिसमें किसी न किसी घर में कोई एक्स सर्विस मैंन न हो। मेरा पूरा जिला फौजी कहलाता है। अगर हम फौज में न होते फिर इनकी पर कैपिटा इंकम देखते क्या होती। इस सरकार ने लोगों को कर्जों से लाद

दिया है। कुरूक्षेत्र और अम्बाला जिलों में इस वजह से किसानों की फसल नीलाम हो जाती है। हमने कई बार कहा कि किसानों को राहत दो लेकिन क्या इस बजट में वित्त मंत्री ने किसानों को कहीं राहत दी है ? इन्होंने गेहूं की कीमत बढ़ाई है। वह भी एक फीसदी से कम बढाई है। दूसरी तरफ आप खाद की कीमत देखें कि कितनी बढी है। खाद की कीमत डेढ गुना बढी है और फिर भी अच्छी खाद नहीं मिलती। मुख्य मंत्री जी मेरे को कह रहे थे कि आप इस बारे में लिख कर दें। मैंने लिख कर दिया हुआ है कि कुछ कारखानों में सब स्टैंडर्ड खाद बनती है। जो कि गांव के जमींदारों को सप्लाई को जाती है। मेरे तो यहां तक याद है कि उस चिट्ठी का मुझे अभी तक जवाब भी नहीं दिया गया है। मैंने बाकायदा तथ्यों के साथ चिट्ठी लिखी थी। इसके बाद मैं मलेरिया पर आती हूं। मलेरिया की रोकथाम के लिए इन्होंने बहुत ही कम पैसा रखा है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी गांव के रहने वाले हैं और हम में से भी ज्यादातर सदस्य गांवों के ही रहने वाले हैं। आपको पता है गांवों में यह बीमारी कैसे फैलती है। एक मलेरिया तो इस किस्म का है कि उससे तीन दिन में आदमी मर जाता है। मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि इसकी रोकथाम के लिए कोई इंताजम नहीं है। आज दवाईयों में भी एडलट्रे ान हो रही है। किसी दवाई से आदमी तो चाहे मर जाए लेकिन उससे मच्छर नहीं मरता। आपके जो हस्पताल हैं, उनमें पटटी तक नहीं मिलती। पर्ची काट कर दे देते हैं कि लो जाओ बाजार से ले लो। मैंने देखा है कि इन्होंने प्राइमरी हैल्थ सैंटरों के लिये भी कोई ध्यान

नहीं दिया है। यह इसलिये नहीं किया क्योंकि इन पर खर्चा ज्यादा आता है। अगर ये नये हैल्थ सैंटर खोलेंगे तो वहां पर दवाईयां भी भेजनी पड़ेगी। इन्होंने नये नये नाम रख कर सब डिस्पैंसरिया भाुरू कर दी हैं लेकिन वित्त मंत्री जी ने इसके लिये बजट में कुछ भी नहीं रखा है। (घंटी) आपने नये हस्पतालों में डाक्टर लगाने के लिये क्या किया है और मैडीकल कालेज में नये इक्विपमैंट देने के लिए कितने बजट का प्रावधान किया है ? इसमें एक नई ब्रांच खोलने के लिए गवर्नमैंट आफ इंडिया से पैसा आना था उसका क्या हुआ ?

इसके बाद मैं डेरी डिवैल्पमैंट पर आती हूं। आप हमारे रोहतक के मिलक प्लांट को लें। वहां पर जितना दूध प्रोसैस हो सकता है उसका दसवां हिस्साच भी वहां नहीं आता। वह इस वजह से नहीं आता कि किसानों को उनके दूध की पेमैंट नहीं होती। सरकार के पास और लोगों को तो देने के लिए पैसा है लेकिन किसान के दूध के लिए पैसा नहीं है। गुजरात में अमूल इसलिये चल रहा है कि वहां के किसान के पास अगर दो किलो दूध है तो वह उसे भी लेकर आ जाता है। हमारे यहां एस्टेब्लि ामैंट के खर्चे के अलावा और कोई खर्चा नहीं है। इनको हमारी यह बात बुरी लगती है कि यहां पर क्रप ान है। मैं कल क्रप ान की बात कर रही थी तो एक एम0एल0ए0 मुझे कहने लगा कि आपने भी पार्टी का पैसा इकट्ठा किया है। मैंने कोई पैसा इकट्ठा नहीं किया। .....

**श्री उपाध्यक्षः** अंधे वाली बात रिकार्ड में नहीं आएगी।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** डिप्टी स्पीकर साहब, जो लोग खदु क्रप ान करते हैं उनको सारे ही क्रपट नजर आते है।। सरकार ने 31 मार्च तक कुल ऋणच 730 करोड 66 लाख रूपये देना है। मुझे समझ नहीं आती कि ये इस पैसे का ब्याज देंगे या प्लान पर खर्च करेंगे। इतना ब्याज देकर दूसरों कामों पर खर्च करने के लिये इनके पास पैसा कहां से आएगा। मैं इतनी बात कहना चाहती हूं कि प्लान के लिए चाहे इरीगे ज्ञन का महकमा है या सडकों का है या ट्रांसपोट्र का है, ज्यादा पैसा चाहिए। आप ट्रांसपोर्ट का ही देखें। लोगों को बसों में कितना र ा रहता है। गर्मियौं में तो लोग सामान की तरह पैक हो जाते हैं। इस चीज को देखते हुए इनको पअना फलीट बढाना चाहिए लेकिन बजट में तनखाहों का पैसा है। इसमें नान प्लान के लिए पैसा जरूर है लेकिन ऐसी बात कोई नहीं है कि हरियाणा की डिवैल्पमैंट के लिये कोई काम किया जाएगा। इन भाब्दों के साथ मैं इस बजट का विरोध करती हूं।

12.00 बजे।

**चौधरी नर सिंह ढांडा (पाई):** डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मंत्री ने जो 1984–85 का बजट पे ा किया है यह लाइफलैस बजट है। इसलिये मैं इसका विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हू। इस बजट के अंदर वही खर्चा दिखा गया है जो पिछले बजट में

सारे हरियाणा का खर्चा दिखाया गया था। पिछले बजट के अनुसार इस सरकार ने आगे आने वाले साल के लिए यह बताया है कि हम इतना खर्चा कना चाहते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने पिछले एक साल में कोई नहीं नई योजना तैयार नहीं की। इन्होंनें जो बजट पे ा किया है वह यह बताता है कि हरियाणा सरकार विकास के कार्यों को करने में असमर्थ है। इस बजट में इस सरकार ने 70 करोड रूपया सिंचाई की सुविधाओं पर खर्च करन के लिये रखा है और 3.63 लाख हैक्टेयर जमीन की सिंचाई करने की योजना बनाई है। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार जिस तरीके से सिंचाई पर पैसा खर्च कर रही है उसे साफ जाहिर है कि इस सरकार की सिंचाई की सुविधाओं पर पैसा खर्च करने की नीयत और नीति में काफी फर्क हैं। हरियाणा सरकार यह बिल्कुल नहीं सोचती कि जितने अपोजी ान मैम्बर्ज के हलके हैं, उनमें भी कोई विकास के काम किये जाएं। अपोजी ान के मैम्बर्ज के हल्कों में विकास के कार्य बिल्कुल भी नहीं किए जाते हैं। यदि अपोजी ान के मैम्बर्ज अपने हल्कों में काम कराने के लिये किसी सरकार अफसर या कर्मचारी से कहते हैं तो वे सरेआम खुल्लमखुल्ला यह जवाब देते हैं कि हमारे ऊपर सरकार का दबाव है इसलिये कांग्रेस मैम्बर्ज के हल्कों में विकास के कामों पर ज्यादा पैसा खर्च किया जाएगा। उनके ऊपर कांग्रेसी एम0एल0एज0 यह दबाव भी डालते हैं कि हमारे हल्कों में ज्यादा पैसा खर्च किया जाना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं उदाहरण के तौर पर बताना चाहूंगा कि कैथल से जींद

को सड़क जाती है। उस सडक से जाने वाला हर व्यक्ति देखता है, हजारों एकड़ जमीन जो कि बंजर नहीं है बिल्कुल समतल जमीन है और बहुत सालों से वैसे ही पड़ी हुई है, उसके लिए सिंचाई का कोई साधन इस सरकार ने नहीं बनाया है। पिछले बजट में भी इस बात का आ वासन दिया गया था और यह कहा गया था कि उस जमीन के विकास के लिए पैसा दिया गया है और उसकी सिंचाई के लिए एक नहर निकाली जाएगी। नहर के लिए पैसा भी मंजूर करवाया गया है लकिन आज तक इस सरकार ने वहां पर नहर निकाले जाने के बारे में नहीं सोचा है। डिप्टी स्पीकर साहब, हजारों एकड़ जमीन वैसे ही पडी है। बहुत अच्छी जमीन है बिल्कुल समतल जमीन है लेकिन यह सरकार उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। वह जमीन कठाणा, गुलाणा, सोंगरी, रोहेड़ा, खेड़ी सन्दलवाड़ी और किछाणा गांवों के बीच में पडी हुई है। उस जमीन की तरफ सरकार की तरफ से कोई ध्यान देने की कोि ा ा नहीं की जता रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह सरकार सिंचाई के कामों के एिल पैसा मंजूर करवा लेती है लेकिन उन कामों को करने में असमर्थ रहती है। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि यदि सिंचाई की सुविधाओं की तरफ सरकार की नीयत ठीक नहीं होगी तो बजट में इतना पैसा खर्च करने से जनहित का कार्य नहीं हो सकता है। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह बात भी कहना चाहता हूं कि राजौंद डिस्ट्रीब्यूटरी का एक बहुत लम्बा चौडा क्रस्ट है उसको तोड़ दिया गया है। मैंने यह बात ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग में भी उठाई थी। हमारे

ि ाक्षा राज्य मंत्री श्री जगदी ा नेहरा भी उस समय वहां पर मौजूद थे मैंने यह सवाल उठाया था कि वह क्रस्ट क्यों तोड दिया गया जबकि वह इनती बडी डिस्ट्रीब्यूटरी है। उस समय वहां पर एक अफसर एक्स0ई0एन0 बैठे हुए थे जिनका मैं नाम नहीं लेना चाहूंगा। उन्होंने यह कहा कि he is emplowered to do like that. उसने यह बात नेहरा साहब के सामने कहीं थी जबकि रजवाहे की रीमोडलिंग सिवाय चीफ इंजीनियर या एस0ई0 के कोई दूसरा अफसर नहीं कर सकता। डिप्टी स्पीकर साहब, क्या सरकाचर बता सकती है कि एक्स0 ई0 एन0 को क्रस्ट तोड़ने की पावर है, क्या वह एक्स ई0एन0 उस क्रस्ट को तोड़ सकता है ? यह सरकार चाहे उसकी इंक्वायरी करके देख ले वह क्रस्ट आज भी यों का यों टूटा हुआ पडा है। जिन लोगों को उस रजबाहे से पानी मिल जाता था आज उनको वह पानी नहीं मिल पाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह बिल्कुल सच्ची बात कह रहा हूं। आज भी वह क्रस्ट टूटा पड़ा है।

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):** डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी माननीय सदस्य ने यह कहा है कि उन्होंनें ग्रिवैंसिज कमेटभ की मीटिंग में क्रस्ट के बारे में सवाल उठाया था कि उस डिस्ट्रीब्यूटरी का क्रस्ट क्यों तोड़ दिया गया। वह यह बात गलत कह रहे हैं इन्होंने उस मीटिंग में यह बात नहीं कही थी। आज हाउस में यह बात उन्होंने उछालने

के लिये कही है , इसलिये मेरा निवेदन है कि यह बात एक्सपंज होनी चाहिए। ( ाोर एवं विघ्न)

**चौधर नर सिंह ढांडाः** डिप्टी स्पीकर साहब, मैं बिल्कुल सही बात कह रहा हूं कि आज भी वह क्रस्ट टूटा पड़ा है। नेहरा साहब, ने जो प्वायंट आफ आर्डर किया है, इस बारे में मैं सरकार से यह जानना चाहूंगा कि क्याच उस डिस्ट्रीब्यूटरी के क्रस्ट को तोड़ने के लिये कोई लिखित आर्डर किए गऐ थे ? अगर लिखित आर्डर नहीं किए गए तो उस एक्स0ई0एन0 की जिसने जुलाई या अगस्त में रिटायर होना है, नीयत कैसे खराब हो सकती है ? इसके साथ साथ मैं एक बात यही कहना चाहूंगा कि जखौली डिस्ट्रीब्यूटरी में ब्रीच हुआ था लेकिन उसको कट लिख दिया गया। उस डिस्ट्रीब्यूटरी में ब्रीच होने के कारण लगभग 300 एकड जमीन में पानी भर गया और उस जमीन में जितनी भी फसल खडी थी वह सारी की सारी बरबाद हो गई। उस डिस्ट्रीब्यूटरी में ब्रीच हुआ लेकिन उसको कट लिख दिया गया जिसके कारण 300 एकड से ज्यादा जमीन बरबाद हो गई। किसानों की जमीन बरबादी होने के कारण किसान चिल्लाए। वे किस लिए चिल्लाए ? वे इसलिये चिल्लाए उनको यह डर था कि उनके ऊपर तावाना आएगा इस सरकार की मुआवजा देने की बात तो दूर रही। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहूंगा कि आज तक उन किसानों के बारे में इस सरकार ने कुछ नहीं किया और जो कट का केस है उसको देखने के लिये आज तक कोई भी अफसर नहीं

गया है। मैं यह कहना चाहूंगा कि जिन सरकार कर्मचारियों ने यह गलत काम किया है। उनको सस्पैंड किया जाना चाहिए था और उन किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए था लेकिन इस बारे में कोई प्रावधान नहीं है। इसी तरह से डिप्टी स्पीकर साहब, ड्रेनेज का सिस्टम है। कैथल के एरिया में एक कसान ड्रेन है जो रमाणा गांव से निकल कर करोड़ा भाणा होते हुए सोंगल गांव में जाकर खत्म हो जाती है। डस ड्रेन का पानी 6 फुट ऊंचा ले जाने के लिये उसमें पम्पिंग सैट लगाए गए है। सरकार ने जहां पर उसके अंदर पम्पिंग सैट लगाए हैं, वहां पर पानी नहीं पहुंच पाता है। और 6–6 फुट पानी किसानों के खेतों में खड़ा रहता है। अभी बताया गया था कि उस ड्रेन के साथ एक लिंक ड्रेन निकाली जाएगी तो कसान गांव तक जाएगी यह लिंक ड्रैन बिल्कुल गलत निकाली जा रही है। सरकार की कितनी गलत नीयत है। वहां जो ड्रेन निकाली जानी है वह कसान गांव से आगे चल करके जहां तक वे ड्रेन जाएगी वहां से सिर्फ एक किलोमीटर दूर बालू ड्रेन पड़ती हैं, सुदगण डिस्ट्रीब्यूटरी में नीची जगह पर जा करके आराम से उस पानी को निकाला जा सकता है लेकिन उस ड्रेन को कसान में ही खत्म किया जाएगा। पहले जहां सोंगल भाणा और करोड़ा डूबते रहे हैं आज कसान जखोली और सोंगल डूबेंगे। सरकार चाहे वहां के अफसरों से इसकी रिपोर्ट ले ले और इंकवायरी करवा लें, यह ड्रेन सरासर गलत निकाली ज रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं सिंचाई मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि वे इस बात की तरफ ध्यान दें। जो 70 करोड रूपया सिंचाई विभाग

के लिये लिया जाएगा, उस पैसे में से कुछ पैसा उस ड्रेन की फलड से पहले पहले सफाई करने पर खर्च किया जाना चाहिए। वह ड्रेन कच्चे रास्तों पर बिल्कुल टूटी पडी है। और उसके ऊपर कोई पुल भी नहीं है। इस ड्रेन में पानी आने की बजाये सारा पानी किसानों के खेतों में खड़ा रहात है। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मैं ि ाक्षा के बारे में भी कुछ कहना चाहूंगा। वित्त मंत्री जी ने अपनी बजट स्पीच में यह बताया है कि करोडों रूपया नेहरा साहब ि ाक्षा के बारे में अगले साल में खर्च करेंगे। नेहरा साहब तो सदन में नहीं बैठे हैं, मैं वित्त मंत्री जी को कुछ बातें बताना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां कहीं भी नई ट्रेनिंग या इंस्टीच्यू ान्ज खोली जाती हैं, वे सारी कांग्रेस पार्टी के सदस्यों के हल्कों में खोली जाती हैं। चन्दा सिंह जी के हल्के में, नेहरा साहब के हल्के रोड़ी में ाऔर कोल में जहां के कांग्रेस पार्टी के एम0एल0ए0 हैं, उन इलाकों में ट्रेनिंग इंस्टीचयू ांज खोली जाएंगी। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां कांग्रेस पार्टी के हल्के होंगे, उनको यह छूट होगी कि वे पांच हजार, 10 हजार रूपया लें और ट्रेनिंग इंस्टीच ून्ज खुलवाएं। जब यह पूछा जाता है कि उन ट्रेनिंग इंस्टीच्यू ांज में फर्स्ट क्लास लड़कें क्यों नहीं लियें जाते तो कह दिया जाता है कि वहां का एरिया बैकवर्ड एरिया है। इसके अलावा जब स्कूलों को अपग्रेड करने का जिक्र आता है, उस समय कह दिया जाता है कि अपोजी ान हल्कों में दो स्कूल से ज्यादा अपग्रेड नहीं होंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, पाई हल्के में पिछले दो साल से लगातार कोई स्कूल भी प्राइमरी स्कूल से मिडल स्कूल

और मिडल स्कूल से हाई स्कूल अपग्रेड नहीं किया गया है जबकि आदमपुर हल्के में 32 स्कूल अपग्रेड किए गए थे। आदमपुर हलके में 19 प्राइमरी से मिडल स्कूल अपग्रेड किए गए और 13 मिडल से हाई स्कूल अपग्रेड किए गए। जब इनसे यह कहा जाए कि ऐसा क्यों किया गया है, पाई हल्के में स्कूल अपग्रेड क्यों नहीं किए जातने तो कह दिया जात है कि पाई हल्का बहुत फारवर्ड हल्काच है और मुख्य मंत्री जी का एरिया बैकवर्ड एरिया है। चौधरी भजन लाल जी पहली बार जब मुख्य मंत्री बन कर आए तब भी इनका एरिया बैकवर्ड एरिया रहा है और स्कूल भी अपग्रेड होते रहे हैं और अब की बार ये मुख्य मंत्री हैं, तो इस बार भी इनके स्कूल अपग्रेड होते रहेंगे और इनका एरिया भी बैकवर्ड एरिया बना रहेगा। हरियाणा का सारा बजट वहां पर थोपा जा रहा है। जहां पर स्कूल अपग्रेड करने की आव यकता है वहां पर स्कूल अपग्रेड नहीं किए जाते। मेरे हल्के में एक भाना गांव है। उस स्कूल में 900 बच्चे पढ़ते हैं। इस गांव की आबादी भी तकरीबन 15–16 हजार के आसपास है। लेकिन इस गांव में हाई स्कूल नहीं बनाया जा रहा। मंत्री लोग गांव में जाते हैं और आ वासन देकर वापिस आ जाते हैं। हम पूछते हैं कि इस स्कूल को अपग्रेड करने का जो क्राइटेरिया है, उसमें यह नीीं आता। क्राइटेरिया यह है कि हाई स्कूल के लिये 11 एकड जमीन चाहिए और बिल्डिंग के लिए 20 कमरे चाहिए। यदि गांव के लोग इकट्ठे होकर 2–2 या 5–5 लाख रूपया जुटाते हैं तो फिर भी स्कूल की बिल्डिंग को पूरा नहीं कर पाते। हरियाणा सरकार का स्कूल है, इसमें लोगों का

क्या कसूर है। गांव के लोग गरीब हैं। वे मेहनत करके बड़ी मुि कल से दे ा के लिए अन्न पैदा करते हैं। लेकिन उनके बच्चों को स्कूल में दाखिला नहीं मिलता। सरकार ट्रेनिंग इंस्टीच्यू ान खोलती है, उसके अंदर गरीब आदमियों के बच्चों को नहीं लिया जाता।

**श्री उपाध्यक्षः** आपका समय 2–3 मिनट रह गया है, इसलिये आप जल्दी से अपनी बात कह लें।

**चौधरी नर सिंह ढांडाः** डिप्टी स्पीकर साहब, मैं भवन तथा सड़क विभाग का जिक्र करना चाहता हूं। जहां तक इस विभाग का सवाल है। मेरे हल्के के अंदर चार साल के दौरान कोई भी बिल्डिंग नहीं बनी। चार सालों का जिक्र मैंने सवाल में भी किया था और पूछा था कि मेरे हल्के में स्कूल की बिल्डिंग क्यों नहीं बनी। इसका उत्तर देने में मंत्री जी असमर्थ हैं। कहते हैं कि बडा लम्बा चौडा ब्यौरा है इसलिए पूरा ब्यौरा कांस्टीच्यूएंसी वाईज नहीं दे सकते। इनकी इन्टैं ान बैड है, क्योंकि इनकी नियत ठीक नहीं है। मैंने पाई हल्के के संबंध में जानने के लिये एक सवाल जनवरी 1980 से लेकर 31 जनवरी 1984 तक का चार साल के पीरियड का पूछा था। मैंने पूछा था कि इस चार साल के दौरान कितना पैसा स्कूलों की इमारतें बनाने के लिये खर्च किया गया। लेकिन इन्होंने कोई ब्यौरा नहीं दिया गया, क्योंकि पाई हल्के के अंदर 3–4 साल के दौरान कोई बिल्डिंग तैयार नहीं की

गई है। मेरे हल्के के अंदर जो सड़कें 1980 में बननी भाुरू हुई थी, उस पर आज तक पूरा रोड़ा भी नहीं डाला गया।

बजट के अंदर राजस्व विभाग के लिए करोडों रूपये रखे गए हैं। बजट के अंदर ओला वृश्टि का भी जिक्र किया गया है और ओलों के लिए करोड़ों रूपया सरकार ने 1984–85 में बजट के अंदर रख दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के में पीछे तीन गांवों के अंदर ओला वृश्टि हुई थी। इन तीना गांवों का ओला वृश्टि का केस बना कर सरकार को दिया गया था। लेकिन सरकार यह बात भी बताने में असमर्थ है कि यह पैसा क्यों नहीं दिया जा रहा। एक गांव का केस 60 हजार रूपये का था, दूसरे गांव का केस 10 हजार रूपये का और तीसरे गांव का केस 11 हजार रूपये का था। हम बार बार पूछते रहे कि हमारे केस का क्या हुआ ? जवाब मिला कि तीन गांवों में ओला वृश्टि कैसे हुई। डिप्टी स्पीकर साहब, यह तो नैचुरल कैलेमिटी है, कहीं पर भी हो सकती है। जब पाई हल्के के तीन गांवों को जिक्र आता है तो कहते हैं कि यह असंभव बात है कि यहां पर ओलावृश्टि हुई है। किसान चिल्लाए और बार बार चक्कर लगाया और सिफारि ा की तो अब यह कहने लगे कि स्पै ाल गिरदावरी नहीं है। मैं सरकार से पूछना चाहूंगा कि क्या गांव के लोग खुद स्पै ाल गिरदावरी करेंगे ? क्या गिरदावरी करवानी सरकार की डियूटी नहीं है ? जब डी0सी0 और एस0डी0एम0 ने केस बना कर दे दिया तो फिर मुआवजा देने में क्या अड़चन है ? इसी प्रकाचर से बजट के अंदर

स्वास्थ्य और जन स्वास्यि के लिए भी पैसा रखा गया है। हस्पतालों के अंदर दवाइंया देने के लिये एक अलग से कमरा बनाया जाता है। जब गरीब लोग डाक्टरों के पास दवाइयां लेने के लिये जाते हैं तो कहते हैं कि दवाईयां नहीं हैं। जबकि इसके विपरीत वी0आई0पीज0 को दवाइयां देने का इंतजाम रखते है। सरकार को इस बात की जांच करवानी चाहिए कि डा0 कितने डाके मार रहे हैं। लेकिन गरीब बच्चों के लिए हस्पतालों से दवाई नहीं मिलती। गरीब आदयिमों कह दिया जाता है कि पैसे ले आओ। जब बेचारा वह पैसे लेने जाता है और वापस आता है तो इस दौरान उसका मरीज बीच में ही दम तोड़ देता है। हस्पतालों के अंदर जो पैसा दवाइयों के लिऐ दिया जाता है वह उचित जगह नहीं जा रहा है, इसकी जांच होनी चाहिए।

**श्री उपाध्यक्षः** आपका समय हो गया है, आप बैठ जाएं।

**चौधर नर सिंह ढांडाः** डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिये बहुत थोड़ा समय दिया है। अंत में मैं कहना चाहूंगा कि हरियाणा में बजट का जो पैसा दिया गया है वह एक चलती चलाई चीज को ही दिया जा रहा है। (घंटी) इतना ही कहते हुए और इस बजट का विरोध करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

**श्री अमीर चन्द मक्कड़ (हांसी):** डिप्टी स्पीकर साहब, जो बजट वित्त मंत्री जी ने हाउस में पे ा किया है, मैं उसका

समर्थन करने कै लियें खड़ा हुआ हूं। बजट के अंदर विकास के बोर मे भी जिक्र किया गया है। मैं सबसे पहले विकास के बारे में ही अपनी बात हाउस के सामने रखना रखूंगा। हरियाणा सरपकार की नियत विकास के बारे में बहुत अच्छी है। सरकार ने विकास को बढ़ावा देने के हर तबके को चाहे वह बैकवर्ड क्लास है या हरिजन है, काम दिया है।

**श्री मनफूल सिंहः** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने हरिजनों के लिये कितना बुरा काम किया हुआ है। ये हरिजनों को सर्विस देते हैं। पोस्ट में लिखते हैं कि स्वीपर–कम–चौकीदार। इस प्रकार ये हरिजनों से स्वीपर का भी काम लेते हैं और चौकीदार का भी काम लेते हैं। काम दो दो लेते हैं और बात हरिजनों की करते हैं।

**श्री उपाध्यक्षः** मैंने आपकी बात सुन ली है। आप बैठ जाएं।

**श्री मनफूल सिंहः** डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा और आपका एक ही जिला है। मुझे अपनी बात कह लेने दें। ये हरिजनों का नाम लेते हैं। हम यह बात सुनना नहीं चाहते।

**श्री अमीर चन्द मक्कड़ः** मेरे साथी हरिजनों का नाम सुनना पता नहीं क्यों पसंद नहीं करते। डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है, वह बहुत सराहनीय बजट है। इस बजट के अंदर और स्टेटों के बजट के मुकाबले में बहुत कम

घाटा दिखाया गया है। इसका कारण यही है कि हरियाणा विकास की ओर लगातार बढ़ रहा है। हरियाणा के अंदर दूसरे प्रदे ाों के लोग आकर इंडस्ट्रीज लगाने के इच्छुक हैं। इसका सबसे बडा कारण यह है कि यहां पर अमन और भाान्ति कायम है। यहां पर पजाब की जिक्र भी बराबर आ रहा है। इस संबंध में यह कहना चाहता हूं कि पंजाब के लोग भी अब हरियाणा में अपनी इंडस्ट्रीज लगाना पसंद करते हैं और दूसरे सूबों से भी लोग आकर यहां पर इंडस्ट्रीज लगाना चाहते हैं या लगाने के इच्छुक हैं। जैसा कि मैं पहले ही जिक्र कर चूका हूं। इसी के परिणामस्वरूप हरियाणाा चहुंमुखी विकास कर रहा है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी रो ान लाल आर्य, पदासीन हुए।) चेयरमैन साहब, हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रांत है। हरियाणा कृशि पर ही ज्यादातर निर्भर करता है। कृशि के लिए सरकार ने सिंचाई की काफी सुविधा पहुंचाई हैं। सरकार ने किसानों को मंडी तक अपनी उपज ले जाने के लिऐ सड़कों का जाल बिछाया हुआ है और इसके लिये अब सरकार ने इस बजट में 13 करोड़ रूपये रखे हुए हैं इसी प्रकार से सिंचाई के लिए 70 करोड़ रूपये रखे हैं। किसानों को सहायता पहुंचाने के लिऐ सरकार वर्ल्ड बैंक से भी पैसा ले रही है ताकि उनको अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। सरकार किसानों को सिंचाई के लिए अधिक से अधिक पानी देना चाहती है। जितना ज्यादा पानी किसानों कौ कृशि के लिए मिलेगा उतना ही फायदा सरकार का और किसान का होगा। हरियाणा सरकार ने एस0वाई0एल0 के माध्यम से किसानों को पानी पहुंचाने

के लिये पंजाब सरकार के साथ इस योजना पर काम भुरू किया हुआ हैं इस काम को जल्दी से जल्दी पूरा करने के लिये हरियाणा सरकार पंजाब सरकार को 20 करोड़ रूपया भी दे चुकी है। यह बात अलग है कि वहां पर इस समय हालात अच्छे नहीं हैं। मैं इस संबंध में यह भी कहना चाहता हूं कि वहां पर आम जनता में मतभेद उतना नहीं है जितना बदमा ा लोगों ने वातावरण खराब किया हुआ है। हरियाणा में भी कुछ लोगों की कोि ा ा यही थी कि वातावरण को खराब किया जाए लेकिन मैं हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने स्थिति को कंट्राल करके प्रदे ा में भाान्ति बनाये रखी। हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने बयान दिया था और कहा था कि जो लोग धार्मिक स्थानों को नुक्सान पहुंचायेंगे उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने आर्डर्ज दिये थे कि जो बदमा ा लोग इस किस्म का वातावरण पैदा करेंगे उनको गोली मार दी जाए। इसके बाद प्रदे ा में भाान्ति स्थापित हो गई। यही कारण है कि हरियाणा प्रदे ा चहुंमुखी तरक्की कर रहा है। जिस प्रदे ा में फसाद नहीं होते, वही तरक्की कर सकता है। चेयरमैन साहब, हरियाणा सरकार ने 20 करोड़ रूपया एस0वाई0एल0 नहर खुदवाने के लिए पंजाब सरकार को दिया लेकिन वहां के कुछ लोगों ने नहर नहीं खुदने दी। अब हाल ही में सैंट्रल गवर्नमैंट ने हरियाणा सरकार की तरफ से 5 करोड़ रूपया और जमा करवाया हें ताकि नहर का मा चाले किया जा सके। हरियाणा सरकार चाहती है कि हमें जल्दी से जल्दी पानी मिले। जितना हमें पानी मिलेगा उतना ही हम तरक्की कर सकेंगे।

इसलिये 5 करोड़ रूपया सैंट्रल गवर्नमैंट ने अपने खजाने से नहर खुदवाने के लिये जमा करवाया और मुझे पूर्ण आ ाा है कि हरियाणा सरकार अपनी कोि ा ाों के बल पर नहर खुदवायेगी ताकि हरियाणा के प्रत्येक खेत के कोने कोने में पानी पहुंच सके। जब पानी आ जायेगा तो हरियाणा पूरी तरह से तरक्की कर सकेगा। चेयरमैन साहब, इस बजट में सड़कों के लिये 13 करोड़ रूपया रखा है। वेसे तो पहले ही बहुत अच्छी सड़कें बन चुकी हैं, गांव गांव तक लिंक रोड पहुंच चुकी हैं। इस रूपये से जो गांव सड़कों से नहीं जुड़े हैं, उनको भी जोड़ा जाएगा। जहां पर हरिजन बस्तियां है, जिनकी आबादी 250 से ज्यादा है, उनको पक्की सड़कों से जोड़ने का सरकार का इरादा है ताकि हरिजनों को, छोटे किसानों को मण्डियों में अनाज लोने में कोई दिक्कत न हो। इस प्रकार हर किसान मण्डी में अपना लाकर बेच सकता हे। इसके इलावा हर हरिजन और गरीब आदमी को ऊपर उठाने के लिये सरकार ने सैंट्रल गवर्नमैंट की स्कीम के तहत 5 हजार से लेकर 25 हजार तक का कर्जा दिया है। (व्यवधान) पिछले दिनों हरियाणा में कपास की फसल खराब हो गई। किसानों को राहत देने के लिये मालिया और आबियाना मुआफ करके बहुत बडा काम किया है। सस्ते भाव पर बीज दिया, खाद दी और तकावी लोन दिया। किसान को ऊपर उठाने के लिए सरकार ने यह बहुत बडा काम किया है। इससे उनको बहुत बडी राहत मिली है। मैं चाहूंगा कि सरकार किसान का हौंसला इसी प्रकार बढ़ाती रहे ताकि किसान अच्छी पैदावार करके हरियाणा को ऊपर उठाता रहे।

**श्री सभापतिः** आपके दो मिनट रह गये हैं, आप वाइंड आप करें।

**श्री अमीर चन्द मक्कड़:** चेयरमैन साहब, मेरे एक साथी तालीम के ऊपर बोल रहे थे। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार ने गांव गांव में लड़कियों के स्कूल खोले हैं ताकि लड़कियां शिक्षा हासिल कर सकें। लड़कियों के लिए 200 प्राइमरी स्कूल खोले हैं क्योंकि सरकार चाहती है कि प्रदेश में एक भी बच्चा अनपढ न रहे और खासकर लड़कियों की तरफ खास तवज्जो दी हैं लड़कियों के स्कूल अपग्रेड किय हैं और इस साल के बजट में भी काफी पैसा रखा है। इस प्रकार स्कूल अपग्रेड करके, तालीम का जाल फैलाकर सरकार की यही कोशिश है कि प्रदेश में कोई बच्चा अनपढ न रहे। इसके साथ ही साथ मैं सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि हांसी के प्राईमरी स्कूल की तरफ भी सरकार ध्यान दे। इस स्कूल की बिल्डिंग काफी खस्ता हो चुकी है। इसको अपग्रेड करके मिडल स्कूल बनाने का मुख्य मंत्री ने एलान कर दिया है और इसी प्रकार का एलान सिंघवा प्राईमरी स्कूल के बारे में किया है और मुझे उम्मीद है कि सरकार उस पर अमल करेगी और इन इलाकों के बच्चों को पढ़ने की पूरी सहूलियात देगी। चेयरमैन साहब, हांसी में एक कालेज बना है। इस के बारे में हरियाणा सरकार ने वायदा किया है कि हांसी भाहर के अंदर 11 एकड़ जमीन देगी ताकि बच्चे दूर न जाकर नजदीक के कालेज में तालीम हासिल कर सकें और प्रदेश

की सेवा कर सकें। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि हमारे वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया, मैं उसका समर्थन करता हूं और वित्त मंत्री जी की बधाई देता हूं।

**श्री देवी दास (सोनीपत):** चेयरमैन साहब, वित्त मंत्री महोदय ने वर्श 1984–85 का जो बजट पे ा किया है अगर इसको पिछले बजट के साथ मिलाया जाए तो मालूम होगा कि यह पिछले बजट की ही कार्बन कापी है। इस बजट में 46.83 करोड रूपये का घाटा दिखाया गया है और वित्त मंत्री जी ने साथ ही यह कह दिया है कि इस घाटे को अन्य साधानों से पूरा किया जाएगा। चेयरमैन साहब, हमें ऐसा लगता है कि इस घाटे को आने वालेक समय में आर्डिनैं ा इ ू करके आम जनता के ऊपर टैक्स का बोझा डाल कर इस घाटे को पूरा करने की कोि ा ा करेंगे।

चेयरमैन साहब, सरकार ने वर्श 1984–85 में रूरल इंडिस्ट्रयल स्कीम के तहत 4 करोड़ रूपया रखा था और इस साल 4.47 करोड रखा है। सोनीपत जिले में जो रूरल इंडस्ट्रीज लगी हैं, उसका मुझे तर्जुबा हैं। मैं असली स्पीच इंडस्ट्रीज से ही भाुरू करता हूं। गांव में जो आम आदमी हैं, गरीब हैं, जिसे पास चार पांच एकड़ जमीन थी, इनमें से जिन जिन लोगों ने रूरल इंडस्ट्रीज स्कीम के तहत इंडस्ट्रीज लगाई हैं, वे लोन लेने के लिये बैंको के पीछे मारे मारे फिर रहे हैं और जिनको पैसा मिल गया है, उनकी हालत यह है कि वे ब्याज भी नहीं दे पाते। रूरल इंडस्ट्रीज बिल्कुल फेल हो रही है। जब रूरल इंडस्ट्रीज स्कीम का

प्रोग्राम बनाया था तो सरकार ने यह आ वासन दिया था कि इनको सरकार कच्चा माल सप्लाई करेगी, औक्ट्राय और सेल्ज टैक्स मुआफ करेगी। और जो माल ये इंडस्ट्रीज बनाएंगी, उसको सरकार स्वयं खरीदेगी। जिस आदमी ने इंडस्ट्री लगाई है, उसकी पोजी ान इतनी कमजारे हे कि कि त तो क्या देनी वह लोन का ब्यान तक नहीं दे सकता। अगर आज हरियाणा सरकार एक सर्वे कमेटी बना कर इस बात की इंक्वायरी करवाये कि हरियाणा प्रदे ा के अंदर जिन जिन पढ़े लिखे देहाती बेरोजगार लोगों ने, छोटे जमींदारों ने रूरल इंडस्ट्रियल स्कीम के तहत इंडस्ट्रीज लगाई हैं, उनकी क्या पोजी ान है तो वे लोग यही कहते मिलेंगे कि उन्होंने इंडस्ट्रीज लगाकर मुसीबत मोल ले ली है। इसके अलावा अब मैं लेबर डिमार्टमैंट के बारे में कहना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, सरकार ने लेकर के लिए मजदूरों के लिए करोड़ा रूपयो बजट में रखा है। लेबर के बारे में मेरा एक स्टार्ड क्वै चन था लेनि उसको कन्वर्ट करके अनस्टार्ड कर दिया गया है। आज सोनीपत जिले में लेबर कोर्ट में 168 केसिज लेकर एम्पलाईज के चल रहे हैं और जुडि ियल कोर्ट में अलग चल रहे हैं। ये केसिज अलग अलग 150 फैक्ट्रीज केसिज हैं इन केसिज का फैसला कई सालों से नहीं हो हो पाता। लोग इंडस्ट्रीज को छोड़ कर दूसरी जगहों पर जा रहे हैं। इस बात को छोड़िये। अब मैं पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट की तरफ आता हूं। आज से चार पांच साल पहले, सोनीपत कांस्टीच्यूएंसी में गोहाना, विधल और पिनाना ये तीन वाटर सप्लाई स्कीम्ज भुरू की थी लेकिन न मालूम ये

अभी तक पूरी क्यों नहीं हुई। सोनीपत की ही नहीं, सारे हरियाणा की यही हालत है। कागजों में स्कीम दिखा देते हैं लेकिन एक्चुअल में कुछ नहीं हो पाता। जहां पर खारा पानी है, वहां लोगों को मीठा पानी भी प्रोवाईड नहीं कर पा रहे, मेरा यह तर्जुबा है। और साथी भी यह महसूस करेंगे जो बजट का पुलिंदा हमें दिया जाता है। इसमें लिखा होता है कि पुलिस के लिए इतना पैसा, पब्लिक हैल्थ के लिए इतना पैसा और एग्रीकल्चर के लिये इतना पैसा रखा गया है। अगर यह बजट विधान सभा हल्कवाईज बन जाए तो हम कह सकते हैं कि इस हल्के के अंदर इतनी सड़कें बनीं, इतने स्कूल अपग्रेड हुए और इनती देहात के अंदर वाटर सप्लाई स्कीम्ज बनीं। इस बजट से तो सरकार में बैठे हुए लोग अपना ही काम कराते हैं और जहां काम पहले भाुरू हुआ होता है वह पूरा नहीं होता।

सभापति जी, मैं आपका ध्यान हुड्डा की तरफ दिलाना चाहता हूं। सोनीपत के अदंर हुड्डा की एक कालोनी बनी हुई है जिसको 14 सैक्टर कहते हैं। उसकी हालत बहुत खस्ता है। सड़कें टूटी हुई हैं। वाटर सप्लाई का कोई इन्तजाम नहीं है। इसके अलावा हुडडा इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट, हाउसिंग बोर्उ और म्युनिसिपल कमेटी, सभी की अलग अलग अदायरे होने के नाते से अपनी अपनी कालोनीज के लिए अलग अलग सीवरेज लाइन्ज हैं। ऐसा होने से सारे भाहर की हालत खराब हो चुकी है। मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि इन सबकी एक ही सीवरेज लाईन होनी चाहिए।

आज किसी का लैवल ऊंचा है। किसी का नीचा है। कहीं फव्वारे निकल रहे हैं। सरकार को इस तरफ अव य ध्यान देना चाहिए क्योंकि इसकी वजह से सोनीपत की हालत काफी खराब हो गई है।

चेयरमैन साहब, म्युनिसिपल कमेटी के चुनाव न होने के कारण ऐडमिनिस्ट्रिेटर अपनी मन मर्जी से जो चाहे कर रहे है। ईटें अगर कहीं लगनी हैं तो बिल्कुल पीली और सैकिंड क्लास लगती हैं। वे कहते हैं कि अगर हम ऐसा नहीं करते तो हमें एक पैसा नहीं मिलता। मेरा निवेदन है कि सरकार को भाहरों की तरफ भी ध्यान देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, तीन साल पहले बड़वासनी के अदंर जमुना नहर के नीचे साईफन बना था। 8–10 गांवों का पानी उस साईफन से निकलता हैं ड्रेनेज डिपार्टमैंट की बहुत बुरी हालत है। उसने अभी तक वहां ड्रेन नहीं बनाई है। जब तक वहां ड्रेन बननी भाुरू होगी तब तक फिर बारि । आ जाएगी। वह काम जल्दी होना चाहिये।

चेयरमैन साहब, यहां कहा गया कि 2 हजार हैक्टेयर जमीन में पानी खड़ा है लेकिन मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि अकेले जुआं गांव के अंदर 8–10 साल से लगातार सैंकड़ों एकड़ जमीन पर पानी खड़ा है। वहां ड्रेनेज का इंतजाम नहीं है। सरकार को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, ला एण्ड आड्र का जहां तक संबंध है। औरों की बात तो छोड़िये हमाचरे अपने घर वाले कहते हैं कि रात वाली बस से न जाना। (विघ्न) लोकसभा में एक क्वै चन के जवाब में यह बताया गया और यह बात पेपर में आई है कि हरियाणा में देहज की वजह से लड़कियों की हत्या के सारे भारत में सबसे ज्यादा केस हुए हैं। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह इस तरफ भी ध्यान दे। चेयरमैन साहब, डिप्टी स्पीकर साहब, श्री वेदपाल जी और बहन भाान्ति पर जो हमला हुआ और पानीपत, जींद, करनाल और यमुना नगर आदि जगहों पर जो वाक्या हुए हैं, वे पंजाब स्टेट में जो हालत है, उसकी वजह से हुए हैं। सरकार को इनको रोकने के लिये पूरी कोि ा ा करनी चाहिए।

चेयरमैन साहब, मैं सरकार का ध्यान ऐजुके ान की तरफ भी दिलाना चाहता हूं। सारे हरियाणा के अंदर काफी मान्यता प्राप्त स्कूल हैं। कई स्कूलों की मैनेजमैंट कमेटीज के चुनाव 10—10, 20—20 साल तक नहीं होते जबकि विधान के मुताबिक दो तीन साल के बाद चुनाव होने चाहिए। कुछ आदमी उन स्कूलों की मैनेजिंग कमेटीज में बैठे हुए हैं और अपनी मर्जी से दुकानदारी चला रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐजुके ान मिनिस्टर साहब इस तरफ ध्यान देंगे और जिन स्कूलों में विधान के मुताबिक चुनाव नहीं होते वहां चुनाव करवाने की कृपा करेंगे या उनकी ग्रांट बंद करेंगे। चेयरमैन साहब, मुझे यह भी उम्मीद है कि प्राईवेट स्कूल्ज के टीचर्ज को ये खजाने से वेतन दिलवाने की कृपा करेंगे क्यौंकि

यह उनकी बहुत पुरानी मांग है। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

**श्री हरिचन्द हुड्डा (किलोई):** चेयरमैन साहब, फाइनैंस मिनिस्टर साहब ने जो बजट पेश किया है ..... इसके ऊपर बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। मैं इन्हें यह भी समझान के लिए खड़ा हुआ हूं कि यह बजट क्या है ? (विघ्न)

**श्री इन्द्र सिंह नैन:** चेयरमैन साहब, यह बड़ा पवित्र हाउस है और बजट पर डिसक ान चल रही है। माननीय सदस्य को ..... यह पता होना चाहिए कि यहां ..... ..... बजट पर डिसक ान हो रही है। (विघ्न) मेरा निवेदन यह है कि बजट को ..... नहीं कहा जाना चाहिए। (विघ्न)

**श्री हरिचन्द हुड्डा:** चेयरमैन साहब, मैं दो बातों पर बजट को लूंगा। पहली बात मेरी आर्थिक नीति के बोर में होगी और दूसरी बात कृशि नीति के बारे में होगी। दोनों बातों को लेकर मैं बजट पर बोल रहा हूं। मेरे दोस्त ने कहा कि यह हाउस बड़ा पवित्र है ..... (विघ्न)

**चौधरी लीला कृश्ण:** चेयरमैन साहब, मैं वितनी करूंगा कि ..... वाला भाब्द कार्यवाही से निकलवा दिया जाए क्योंकि इस माननीय सदन में इस तरह की बात करना हम सबको भाोभा नहीं देता।

**श्री सभापतिः** ठीक है, यह भाब्द ऐक्सपंज कर दिया जाए।

**श्री हरिचन्द हुड्डाः** चेयरमैन साहब, यहां जो बजट पे ा किया गयो है। इसमें हमने यह देखना है कि सरकार की नीयत और नीति क्या है। अगरी हम डिवैल्पमैंट के काम को देखते हैं, किसान की बहबूदी को देखते हैं गरीब की हालत को देखते हैं तो मालूम होता है कि यह बजट गरीब को और गरीब कर रहा है और अमीर को और मोटा कर रहा है। अगर हम बजट की नौअइत को देखते हैं तो महसूस होता है कि सरकार वायदा ज्यादा करती है और काम कम करती है। अगर मैं यह कहूं कि 'टोटा, मोटा, खोटा झुका दे सिर ने' तो कोई गलत बात न होगी। इस दे ा के अंदर किसान के लिये 20 हजार करोड़ रूपये का अनाज अमेरिका से मंगवाया गया हैं यह सरकार उस अनाज से इस दे ा के लोगों का पेट भर रही है और अमैरिका के किसान की मदद कर रही है। चेयरमैन साहब, मुर्दों के कपड़े और कफन तक इस दे ा में बिके हैं। फिर भी यह सरकार कहती है कि हम किसानों की मदद करते हैं। ये तो भारत के किसान को मार रहे हैं। इसलिये मैं कहता हूं कि इनकी न तो नीयत ठीक है और न नीति ठीक है। इस बारे में मैं एक बात कहूंगा। चेयरमैन साहब, मैं तो एक ही बात कहूंगा कि इस सरकार की नीति और नीयत में फर्क है। यहां पर वायदे ज्यादा और काम कम किया जाता है। चेयरमैन साहब, मैं हाउस के सामने चन्द रिपोट्र्स रखना चाहता हूं जिनसे पता लग सकता है

कि यह सरकार क्या करती है और क्या इसकी नीति है ? मेरी समझ में नहीं आता कि इस बजट के क्या नाम दूं क्योंकि इसमें कुछ भी लोगों की भलाई के लिऐ नहीं दे रखा है। रिपोर्ट आफ महोलोहसे कमेटी, रिपोर्ट आफ ने ानल सैम्पल सर्वे कमेटी, रिपोर्ट आफ प्रोफेसर आर0के0 हजारी, दि रिपोर्ट आफ मनोपोलिज इंक्वायरी कमी ान, रिपोर्ट आफ दि कमेटी आन डिस्ट्रीब्यू ान आदि रिपोर्टस का निचोड़ डा0 हिक्स के भाब्दों में यह निकलता है —

It is not a budget. It is a tug of war of economy of this Country between the rich and poor. Bureaucratic Government is on the side of the rich man. Under the circumstanced the national income of this country has never been divided equally. The rich became more rich and the poor the became more poor. A few persons of this country have grebed the entire budget of this country and they have fat and fat like a pig.

इन रिपोर्टस के अनुसार हिन्दुस्तान की 56 फीसदी आबादी गरीबी की रेखा से नीचे है। हिन्दुस्तान की आधी आबादी भूखी है। यह बजट पूंजीपतियों का है। गांव के लोग भूखे मर रहे हैं। भाहरों के लोग खु ाहाल हैं। गांव में हिन्दुस्तान में एजुके ान दस फीसदी है और भाहरों में 90 फीसदी है। भाहरों में नौकरी 90 फीसदी है तो गांव के लोगों का दस फीसदी है। इसलिए राइटर ने सब बातें लिखी हैं। हिन्दुस्तान की 80 फीसदी

आबादी जो गांव में रहती है, उसको यह पूंजीपति सरकार किस प्रकार से खा रही है ?

**श्री लछमान सिंहः** यह हरियाणा का बजट है, कंट्री का बजट नहीं। हरियाण के बजट पर बात करें।

**श्री हरिचन्द हुड्डाः** सरदार सारे हिन्दुस्तान में है। पंजाब के सरकार हरियाणा में और सारे हिन्दुस्तान के हिस्सों में घुस गये हैं तो यहां पर सारे हिन्दुस्तान के बजट की बात करने में क्या हर्ज है। आज किसान पैदा करता है और इंडस्ट्री वाले उसका लाभ उठाते हैं। आज पर कैपिटा इंकम हिन्दुस्तान की बहुत कम है। 283 रूपये प्रति हैड के हिसाब से लोगों पर कर्जा है यानी हरियाणा के एक बच्चे पर 283 रूपये कर्जा है। चेयरमैन साहब, यह बजट हरियाणा के किसान और मजदूर का नहीं है। लोग भूखे मर रहे हैं। उधर लोगों को यह सरकार भाराब पीने की आदत डाल रही है। सरकार अपने खजाने को भरना चाहती है। भूख प्यासे लोगों का पैसा भाराब के जरिये से लिया जा रहा है। सरकार की कमाई है और किसान की भूखमरी है। इन्होंने गरीब आदमियों का पैसा खाकर इस बजट को हमारे सामने रख दिया। यह बजट पूंजीपतियों का है। किसान और मजदूर का नहीं है। किसान और मजदूर का तो खून चूसा जा रहा है।

चेयरमैन साहब, जो दस फीसदी अमीर आदमी हैं उन्हौंने गांव के लोगों की कमाई खाई है। आज चमड़े की इंडस्ट्री

पर टाटा का कब्जा हो गया और लोहार बेकार हो गया। इसी प्रकार से चीनी के बरतनों पर यानी क्रोकरी पर बावा का कब्जा हो गया और कुम्हाचर भूखा मर रहा है। गरीब आदमी जो धंधा करते थे उन पर तीन चार बड़े बडे लोगों ने कब्जा कर लिया है। आज के दिन हिन्दुस्तान की इन्डस्ट्री कुछ ही लोगों के हथ में है।

**श्री इन्द सिंह नैनः** .....

**श्री सभापतिः** यह रिकार्ड न किया जाए।

**श्री हरि चन्द हुड्डाः** मेरे दोस्त ने कुछ मेरे बारे में कहा । मैंने आज तक कोई भी पैसा भजन लाल जी की ओर से नहीं लिया। अध्यक्ष महोदय ने मुझे एक हाउस कमेटी का मैम्बर बनाया हुआ है और किसी भी कमेटी का मैम्बर नहीं हूं। आज जितने भी एम0एल0ए0 हैं उन सबसे कम पेसा मेरे पास है। अगर और एम0एल0एज0 के बराबर भी मेरे पास पैसा हो, तो मैं हाउस छोड़ दूंगा।

मैं कह रहा था कि दस फीसदी लोग हिन्दुस्तान के गरीब लोगो की कमाई खा रहे हैं। यह बजट पूंजीपतियों की पालिसी के अनुसार है। भजन लाल की सरकार में भर्ती ज्यादा हैं और सर्विस कम हैं, कंट्राल ज्यादा है फायदा कम है, कानून ज्यादा हैं और इंसाफ कम हैं। यह सरकार सो ालिज्म का मजाक उड़ा रही है। मजदूर व किसान भूखे मरते हैं और अमीर लोग मौज करते हैं। यह बजट एक ड्रामा है। हरियाणा को एस0वाई0एल0 का

पानी आना था लेकिन आज तक नहीं आया। दस साल हो गये हैं, लेकिन उस तरफ कोई ध्यान नहीं है।

किसी ने ठीक की कहा है –

पंछी समझते हैं चमन बदला हैं

हंसते हैं सिताचरे गगन बदला है।

भाम ाान की खामो ाी मगर कहती है,

ला ा वही है सिर्फ कफन बदला है।।

इन भाब्दों के साथ मैं इस बजट का विरोध करता हूं क्योंकि यह बजट सारा धोखा है इसमें कुछ भी नहीं है।

**सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी):** सभापति महोदय, हमारे वित्त मंत्री जी ने 20 तारीख को जो हरियाणा का बजट पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं केवल दो तीन प्वायंटस पर ही बोलूंगा। पहली बात तो एस0वाई0एल0 के पानी की है। एस0वाई0एल0 के पानी के बारे में कई बार यहां पर कहा जा चुका है। हमने इसके लिए साढ़े बीस करोड़ रूपया पंजाब को दिया है। हमारा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है, इसमें कोई दो राय नहीं है। यहां की 70 फीसदी आबादी देहातों में रहती है और 30 फीसदी आबादी भाहरों में रहती है। जहां तक देहातों की तरक्की का ताल्लुक है, उसमें हम भी यह चाहते हैं कि उनकी तरक्की हो और इसके लिये ज्यादा से

ज्यदा पैसा खर्च किया जाये। इस 20 प्वायंट प्रोग्राम के तहत जितना भी रूपया खर्च किया जाये इसमें कोई एतराज वाली बात नहीं है। जहां तक भाहरों की बात का ताल्लुक है, 30 प्रति ात लोग जैसे मैंने बताया यहां पर रहते हैं। हमारे प्रदे ा में 85 म्युनिसिपैलटीज हैं। इन भाहरों की सफाई की हालत सड़कों की हाल और कई जगह दूसरी हालत ठीक नहीं है। मेरा कहना यह है कि इनको तो रूपया जरूर दिया जाना चाहिये जिससे यहां पर सफाई और सड़कों वगैरा की हालत ठीक हो सके। मैं यह चाहता हूं कि इन म्युनिसिपल कमेटी को खुले तौर पर लोन दिया जाये ताकि जो वहां पर टूटी हुई सड़कें हैं और गंदगी है, वह ठीक हो सके। जहां पर गांवों में खर्च करने के लिये इन्होंने इतना रूपया रखा है वहां इनके लिये टोटल अढाई करोड रूपया रखा गया है जिससे म्युनिसिल कमेटियां भाहरों में सड़कें ठीक करेंगी, नालियां ठीक करेंगी  सफाई का और दूसरा प्रबंध करेंगी। 85 म्युनिस्पिल कमेटीज के हिसाब सये अगर हम हिसाब लगायें तो 3 लाख रूपय एक के हिस्से आता है। मेरा कहना यह है कि इससे काम होने वाला नहीं है। हर हालत में भाहर में रहने वाले लोग गांवों के मुकाबले में डबल टैक्स देते हैं। अगरी उनकी आबादी 30 फीसदी है तो वे टैक्स 60 फीसदी देते हैं लेकिन उनको दी जाती हैं केवल 15 फीसदी। मेरा कहना यह है कि इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। जहां तक सेल्ज टैक्स का ताल्लुक है इन्होंन बनियान पर सेल्ज टैक्स घटा कर अढाई परसैंट किया है। पिछले साल इन्होंने कुछ आईटम्ज पर सेल्ज टैकस 7 से बढा कर 8 और

कुछ आईटम्ज पर 10 से बढा कर 12 प्रति ात किया था। मैं तो यह उम्मीद करता था कि यह उस टैक्स को वापिस लेंगे। अगर वापिस भी लें तो भी इनको आमदनी उतनी ही होगी। इनकी आमदनी में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उल्टे इनकी आमदनी बढ़ेगी। एस0वाईएल0 के मुताल्लिक जो हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने हरियाणा के हितों के बारे में बयान दिया है वह सराहना के योग्य है। उन्होंने आज तक कोई भी कमजोरी दिखाने वाला बयान नहीं दिया है जिससे कि हरियाणा के हितों को नुक्सान पहुंचता हो। आईन्दा भी मैं समझता हूं कि हमारे हरियाण्उाा के हित हमारे दे ा की प्रधान मंत्री और सूबे के मुख्य मंत्री के हाथों में महफूज हैं और महफूज रहेंगे।

जहां तक प ुपालन का ताल्लुक है, हमारे यहां दूध की तादाद काफी बढभ है। हमारे यहां पर हपले 25 डिस्पैंसरियां थी, अब उनको अस्पताल बनाया जा रहा है और 25 नयी डिस्पैंसरियां खोली जा रही हैं। यह भी एक अच्छी बाता है। एक बात और है 10 करोड दरक्त हर साल यह सरकार लगाने का इरादा रखती है। पिछले साल 10 करोड दरख्त लगाये भी गये हैं। यह सूबे के लिये एक बहुत बडी बात है। अगर इस 10 करोड में 80 या 70–75 प्रति ात भी कामयाब हो जायें तो भी बड़ी अच्छी बात है। इस वन विकास से प्रदे ा का बहुत फायदा होने वाला है। जहां तक इंडस्ट्रीह की बात का ताल्लुक है। 1966 में जिस वक्त हरियाणा बना था उस वक्त हमारे यहां 4000 यूनिट काम

करते थे लेकिन हमारे यहां 44000 यूनिटस हैं। इन यूनिटों से हरियाणा के अंदर कितनी तरक्की हुई है, यह आप देंखें। दिल्ली के एक नुमाइ ा लगती है– इंडस्ट्रियल नुमाइ ा। उसमे ंहमारा जो स्टाल लगता है, उसको दोबारा फर्स्ट प्राईज मिला है। वह स्टाल छोटा है। मैं इस बारे में राय दूंगा कि उस स्टाल का साईज डबल किया जाए क्योंकि हमारे यहां जितनी तरक्की हुई है, उसमें वह सारी चीज दिखाने का इंतजाम नहीं है।

चेयरमैन साहब, जहां तक तालीम की बात का संबंध है, मैं यह कहना चाहता हूं कि हमें टैक्नीकल तालीम की तरफ ज्यादा ध्यान देना चाहिये। हर बच्चा अगर मैट्रिक या बी0ए0 कर जाये तो वह क्लर्क बनने की कोि ा ा करेगा और क्ल्र्कस की इतनी जगहें नहीं हो सकती कि उन सबको लगाया जा सके। इसलिये मेराा कहना यह है कि टैक्नीकल तालीम की तरफ कुछ ज्यादा ध्यान देना चाहिये। इसके अलावा धार्मिक, सौसल और नै ानल बातों को पढाने की थोडी ज्यादा जरूरत है। पिछले साल से एक पीरियड इन्होंने भाुरू तो किया है ताकि दे ा इकट्टा रहे और हमारा ने ानल करैक्टर बने। जब नै ानल करैक्टर की बात आयेगी तो आप आज का एम0एल0ए0 की बातें याद करोगे। (व्यवधान व भाोर) उन्होंने तो कहा है कि आज कल नै ानल करैक्टर कम हो रहा है, इसकी तरफ ध्यान देने की बात है। इनका ध्यान गलत बातों की तरफ जाता है।

13.00 बजे।

चेयरमैन साहब, मैं कहना चाहता हूं कि प्रदे ा की तरक्की के लिये खासतौर पर अम्बाला जिले की तरक्की होना जरूरी है। अम्बाला पंजाब के बिल्कुल बोर्डर पर है और हरियाणा का सबसे खूबसूरत भाहर है लेकिन अम्बाला में अभी तक कोई तरक्की नहीं हुई हैं। वहां की जमीन प्यासी पड़ी हुई है और वहां पर लोगो को भी पीने के लिए कम पानी है। एस0वाई0एल0 का अगर पानी आ जाए तो पानी की समस्या अम्बाला की हल हो सकती है। एक तरफ पानी की जवह से पंजाब में जमीन में सेम है, पानी पाकिस्तान जा रहा है लेकिन बड़ा भाई छोटे भाई को पानी नहीं दे रहा है। पानी अगर अम्बाला को मिल जाए तो अम्बाला का काफी भला हो सकता है जो पानी हरियाणा को आएगा उसमें अम्बाला जिले का भी हिस्सा है।

जहां तक इंडस्ट्री का ताल्लुक है, अम्बाला कैंट में छोटी छोटी इंडस्ट्री के चार हजार यूनिटस लगे हुए हैं। अम्बाला कैंट या तो इंडस्ट्री का भाहर है या मिलिट्री का भाहर है। जैसा कि मैंने पहले कहा है कि वहां पर हजारों इंडस्ट्री के छोटे छोटे यूनिट हैं लेकिन वहां पर बिजली की काफी कमी है। जब कभी बिजली बंद हो जाती है तो बीस हजार आदमी बेकार हो जाते हैं। वहां पर एक मैगावाट से पांच मैगावाट तक बिजली की जरूरत है। अम्बाला कैंट का बिजली के मामले में खासतौर से ध्यान रखा जाना चाहिए क्योंकि वहां पर गरीब आदमी इंडस्ट्री चलाते हैं और हरियाणा से जितनी एक्सपोर्ट होती है उसका एक तिहाई हिस्सा

अम्बाला से एक्सपोर्ट होता हैं इसमे कोई भाक नहीं कि दे ा में और हमारे प्रांत में भी बिजली की कमी है और इसका कारण यह है कि लोगों की बिजली की जरूरतें बढ़ गई हैं। अब हर घर में पंखा, फ्रिज, टी0वी0 और गीजर आदि आपको मिलेंगे। अब हर तरफ तरक्की हो रही है। जो चीज इस दे ा में बनती है वह हम बनाते हैं। हरियाणा सरकार को केन्द्रीय सरकार को सिफारि ा करनी चाहिए कि तेल की, पैट्रोल की, डीजल की और बिजली की जितनी हमें जरूरत है उसके मुताबिक वह हमें अलौट करें। बिजली और पानी का एक पूल होना चाहिए। सार भारत का अगर उस पूल में हिस्सा होगा और उसमें से हिस्सा मिलेगा तभी हमारी तरक्की हो सकेगी। ( ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, अगर सारे दे ा में सौ साईकिल बनती हैं तो उनमें से साठ साईकिल हरियाणा में बनती है। हमारा प्रदे ा इतनी तरक्की कर रहा है। अपोजी ान बराय अपोजी ान है। इसका कोई मतलब नहीं है। जो अच्छा काम हमारी सरकार कर रही है उसको तो अपोजी ान को एप्रीि ाएट करना चाहिए। इस दफा सबसे बढ़िया काम यह हुआ है कि हमारी सरकार ने कोई टैक्स नहीं लगाया। हर बार हमारी अपोजी ान वाक आउट करती थी लेकिन इस बार वाक आउट नहीं किया। क्योंकि अब की बार इन्होंने बजट को पसंद किया हैं चेयरमैन साहब, जहां तक बिजली का ताल्लुक है सबसे पहले भाखडा में चार यूनिट थे और उनसे एक सौ बीस मैगावाट बिजली पेदा होती थी। उस समय बिजली की खपत ज्यादा नही थी और जवहार लाल नेहरू ने उस बिजली की खपत करने के

लिए नंगल खाद फैक्टरी बनवाई। उसके बाद पांच यूनिट और लगे और उनसे नब्बे मैगावाट बिजली पैदा की गई लेकिन वह भी कम हो गई। उसके बाद हमारे इंजीनियरों ने छः यूनिट और लगाए जिनसे एक सौ छः मैगावाट बिजली पैदा हुई छः यूनिट लगाने में न तो एक पैसे का काम बाहर से हुआ और न ही कोई इंजीनियर बाहर का आया। टोटल इंजीनियर हमारे दे ा के ही थे और सारा काम हमारे इंजीनियरों ने ही किया था। यह सारा दिमाग हमारे हरियाणा के इंजीनियरों का था और कितनी भाानदार चीज हमारे हरियाणा के इंजीनियरों ने बनाकर दी है।

चेयरमैन साहब, जहां तक ला एण्ड आर्डर का ताल्लुक है। हमारे अपोजी ान के भाई कहते हैं कि हरियाणा में ला एण्ड आर्डर की स्थिति खराब है। मैं कहना चाहता हूं कि आस पड़ौस के सूबों से मुकाबला करके देख लो पता लग जाएगा कि खराब है या अच्छी है। मुकाबला करके ही पता लगता है कि हमारे यहां ला एण्ड आर्डर अच्छा है या खराब है।

चेयरमैन साहब, जहां तक स्कूलों का ताल्लुक है। पिछले चार साल से हरियाण में तालीम पर बहुत खर्च किया जा रहा है लेकिन पिछले चार साल से अम्बाला छावनी से कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ जबकि अम्बाला छावनी हरियाणा का सबसे खूबसूरत भाहर है। ( ाोर एव व्यवधान) मैं आपको समझाने के लिए खडा नहीं हुआ हूं। ( ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, अम्बाला छावनी का बस स्टैंड सबसे पहला बस स्टैंड है जो पंजाब

तथा हरियाणा में बना था। उस वक्त आबादी भी कम थी और बसिज भी बहुत कम आती थी। आज अम्बाला छावनी की आबादी चार गुणा हो गई है। और बसिज की तादाद काफी बढ़ गई है जिसके कारण यह बस स्टैंण्ड बहुत छोटा पड़ गया है। चेयरमैन साहब, इस बस स्टैंण्ड के पीछे छः एकड़ जमीन पडी हुई है। वह सरकारी जमीन है और सिर्फ डिपार्टमैंट टू डिपार्टमैंट लेनी है। सारा काम कागज पर होना है। यह अड्डा जी0टी0 रोड पर है और हरियाणा में रोडवेल को सबसे से ज्यादा प्रोफिट यहां से है।

जहां तक बाढ़ का ताल्लुक है, हमारी सरकार ने बाढ को रोकने के लिये बहुत काम किया है और इस सूबे को बाढ से बचाना भी जरूरी है क्योंकि इससे काफी नुकसान होता है लेकिन अम्बाला छावनी में एक गुडगुडिया नाला है ? इसके पांच मुंह पीछे हैं और एक मुंह आगे हैं। मेरी सरकार से प्रार्थनाच है कि इसका अगला मुंह चौड़ा किया जाए और साथ ही साथ नाले का पक्का किया जाए। मैं इतना ही कहना चाहता हूं और इस बजट का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** चेयरमैन साहब, मैं आपको आपको सिर्फ मुबारिकवाद देने के लिये खड़ा हुआ हूं। बड़ी मुि कल से आपको मौका दिया गया है और मुझ पूरी उम्मीद है कि आप बढ़िया ढंग से हाउस की प्रोसीडिंग्ज को कंडक्ट कराएंगे।

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):** चेयरमैन साहब, सुबह मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि चन्द्रावती जी और देवी लाल जी को जो मीटिंग के लिये टैलीग्राम्ज भेजी थीं उनकी डेट वगैर वह बतायेंगे।

जो टैलीग्राम इन मैम्बर साहिबना को भेजी गई हैं उनको कापीज मेरे पास हैं। इनको ये टैलीग्राम 21 तारीख को भेजी गई थी। चन्द्रावती जी को रोहतक रोड, चरखी दादरी के पते पर भेजी गई थी और चौधरी देवी लाल को चौटाले के पते पर भेजी गई थी।

मैं इन टैलीग्रामज की कापीज इनको दिखा देता हूं।

**श्रीमती चन्द्रावती:** ठीक है जी।

(इस समय टैलीग्राम्ज की कापीज श्रीमती चन्द्रावती और श्री वीरेन्द्र सिंह को दिखाई गई)

**श्री लछमन सिंह कम्बाजे (इन्द्री):** चेयरमैन साहब, 1984–85 का जो बजट इस हाउस में पे ा हुआ है। मैं उस पर अपने विचार रखने के लिये खडा हुआ हूं। हसमें सडकों, परिवहन यातायात व पुलों का जिक्र किया था और यह मांग की थी कि इन्द्री हल्के के अंदर बहुत सी ऐसी नदियां पडती हैं जो कि बरसात के दिनों फलड का रूप धार कर लेती हैं और उन नदियों पर आज तक कोई पुल वगैरह नहीं बनाये गये हैं। जिससे लोगों को आने जाने में काफी असुविधा हो रही है। इसके लिए मुख्य

मंत्री महोदय ने यह वायदा भी किया था कि वहां पर पुल बनाये जाएगे पर सब बेकार। हमें इस बजट से बडी आ ाएं थी कि पुलों का काम प्रियारिटी बेसिज पर होगा पर हम लोगों को यह बजट देखकर बडी ही निरा ाा हुई है। इसमें न तो किसानों को किसी प्रकार की कोई राहत ही दी गयी है न ही गरीब लोगों के भले के लिये ही कोई काम किये गये हैं। यह बजट फिर किस काम का जो कि जनता की भलाई के लिये न हो। इस बजट में कुछ नहीं है। किसानों ने इस बजट से बडी आ ाा लगा रखी थी कि इस बजट से उनको कुछ मिलेगा। चेयरमैन साहब, यह बजट बिल्कुल खोखला और धोखे वाला बजट है। चेयरमैन साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार ने फल्ड के बचाव के लिये करोड़ों रूपया रखा है पिछले साल भी काफी रूपया रखा गया था परन्तु मुझे दुख है कि मेरे इलाके के बचाव के लिये सरकार ने एक पैसा भी नहीं खर्च किया है और न ही खर्च करने का सोचा है, ऐसा कोई प्रावधान इस सरकार इस बजट स्पीच के अंदर किया हैं जबकि उधर यू0पी0 वालों ने फलड के बचाव के लिये बहुत बडे बडे बांध बना लिये हैं ? हमारी समझ में यह नहीं आता कि यहां पर तो ऐसे कामों के लिये लाखों करोड़ों रूपया रखा जाता है ? लेकिन बाद में यह सारे का सारा बजट कहां जाता है ? कागजों में सब कुछ दिखा दिया जाता है।

चेयरमैन साहब, इससक आगे मैं सड़कों की हालत के बारे में भी यहां बताना चाहता हूं । यमुनानगर से करनाल तक जो

सडक है वह बहुत बुरी तरह से टूटी पडी है उसका बुरा हाल है। पिछले हाउस में भी मैंने यह बात रखी थी कि इस सडक को पूरा किया जाए लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। यहां तक भी मैं कहना चाहता हूं कि उस सडका का इतना बुरा हाल है कि कोई गर्भवती औरत भी वहां से बस में बैठकर गुजर नहीं सकती। उस सारी सडक पर गड्ढे पडे हुए हैं। मुझे यह बात बडे ही दुख के साथ कहनी पड़ रही हैं। अगर कोई औरत वहां से गुजर जाती है तो उसे हस्पताल का मुंह देखना पड़ता है। हमारे पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर महोदय बैठे हुए हैं मैंने उनसे भी कहा था कि उस सडक का बुरा हाल है। यमुनानगर से करनाल तक का केवल 60—70 किलोमीटर का एरिया है, इसको ठीक करवाया जाये। वहां पर बसों के टायर भी खराब हो जाते हैं, बसों की कमानियां भी टूट जाती है। इससे सरकार का भी नुकसान है, इसलिये जल्दी ही इस तरफ ध्यान दिया जाए। मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि इस काम को जल्द से जल्द करवाने की कृपा करें।

इससे अगला प्वायंट मेरा चेयरमैन साहब, हस्पतालों के बारे में हैं। हस्पतालों में दवाईयां नहीं मिलती। मेरे हल्के में कई हजार की जनता बसती है लेकिन वहां इन्द्री में केवल एक ही हस्पताल है। और वह भी केवल 8 बैडज का और अगर मरीज बढ जाते हैं तो उस इलाके की जनता को करनाल जाना पडता है। 20 मरीज हो जाएं तो वहां से करनाल जाना पडता है। इतनी दूर जाते जाते आधे मरीज तो भाायद रास्ते में ही मर जाएं। इसलिये

मैं हल्थ मिनिस्टर महोदय से यह कहूंगा कि वहां 20 या 30 बैडज का हस्पताल बनाया जाए। फलड के बारे में मैं पहले कह चुका हूं कि बजट बनाये ताकि जिन लोगो की भूमि कट कर उधर चली गयी है। और वे लोग घरों से बेघचर हो गये हैं उनको बचाया जा सके। उन्हें बचाने के लिए सरकार को कदम उठाने चाहियें। वे बेचारे पहले ही मेहनत मजदूरी करके अपना गुजारा चला रहे हैं। इसी सिलसिले में मैंने एक क्वै चन भी किया था लेकिन वह सवाल डिस अलाऊ कर दिया गया क्योंकि सरकार ने इस इलाके में कुछ काम न करवाने की कसम खा रखी है।

इसी तरह से बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिये इस बजट में कुछ नहीं द ार्किया गया है न ही इन लोगों को किसी तरह की रिलीफ ही दी गयी है। बैकवर्ड लोग हरियाणा में लगभग 20 से 30 परसैंट तक बसते हैं। बैकवर्ड लोगों के लिये इस बजट में कुछ नहीं रखा गया है। बैकवर्ड क्लासिज के लोग इस आस में बैठे रहे कि नया बजट आएगा और हमें सरकार कुछ न कुछ जरूर देगी लेकिन उन बेचारों को सरकार की तरफ से कोई राहत नहीं दी गयी है।

इसी तरह से ये सरकार 20 सूत्रीय कार्यक्रम की बार बार दुहाई देती है कि इस स्कीम के तहत किसी गरीब आदमी को उजाड़ा नहीं जाएगा। गरीबों को रहने के लिये मकान दिये जाएंगे परन्तु मैं आपको बताता हूं कि मेरे इलाके के श्री मनफूल सिंह और ि ाव नारायण बि ानोई ने गरीब आदमियों की झोंपड़ियां

उजाड़ कर उस जमीन पर कब्जा कर लिया और उस जमीन की रजिस्ट्रीयां भी हुई हैं। इसी सिलसिले में मैंने ि ाकायत भी की और मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि अगर यह साबित हो जाए तो मैं इस्तीफा दे दूंगा, नहीं तो ये दे दें। अब मैं इनके नामों की रजिस्ट्रीयां यहां हाउस में पे ा करता हूं ताकि उनको सच्चाई का पता लग जाए। अब सी0एम0 साहब को चाहिये कि अब वे इस्तीफा दें। रजिस्ट्री नम्बर 1476/1 रजिस्ट्री नम्बर 9/1 और 1052/1 बाकायदा उन जमीनों की रजिस्ट्रीयां है लेकिन वे लोग इस पर नाजायज कब्जा किये हुए हैं। यह रजिस्ट्रीयां कम से कम 6 लाख रूपये की होंगी। पाकिस्तान हिन्दुस्तान बना तो यह क्लेम मुजारा था तो भारत सरकार ने यह कैंसल कर दिया कि यह नहीं मिल सकते। फिर भी गलत ढंग से अलाटमैंट करवा ली गयी और मैं यहां हाउस में यह बात स्पश्ट करना चाहता हूं कि किस किस जमीन में झूठा कब्जा ि िव नारायण बि ानोई द्वारा किया हुआ है। वह इस प्रकार से है :–

(अबूब भाहर) खारा खेड़ 17 एकड़

नौरता (गिसरपड़ी) 11 एकड़ + 65 एकड़

जनेसडू 37 एकड़

महमूदपुर रोही में अलाटमैंट हुई है परन्तु यह मामला गुप्त रखा गया है कल्याना में 70 एकड़।

इस पर करतार कौर का क्लेम है लेकिन वह तो मर चुकी है एक और फर्जी करतार कौन बना कर उसके नाम यह जमीन अलाट करवा दी गयी है। चेयरमैन साहब, मैंने सरकार का झूठ का पोल खोला इसलिये अब मुख्यमंत्री महोदय को अपने कहे मुताबिक इस्तीफा देना चाहिए। ( ाोर एवं व्यवधान) एक करतार कौर नामक औरत का क्लेम था। जब वह पाकिस्तान से आ रही थी तो रास्ते में रेल में काटी गयी थी। क्योंकि उसका क्लेम आना था इसलिये यहा ंपर नकली करतार कौर खड़ी कर दी गई और उसको क्लेम दे दिया गया। इसका सबूत मेरे पास है। चेयरमैन साहब, गांव खाजा खेड़ा में 14 एकड़, चामत में 17 एकड़ पर नाजायज कब्जा किया गया। इसी तरह से देवडू में 100 एकड़ जमीन अलाटमैंट के लिये पड़ी हैं। इस सारे घोटोल में ि ाव नारायण निवासी अबूब भाहर के पास मुख्तयारना में हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, मुजारे का नाम दफा 4 में नहीं आ सकता लेकिन मलकियत के क्लेम दफ ा 4 में बनवाए हुए हैं

**चौधरी लीला कृश्णः** डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपका ध्यान इस बजट की कार्यवाही पर दिलाना चाहता हूं। यह कोई अली बाबा और चालीस चोर की कहानी नही है। जिसे मेरे भाई सुना रहे हैं। बार बार मुख्य मंत्री का नाम लेकर उन पर कटाक्ष करना ठीक नहीं है। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि चाहे अपोजी ान का नेता हो या रूलिंग पार्टी का

नेता हो, हमें हाउस के नेत के बारे में ऐसे भाब्द प्रयोग नहीं करने चाहिए। ( ाोर)

**श्री लछमन सिंह कम्बोजः** डिप्टी स्पीकर साहब, अगर हम ऐसी बातें यहां नहीं बताएंगे तो और कहां बताएंगे। इस किस्म के जो स्कैंडल हुए हैं, इनको देखकर बीस सूत्री प्रोग्राम तो एक फिजूल की बात है। इसी प्रोग्राम की आड में यह सब कुछ किया जा रहा है। लोगों के साथ धोखा और गद्दारी की जा रही है। मैंने पिछले सै ान में भी सबूत दिये थे। आज भी चीफ मिनिस्टर साहब को हाउस में रहना चाहिए था ताकि वे असलियत को जान लेते। अगर यह बात झूठ साबित हो जाए तो मैं अस्तीफा दे दूंगा। वरना चीफ मिनिस्टर अस्तीफा दे दें। आज किसानों को बिजली नहीं मिल रही है। और उनके साथ बडा अन्याय किया जा रहा है। इन्होंने मोना ब्लाक मोटर पर बहुत भारी टैक्स लगा दिया है। यह टैक्स पंजाब में नहीं, यू0पी0 में नहीं और राजस्थान में भी नहीं। इससे किसानों के ऊपर बहुत भारी बोझ पड़ेगा। इन्हौंने किसानों के ऊपर एक और जुलम किया है कि अगर कोई किसान दस बीस दिन बिजली का बिल न भरे तो उसका कनैक ान काट देते हैं। कनैक ान काटने के बाद उससे दोबारा सिकयोरिटी और टैस्ट रिपोर्ट मांगी जाती है। इसलिये किसानों पर यह जुल्म भी खत्म किया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट से किसानों को कुछ नहीं मिला। इस सरकार ने मेरे साथ भी बहुत ज्यादी की है। इन्होंने मेरे को अभी तक टैलीफोन कनैक ान भी नहीं दिया है

जबकि मंत्रीगण का कई कई लाख रूपया टैलीफोनों का खर्चा आता है। मुझे टैलीफाने देन पर 40–50 हजार रूपये के खर्चे की बात थी। मैं बैकवर्ड बिरादरी का हूं इसलिये यह काम भी बीस सूत्री कार्यक्रम में आता है। सरकार मेरे साथ अन्याया कर रही है। इन्हीं भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए इस बजट का विरोध करता हूं।

**श्री भले राम (बड़ौदा, अनुसूचित जाति):** डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मंत्री जी ने 20 मार्च को जो बजट पे ा किया था उस पर अब तक 5–6 मेरे भाई बोल चुके हैं और मैं भी उस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। यह 429 करोड़ 30 लाख रूपये का प्लान है। यह बजट गांव में रहने वाले गरीब आदमियों, पिछड़ी जातियों और छोटे किसानों की भावनाओं का प्रतीक हे। आप जानते हैं कि हरियाणा एक कृशि प्रान्त हैं और आप जानते हैं कि इस बजट का ज्यादा हिस्सा इरीगे ान और पावर सैक्टर के लिये रखा गया है। पावर सैक्टर के लिये 137 करोड 97 लाख रूपया रखा गया था। आप जानते हैं कि बिजली ज्यादा होगी तो किसानों को ज्यादा पानी मिलेगा और स्टेट की तरक्की होगी। आप पिछले आंकड़ें उठा कर देंखें। सरकार ने बिजली के पिछले साल 58356 जनरल कनैक ान दिरये थे, टयूबवैल्ज के 5856 के करीब कनैक ान दिये थे और इंडस्टीर को 21 के करीब कनैक ान दिये थे। लोगो की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए 1984–85 के लिये सरकार ने नि ाना बनाया है कि वह एक

लाख जनरल कनैक ान देगी और पांच हजार के करीब टयूबवैल्ज को कनै ान देगी। इसके साथ सरकार यह भी चाहती है कि किसानों को पानी मिले। इसके लिये भी सरकार ने स्कीम बनाई हैं। सरकार ने रजवाहे माइनर और नहरों को पक्का करने के लिये साढ़े 70 करोड रूपये खर्च करने के लिए रखे हैं। पिछले साल सरकार ने ऐसे रजवाहे, माइनर और नहरें 30 मिलियन स्केयर मीटर के करीब पक्के किये थे। इससे किसानों को 1800 क्यूसिक बढ़ा हुआ पानी मिला था। आने वाले साल में हमारा इरीगे ान का पोटैंि ायल तीस लाख हैक्टेयर से ज्यादा होगा। इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह बजट किन लोगों के लिये है। इसके लिये अलावा सरकार की पालिसी है कि जो लोग दबे हुए हैं, पिछड़े हुए हैं, वि ोशकर हरिजन हैं, उनके लिये एक स्पै ाल कम्पानैंट स्कीम चलाई है। उस स्कीम के लिये 31 करोड़ 8 लाख रूपया रखा गया है और हर एक महकमे का साढे बारह परसैंट हरिजनों पर खर्च होगा। इससे 60000 के करीब हरिजनों को फायदा होगा। इसके साथ साथ इस स्कीम से एक फायदा और होगा कि जिनके पास रहने के लिये मकान नहीं हैं। उनके लिये साढ़े बारस सौ के करीब मकान बनेंगे। हरिजनों को इस स्कीम से आर्थिक और सामाजिक तौर पर उठाने का नि ााना है।

**चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः** डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये बड़ौदा हल्के के हैं और बड़ौदा हल्का

हरियाणा में सबसे ज्यादा फल्ड की चपेट में है। ये उसको तो ठीक करवा लें।

**श्री उपाध्यक्षः** श्री भले राम जी, अब हाउस का समय समाप्त होता है। आप कल कन्टीन्यू करेंगे। अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिये एडजर्न किया जाता है।

**13.30 बजे।**

(तत्प चात सदन भाुक्रवार दिनांक 23.3.1984 को प्रात' 9.30 बजे तक के लिये स्थगित हुआ।)